

अर्थव्यवस्था की स्थिति*

पश्चिम एशिया में हाल ही में हुए अंतरिम शांति समझौते के बावजूद भू-राजनीतिक तनाव और व्यापार व्यवधान बने रहे। चुनौतीपूर्ण वैश्विक माहौल के बीच, भारतीय अर्थव्यवस्था 2025-26 की चौथी तिमाही में 7.8 प्रतिशत की दर से बढ़ी, जो निजी खपत और नियत निवेश द्वारा समर्थित है। पहले दो महीनों के दौरान उच्च-आवृत्ति संकेतक 2026-27 में निरंतर आर्थिक गति का सुझाव देते हैं। मई में तेजी के बावजूद, सीपीआई-मुद्रास्फीति स्थिर रही। एफडीआई अंतर्वाह और पर्याप्त विदेशी मुद्रा आरक्षित निधि द्वारा समर्थित भारत का बाहरी क्षेत्र सुदृढ़ बना रहा।

परिचय

भू-राजनीतिक तनाव और व्यापार व्यवधान वैश्विक अर्थव्यवस्था के सुदृढ़ता की परीक्षा ले रहे हैं। विस्तारित आपूर्ति-पक्ष के दबाव के कारण पण्य की कीमतों में निरंतर वृद्धि हुई है और जून की शुरुआत तक व्यापक मुद्रास्फीति की उम्मीदें हैं। पश्चिम एशिया में भू-राजनीतिक तनाव की पृष्ठभूमि में, विश्व बैंक ने अपनी नवीनतम रिपोर्ट में¹ अपने मुद्रास्फीति अनुमानों को बढ़ाते हुए वैश्विक सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) वृद्धि अनुमानों को कम कर दिया। इसके बावजूद, हाल ही में पश्चिम एशिया में तनाव कम होने और जून के तीसरे सप्ताह में अमेरिका और ईरान के बीच हुए अंतरिम शांति समझौते ने हालात के सामान्यीकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण शुरुआत की है।

वैश्विक क्रय प्रबंधक सूचकांक (पीएमआई) में मई में प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में व्यापक गिरावट देखी गई। हालांकि, स्ट्रेट ऑफ हॉर्मुज के खुलने की उम्मीद और आपूर्ति श्रृंखलाओं की क्रमिक बहाली के साथ, कच्चे तेल की कीमतों में जून में अब तक

महत्वपूर्ण गिरावट आई। पश्चिम एशिया में हो रही घटनाओं को देखते हुए, महंगाई की चिंताएं कम होने के साथ अमेरिकी खजाना प्रतिफलों में कमी आई, जबकि जून की शुरुआत तक ये ऊंचे स्तर पर बनी हुई थीं। उभरते बाजारों में बॉण्ड स्प्रेड और जोखिम रुख में उतार-चढ़ाव देखा गया, जो अनिश्चितताओं को दर्शाता है। मजबूत एआई और प्रौद्योगिकी क्षेत्र और बातचीत में प्रगति के कारण इक्विटी बाजारों में तेजी आई।

भारतीय अर्थव्यवस्था ने 2025-26 के लिए अनंतिम जीडीपी अनुमानों के संदर्भ में मजबूती प्रदर्शित की। 2025-26 की चौथी तिमाही के दौरान जीडीपी वृद्धि 7.8 प्रतिशत पर मजबूत रही, जो निजी खपत और नियत निवेश से चालित है। उच्च आवृत्ति संकेतक मई में निरंतर आर्थिक गतिविधि की ओर इशारा करते हैं। शहरी मांग के समर्थन से घरेलू मांग की स्थिति सुदृढ़ बनी रही। औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (आईआईपी) की संशोधित श्रृंखला के अनुसार, अप्रैल में औद्योगिक विकास मजबूत हुआ, जो विनिर्माण क्षेत्र द्वारा संचालित था।

मई 2026 में पिछले महीने की तुलना में पण्य व्यापार घाटा काफी हद तक अपरिवर्तित रहा, लेकिन मुख्य रूप से कच्चे तेल की ऊंची कीमतों के कारण साल-दर-साल बढ़ता गया।

खाद्य, ईंधन और मुख्य घटकों में व्यापक बढ़त के चलते उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) आधारित मुद्रास्फीति दर पिछले माह के 3.5 प्रतिशत से बढ़कर मई 2026 में 3.9 प्रतिशत हो गई। परिवहन ईंधन की कीमतों में वृद्धि तेल विपणन कंपनियों द्वारा खुदरा कीमतों के नवीनतम समायोजन को दर्शाती है। मुख्य मुद्रास्फीति (खाद्य और ईंधन को छोड़कर सीपीआई) में भी थोड़ी वृद्धि हुई।

मौद्रिक नीति समिति ने जून 2026 की अपनी द्वि-मासिक समीक्षा में, सर्वसम्मति से नीतिगत रेपो दर को 5.25 प्रतिशत पर अपरिवर्तित रखने का निर्णय लिया और पश्चिम एशिया संघर्ष की स्थिति और संभावित उप-सामान्य दक्षिण-पश्चिम मानसून और अल नीनो घटना² के जोखिमों पर अधिक स्पष्टता की प्रतीक्षा करते हुए “तटस्थ” रुख बनाए रखा।

* यह लेख राजीव दास, राधेश्याम वर्मा, ऋषभ कुमार, विश्वजीत मोहंती, श्रेया कंसल, ऊर्जा यादव, विकास आनंद, यामिनी झांब, अर्जित शिवहरे, निलवा दास, रंजीता मिश्रा, लव कुमार शांडिल्य, सिद्धार्थ चापोलिया, सुगंधी डी, शिवम, अर्चना दिलीप, आरती सिन्हा, अयान पॉल, अवनीश कुमार, साई धीरज वायुगुंडला चेंचू, सोनल यादव, अजय कुमार, अथिरा सीए और सौरभ शर्मा द्वारा तैयार किया गया है। उप गवर्नर डॉ. पूनम गुप्ता द्वारा प्रदान किए गए मार्गदर्शन और टिप्पणियों को कृतज्ञतापूर्वक स्वीकार किया जाता है। बिचित्रनंद सेठ, सुभद्रा शंकरन और देबोज्योति मजूमदार द्वारा सहकर्म समीक्षा को भी स्वीकार किया जाता है। इस लेख में व्यक्त किए गए विचार लेखकों के हैं और भारतीय रिजर्व बैंक के विचारों का प्रतिनिधित्व नहीं करते हैं।

¹ वैश्विक आर्थिक संभावनाएं, जून 2026।

² मौद्रिक नीति वक्तव्य, 2026-27 मौद्रिक नीति समिति का संकल्प जून, 2026

2025-26 के लिए केंद्र सरकार के अनंतिम खातों ने केंद्र के राजकोषीय सुदृढ़ीकरण पथ की विश्वसनीयता को मजबूत किया, जिसमें सकल राजकोषीय घाटा (जीएफडी) सकल घरेलू उत्पाद का 4.4 प्रतिशत था। हालांकि, राज्यों के घाटे के संकेतकों में थोड़ी गिरावट आई।

मई के दूसरे हिस्से और अब तक जून में बैंकिंग प्रणाली में अधिशेष चलनिधि में कमी आई है, जो संचलनगत मुद्रा में वृद्धि और सरकारी नकदी शेष-राशि में वृद्धि को दर्शाता है। भारत औसत कॉल दर (डब्ल्यूएसीआर) बढ़ गई और नीतिगत दायरे के ऊपरी आधे हिस्से में बनी रही। 91-दिवसीय खजाना बिल, 3-महीने के वाणिज्यिक पत्रों (सीपी) और जमा प्रमाणपत्रों (सीडी) पर प्रतिफल मई में मजबूत होने के बाद कम हो गया। सरकार और रिजर्व बैंक की ओर से विदेशी पूंजी को आकर्षित करने के लिए घोषित उपायों के कारण जी-सेक प्रतिफलों में कमी आई। कॉर्पोरेट बॉण्ड प्रतिफल में भी कमी आई, हालांकि प्रसार आम तौर पर बढ़े।

पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में 2026-27 (31 मई तक) के दौरान कुल वित्तीय संसाधन प्रवाह में वृद्धि हुई, जो गैर-खाद्य बैंक ऋण में वृद्धि और भारत में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) में वृद्धि से चालित है। मई 2026 में बैंक ऋण वृद्धि में और तेजी आई। मार्च-अप्रैल के दौरान, जमा और ऋण दरों में कुछ वृद्धि के साथ ऋण बाजार में नीतिगत दर संचरण में कमी आई।

पश्चिम एशिया संघर्ष पर चिंताओं के कारण जून की शुरुआत तक भारतीय इक्विटी बाजार कमजोर रहे इसके बाद अमेरिका-ईरान अंतरिम शांति समझौते से जुड़ी खबरों के बाद बाजार में सुधार आया। भारत का बाहरी क्षेत्र नियंत्रित चालू खाता घाटे और विदेशी मुद्रा आरक्षित निधि बफर के मामले में सुदृढ़ता प्रदर्शित कर रहा है।

पूंजी प्रवाह में, एफडीआई अंतर्वाह में मजबूती आई, जबकि विदेशी पोर्टफोलियो निवेश (एफपीआई) ने मार्च 2026 से निवल बहिर्वाह दर्ज किया। हाल के नीतिगत उपायों, जिसमें लंबी अवधि

की सरकारी प्रतिभूतियों के लिए पूर्णतः सुलभ मार्ग (एफएआर) का विस्तार और सरकारी प्रतिभूतियों में विदेशी निवेशकों के लिए कर छूट शामिल है, से भारतीय सरकारी कर्ज की मांग को मजबूत करने और पूंजी अंतर्वाह का समर्थन करने की उम्मीद है।

लेख का शेष भाग चार खंडों में प्रस्तुत किया गया है। खंड II वैश्विक अर्थव्यवस्था में उभरते विकास को कवर करता है। खंड III घरेलू व्यापक आर्थिक स्थितियों का आकलन प्रदान करता है। खंड IV भारत में प्रचलित वित्तीय स्थितियों को प्रस्तुत करता है, जबकि खंड V समापन टिप्पणियाँ प्रस्तुत करता है।

II. वैश्विक अनुभाग

पश्चिम एशिया में भू-राजनीतिक तनाव की पृष्ठभूमि में, विश्व बैंक ने अपनी नवीनतम वैश्विक आर्थिक संभावनाओं में, 2027 में सुधार की उम्मीद के साथ 2026 में वैश्विक विकास धीमा होने का अनुमान लगाया है (सारणी II.1)। हालांकि आर्थिक परिदृश्य के लिए जोखिम अभी भी नकारात्मक दिशा में झुके हुए हैं, लेकिन एआई को व्यापक रूप से अपनाने और उत्पादकता बढ़ाने वाले सुधार मध्यम अवधि की वृद्धि को सहारा दे सकते हैं। हाल ही में पश्चिम एशिया में तनाव कम होने और जून के तीसरे सप्ताह में अमेरिका और ईरान के बीच हुए अंतरिम शांति समझौते ने पश्चिम एशिया में हालात के सामान्यीकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण शुरुआत की है।

वैश्विक व्यापक आर्थिक वातावरण नाजुक बना रहा। जबकि उभरती अर्थव्यवस्था के इक्विटी बाजारों को अस्थिरता में वृद्धि का सामना करना पड़ा, अमेरिका और यूरोप जैसी उन्नत अर्थव्यवस्थाओं ने बेहतर आत्मविश्वास और जोखिम प्रीमियम में गिरावट को प्रतिबिंबित किया। पश्चिम एशिया में अंतरिम शांति समझौते ने ऊर्जा आपूर्ति व्यवधानों पर चिंताओं को कम किया (चार्ट II.1ए और बी)।

वैश्विक समग्र पीएमआई विस्तार क्षेत्र में बना रहा और अप्रैल की तुलना में मई में अपने कीमत को बनाए रखा, आंशिक रूप से अपेक्षित कीमत वृद्धि और आपूर्ति व्यवधान को ध्यान में रखते

सारणी II.1: विश्व बैंक: चुनिंदा एई और ईएमडीई देशों के लिए जीडीपी वृद्धि का अनुमान

के लिए अनुमान	2026		2027	
अनुमान का महीना	जनवरी 2026	जून 2026	जनवरी 2026	जून 2026
विश्व*	3.2	2.9	3.3	3.4
उन्नत अर्थव्यवस्थाएं (एई)	1.6	1.5	1.6	1.8
अमेरिका	2.2	2.2	1.9	2.1
यूरो क्षेत्र	0.9	0.8	1.2	1.3
जापान	0.8	0.7	0.8	0.9
उभरती बाजार और विकासशील अर्थव्यवस्थाएं (ईएमडीई)	4.0	3.6	4.1	4.2
रूस	0.8	0.8	1.0	0.7
भारत [#]	6.5	6.6	6.6	7.2
चीन	4.4	4.2	4.2	4.3
लैटिन अमेरिका और कैरिबियन	2.3	2.2	2.6	2.5
मेक्सिको	1.3	1.3	1.8	1.7
ब्राजील	2.0	1.9	2.3	2.0
मध्य पूर्व और उत्तरी अफ्रीका	4.3	1.6	4.3	5.0
सऊदी अरब	4.3	3.1	4.4	4.9
सब-सहारा अफ्रीका	4.3	4.0	4.5	4.4
दक्षिण अफ्रीका	1.4	1.0	1.5	1.5

टिप्पणियां: 1. *: विश्व बैंक के अनुमान पीपीपी भारत हैं।

2. #: भारत का डेटा राजकोषीय वर्ष (अप्रैल-मार्च) के आधार पर है, जबकि अन्य सभी देशों के लिए यह कैलेंडर वर्ष के अनुसार है।

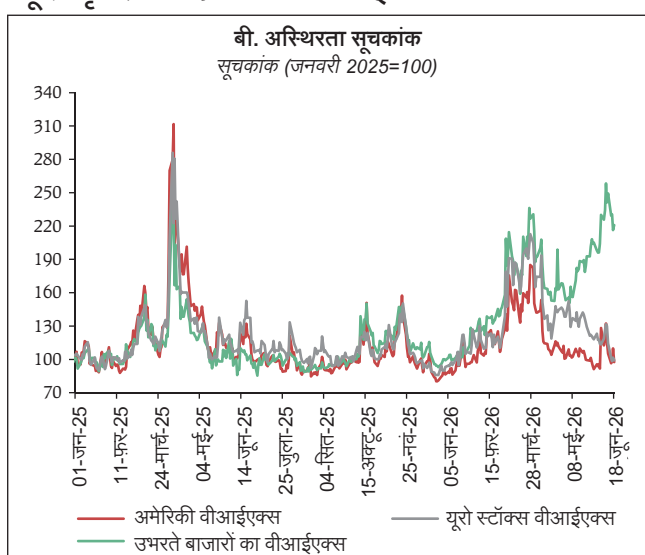
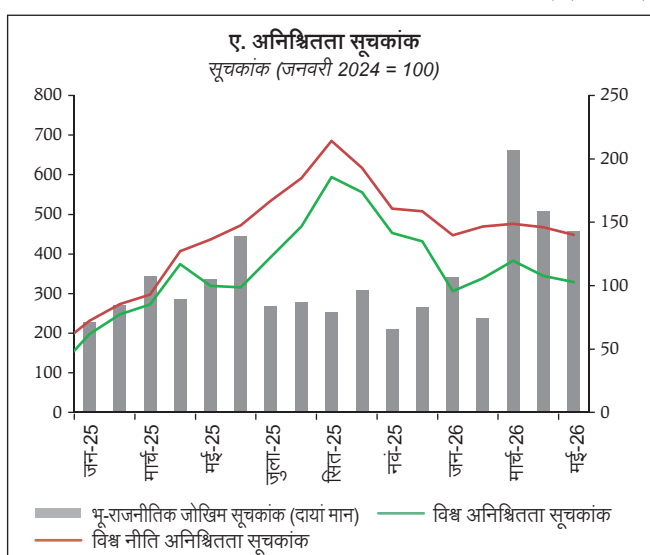
स्रोत: वैश्व आर्थिक संभावनाएं, विश्व बैंक, जून 2026।

हुए इन्वेंट्री की एक बारगी मांग से चालित था। विनिर्माण क्षेत्र ने उपभोक्ता, मध्यवर्ती और निवेश सामान उद्योगों में उत्पादन की मात्रा में वृद्धि के साथ लगातार तीसरे महीने सेवाओं से बेहतर प्रदर्शन किया। हालाँकि, अंतरराष्ट्रीय व्यापार प्रवाह में गिरावट जारी रही, नए निर्यात आदेश लगातार तीसरे महीने संकुचित हुए (सारणी II.2)।

प्रमुख उन्नत अर्थव्यवस्थाओं (एई) और उभरती बाजार और विकासशील अर्थव्यवस्थाओं (ईएमडीई) में व्यावसायिक प्रत्याशाएं अलग-अलग थीं। प्रमुख एई में, समग्र पीएमआई का विस्तार अमेरिका और जापान में हुआ, जबकि यह यूरो क्षेत्र और यूके में संकुचित हुआ (चार्ट II.2ए)। ईएमडीई के भीतर, भारत और चीन में व्यावसायिक गतिविधि का विस्तार जारी रहा। हालांकि, नए निर्यात आदेश मई में कम होते रहे। जापान और यूके को छोड़कर प्रमुख एई ने निर्यात आदेशों में संकुचन दर्ज किया। भारत को छोड़कर प्रमुख ईएमडीई में निर्यात आदेशों में भी गिरावट देखी गई (चार्ट II.2बी)।

निरंतर आपूर्ति श्रृंखला के दबाव के बावजूद, विश्व बैंक पण्य कीमत सूचकांक अप्रैल में अपने अत्यधिक ऊंचे स्तर से ब्रेंट कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट के कारण मई में कम हो गया। जून के तीसरे सप्ताह में पश्चिम एशिया शांति समझौते की घोषणा के

चार्ट II.1: वैश्विक अनिश्चितता और आपूर्ति श्रृंखला के दबाव में कमी आई



स्रोत: शिकागो बोर्ड ऑप्शंस एक्सचेंज; ब्लूमबर्ग; www.PolicyUncertainty.com; विश्व अनिश्चितता सूचकांक (डब्ल्यूयूआई) डेटाबेस; और फेडरल रिजर्व बैंक ऑफ न्यूयॉर्क।

सारणी II.2: वैश्विक क्रय प्रबंधक सूचकांक

	अप्रै-25	मई-25	जून-25	जुला-25	अग-25	सितं-25	अक्तू-25	नव-25	दिसं-25	जन-26	फर-26	मार्च-26	अप्रै-26	मई-26
पीएमआई समग्र	50.8	51.2	51.7	52.5	52.9	52.5	53	52.7	52	52.5	53.3	51.0	51.8	51.8
पीएमआई विनिर्माण	49.8	49.5	50.4	49.7	50.9	50.7	50.9	50.5	50.4	50.9	51.8	51.3	52.6	52.6
पीएमआई सेवाएं	50.8	52	51.8	53.5	53.3	52.9	53.5	53.2	52.4	52.8	53.4	50.8	51.2	51.3
पीएमआई निर्यात आदेश	47.5	48.0	49.1	48.5	48.9	49.7	48.5	49.9	49.3	49.7	51.2	49.6	49.6	48.9
पीएमआई निर्यात आदेश: विनिर्माण	47.3	48.0	49.2	48.2	48.7	49.5	48.3	49.9	49.1	49.9	51.4	50.0	50.2	49.6
पीएमआई निर्यात आदेश: सेवाएं	48.2	47.9	48.7	49.4	49.3	50.2	49.4	50.2	49.6	48.9	50.5	48.3	47.6	46.6

<<<<<संकुचन-----विस्तार>>>>>

टिप्पणियां: 1. क्रय प्रबंधक सूचकांक (पीएमआई), एक विसरण सूचकांक है, जो पिछले महीने की तुलना में प्रत्येक चर में हुए परिवर्तन को दर्शाता है और यह नोट करता है कि प्रत्येक बढ़ा/सुधरा है, घटा/बिगड़ा है या अपरिवर्तित रहा है। 50 से अधिक का पीएमआई मान विस्तार को दर्शाता है; 50 से कम संकुचन को दर्शाता है; और 50 के बराबर 'कोई परिवर्तन नहीं' को दर्शाता है।

2. अप्रैल 2023 के बाद के आंकड़ों पर हीट मैप लागू किया गया है। मैप में रंगों का इस्तेमाल किया गया है – लाल रंग प्रत्येक पीएमआई श्रृंखला में न्यूनतम मान को दर्शाता है, पीला रंग 50 (या कोई परिवर्तन नहीं वाला मान) को दर्शाता है, और हरा रंग उच्चतम मान को दर्शाता है।

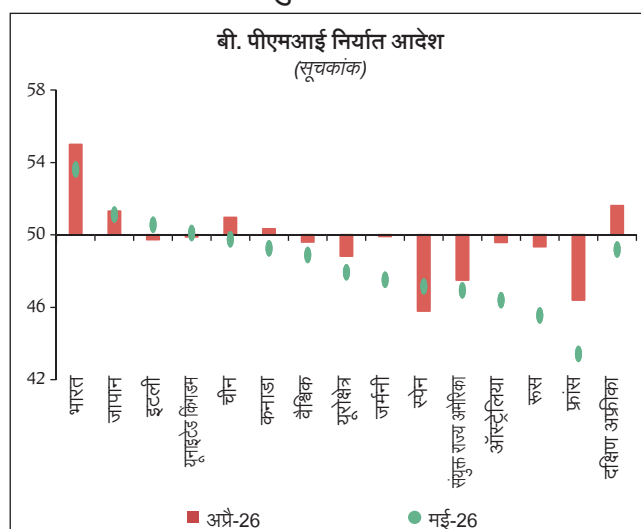
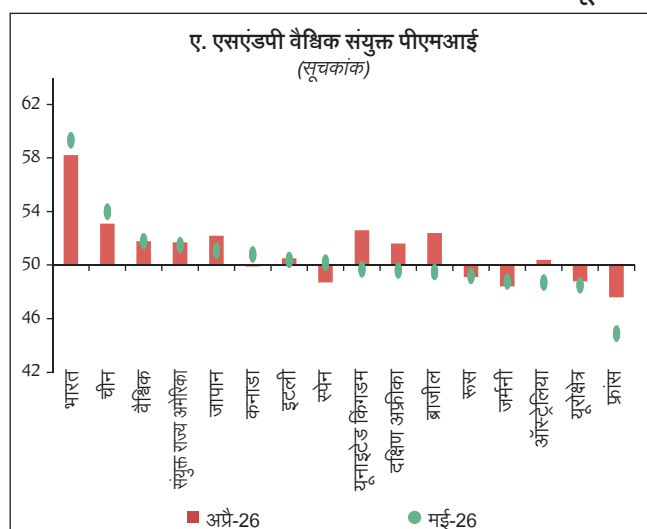
स्रोत: एस एंड पी ग्लोबल।

बाद ब्रेंट कच्चे तेल की कीमतें तेजी से 80 अमेरिकी डॉलर से नीचे आ गईं। एफएओ खाद्य कीमत सूचकांक स्थिर रहा, क्योंकि अनाज और चीनी की कीमत में वृद्धि वनस्पति तेलों और डेयरी उत्पादों में गिरावट से समायोजित थी (चार्ट II.3ए)। महीने के अंत और जून की शुरुआत में गिरने से पहले ब्लूमबर्ग पण्य सूचकांक मई की शुरुआत में अस्थिर रहा। यह सुधार कृषि उत्पादों, ऊर्जा और कीमती धातुओं की कीमतों में कमी के कारण हुआ। जून में अब तक सोने की कीमतों में गिरावट जारी रही है, क्योंकि प्रमुख केंद्रीय बैंकों द्वारा मौद्रिक नीति को सख्त किए जाने की उम्मीदों

के कारण लगातार बिकवाली का दबाव और बढ़ गया है (चार्ट II.3बी)।

जून के पहले हफ्ते में एल्युमीनियम की कीमतें मार्च 2022 के बाद के सबसे ऊँचे स्तर पर पहुँच गईं, लेकिन बाद में उनमें गिरावट आई। एक अंतरिम शांति समझौते के कारण गैसोलीन और जेट ईंधन की कीमतें, जो संघर्ष के दौरान अपने उच्चतम स्तर पर थीं, अब कम हो गई हैं। चीन में निर्यात पर लगी प्रतिबंधों में ढील और वसंत रोपण का मौसम खत्म होने पर बड़े आयातक करने वाले देशों से मांग घटने के कारण यूरिया की कीमतें तेजी से

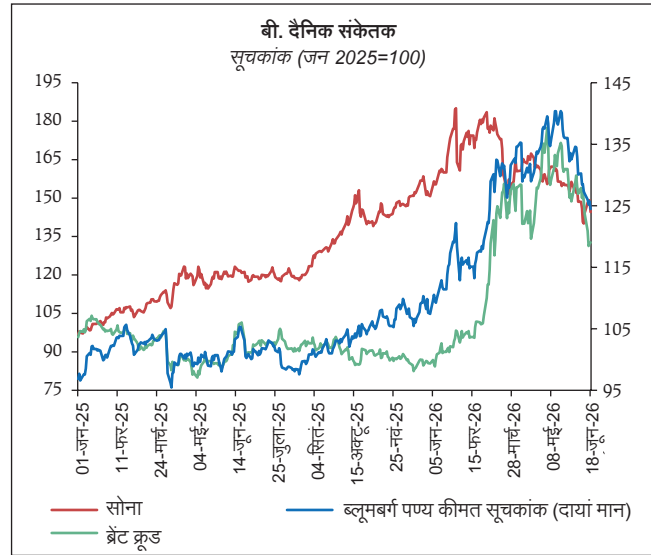
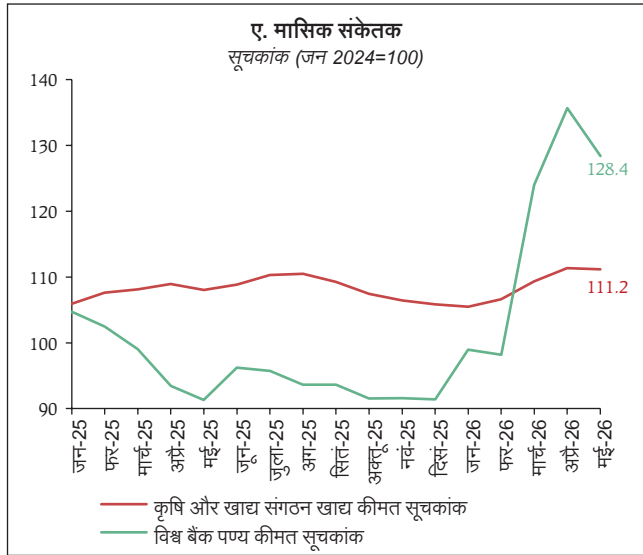
चार्ट II.2: क्रय प्रबंधक सूचकांक : अधिकार-क्षेत्रों के बीच तुलना



टिप्पणी: 50 का स्तर गतिविधियों में कोई बदलाव न होने को दर्शाता है, जबकि 50 से ऊपर का आंकड़ा विस्तार का संकेत देता है और 50 से नीचे का आंकड़ा संकुचन की ओर इशारा करता है।

स्रोत: एस एंड पी ग्लोबल।

चार्ट II.3: पण्य/खाद्य पदार्थों की कीमतों में कमी आई

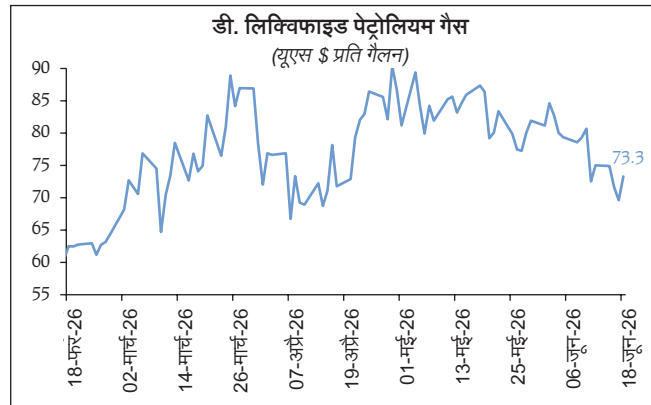
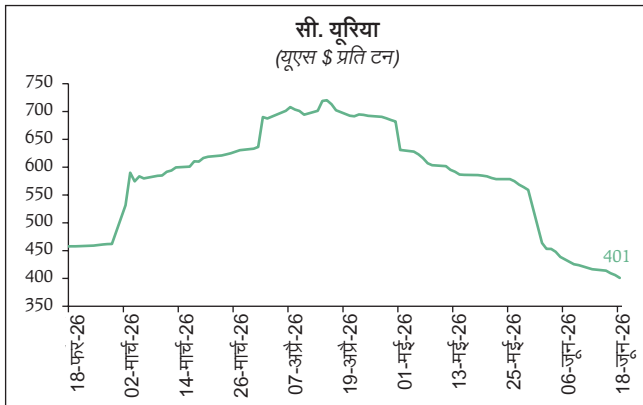
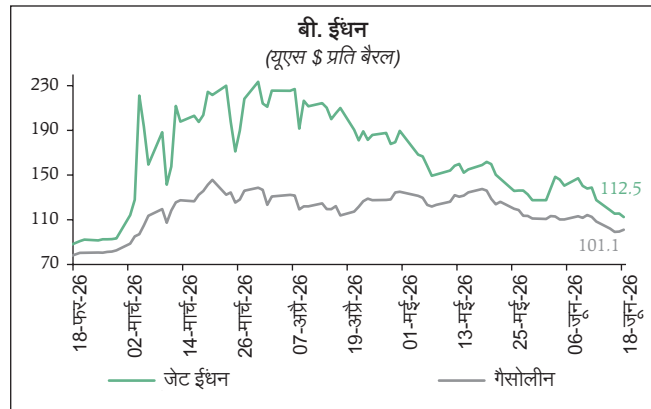
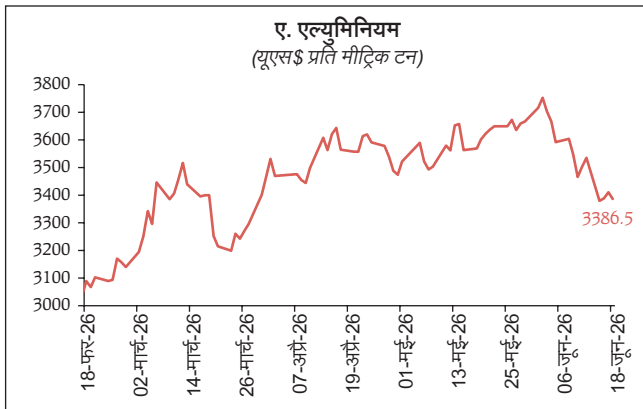


स्रोत: खाद्य और कृषि संगठन; ब्लूमबर्ग; और विश्व बैंक पिक शीट।

गिरकर युद्ध से पहले के स्तर पर आ गई। अमेरिका में इन्वेंट्री का स्तर बेहतर होने के बीच मई के मध्य में बढ़ोतरी के बाद जून में

लिविफाइड पेट्रोलियम गैस (एलपीजी) की कीमतों में भी गिरावट आई (चार्ट II.4)।

चार्ट II.4: यूरिया को छोड़कर पण्य कीमतें संघर्ष से पूर्व के स्तर से ऊपर बनी रहीं



टिप्पणी: आंकड़े निम्नलिखित बेचमार्क करार और कीमत सूचकांकों से संबंधित हैं: एलएमई एल्युमिनियम 3-महीने के वायदा; सिंगापुर जेट केरोसीन और सिंगापुर पेट्रोल के स्पॉट कीमतें; यूरिया यूएस गल्फ वायदा; और मोट बेल्व्यू प्रोपेन निश्चित कीमत वायदा (एलपीजी)।

स्रोत: ब्लूमबर्ग।

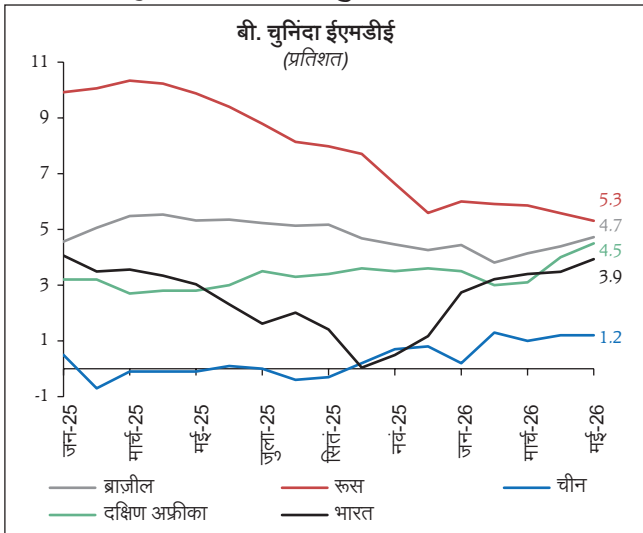
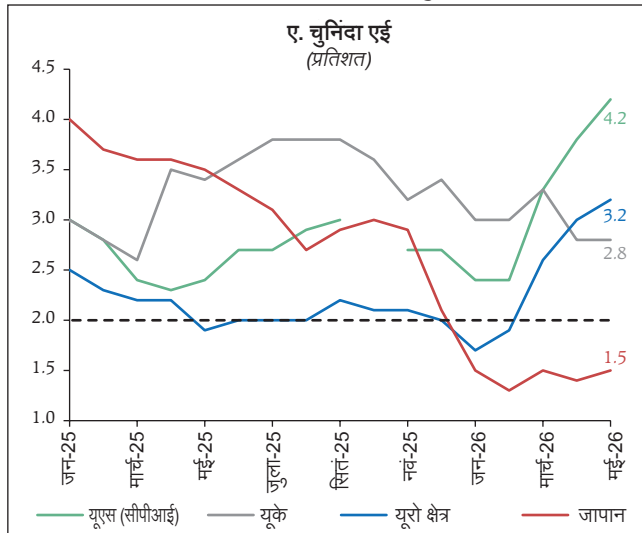
मई में, प्रमुख एई और ईएमडीई में हेडलाइन मुद्रास्फीति आम तौर पर बढ़ गई। प्रमुख एई के बीच, ईंधन की कीमतों में तेज वृद्धि के कारण अमेरिका में मुद्रास्फीति तीन वर्षों में अपने उच्चतम स्तर पर पहुंच गई। यूरो क्षेत्र में भी, ऊर्जा और सेवाओं की वजह से हेडलाइन मुद्रास्फीति बढ़ी। जापान में, सरकार की ईंधन सब्सिडी खत्म होने के बाद महंगाई में बढ़ोतरी देखी गई, जबकि यूके में खाने-पीने की चीजों की महंगाई में कमी के कारण महंगाई स्थिर रही, जिसकी भरपाई परिवहन की लागत में बढ़ोतरी से हो गई (चार्ट II.5ए)। आम तौर पर, ईएमडीई में मुद्रास्फीति को लेकर चिंताएं बढ़ीं। ब्राजील में खाने-पीने की चीजों की वजह से मुद्रास्फीति बढ़ी, जबकि दक्षिण अफ्रीका में इसकी वजह ईंधन था। हालाँकि, रूस में मुद्रास्फीति कम हुई, जिसका मुख्य कारण खाने-पीने की चीजों की कीमतों में गिरावट थी, जबकि चीन में यह स्थिर रही (चार्ट II.5बी)।

मई में टेक स्टॉक्स और पश्चिम एशिया में राजनयिक सफलता की बढ़ती प्रत्याशाओं के कारण इक्विटी बाजार में तेजी आई। हालाँकि, जून की शुरुआत में टेक स्टॉक्स के अधिमूल्यन की चिंताओं और अमेरिका में मज़बूत गैर-कृषि पेट्रोल डेटा के कारण मौद्रिक सहायता की संभावना कम होने से बाज़ार में गिरावट देखी गई। जून के बीच में अमेरिका-ईरान शांति समझौते की घोषणा, तेल की कम कीमतों और जोखिम लेने की नई इच्छा के कारण बाज़ार में सुधार हुआ। पहली तिमाही में कंपनियों की

मज़बूत कमाई और युद्धविराम बातचीत में प्रगति की प्रत्याशाओं ने अमेरिका में इक्विटी बाज़ार के रुख को बनाए रखा। हालाँकि, फेड के सख्त रुख वाले बयान के कारण प्रमुख इक्विटी सूचकांक में गिरावट आई। ऊर्जा की कीमतों के प्रति ज्यादा संवेदनशीलता और निवेशकों के कमज़ोर रुख के कारण यूरो क्षेत्र के शेयर मोटे तौर पर स्थिर रहे। एआई और सेमीकंडक्टर से जुड़े शेयरों की वजह से जापानी इक्विटी में थोड़ी बढ़त देखी गई। उभरते बाजारों में इक्विटी का प्रदर्शन मुख्य रूप से कुछ एशियाई टेक्नोलॉजी-प्रधान बाजारों की वजह से बेहतर रहा (चार्ट II.6ए)। हाल के समय में एस एंड पी 500 में टेक्नोलॉजी शेयरों का प्रदर्शन सबसे अहम रहा है और इन्होंने दूसरे क्षेत्रों के मुकाबले काफी बेहतर प्रदर्शन किया है (चार्ट II.6बी)।

महंगाई की चिंताओं और ब्याज दरों में कटौती की उम्मीदें कम होने के कारण मई में 10-साल के अमेरिकी खजाना प्रतिफलों में बढ़ोतरी हुई। हालाँकि, भू-राजनीतिक तनाव कम होने और ऊर्जा की कीमतों में कमी के कारण जून के मध्य में यह एक दायरे में बना रहा। जून के मध्य तक उभरते बाजारों के बॉण्ड प्रतिफल प्रसार में कमी आई, क्योंकि युद्धविराम की बातचीत ने जोखिम की धारणा को कम किया (चार्ट II.6सी)। मई के ज्यादातर समय अमेरिकी डॉलर सूचकांक स्थिर रही, जिसे मज़बूत अमेरिकी आर्थिक आंकड़ों का सहारा मिला; लेकिन महीने के आखिर में बढ़ती महंगाई और फेड द्वारा सख्ती की उम्मीदों के बीच यह

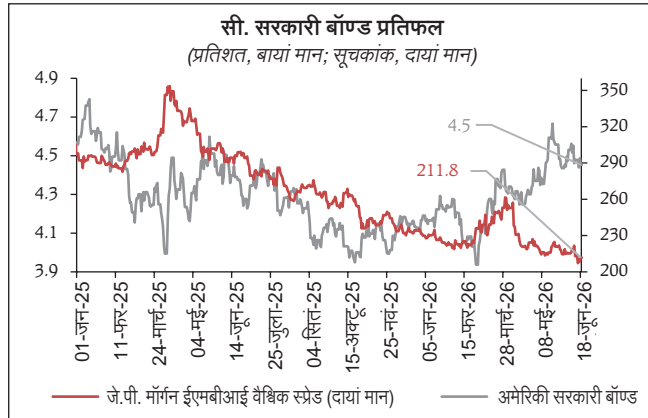
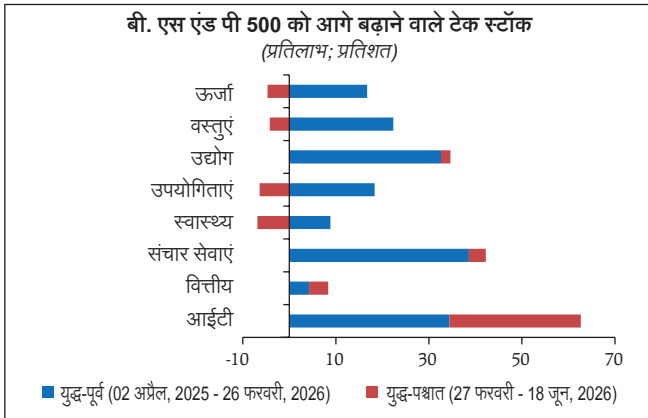
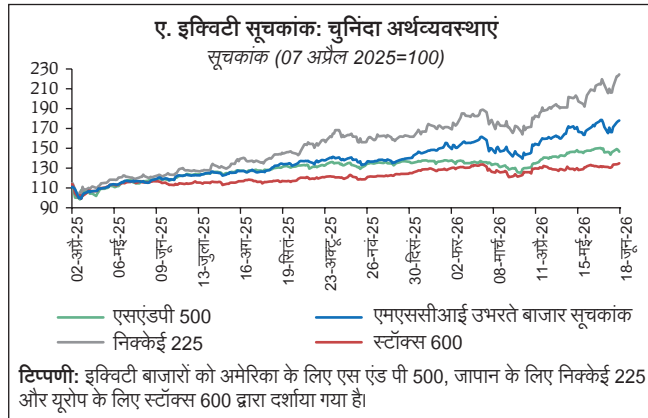
चार्ट II.5: प्रमुख एई और ईएमडीई में हेडलाइन मुद्रास्फीति में वृद्धि हुई



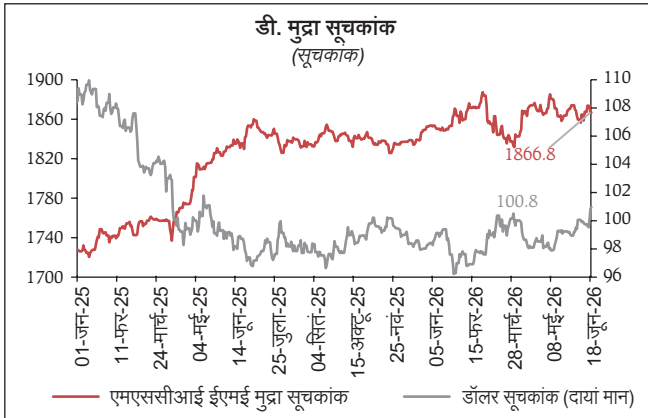
टिप्पणी: अमेरिका में मुद्रास्फीति के आंकड़ों की श्रृंखला में व्यवधान उस अवधि के दौरान सरकार के शटडाउन के कारण हुआ है।

स्रोत: ब्लूमबर्ग और आईसीडी।

चार्ट II.6 : वैश्विक वित्तीय बाजार



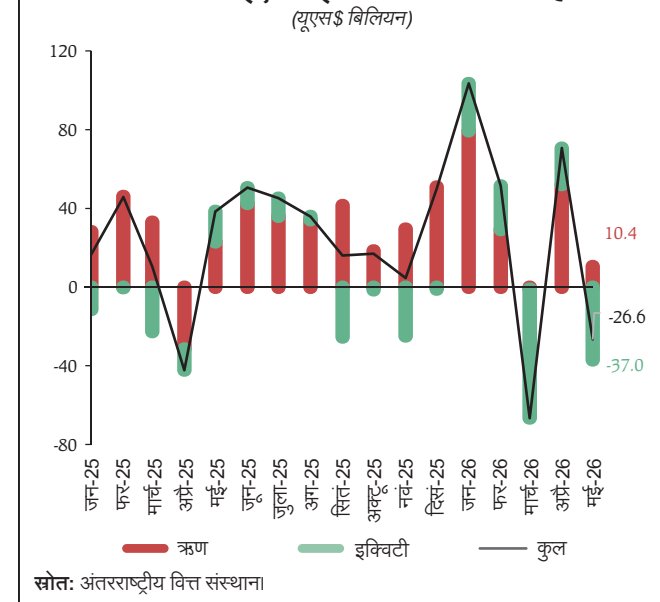
स्रोत: ब्लूमबर्ग।



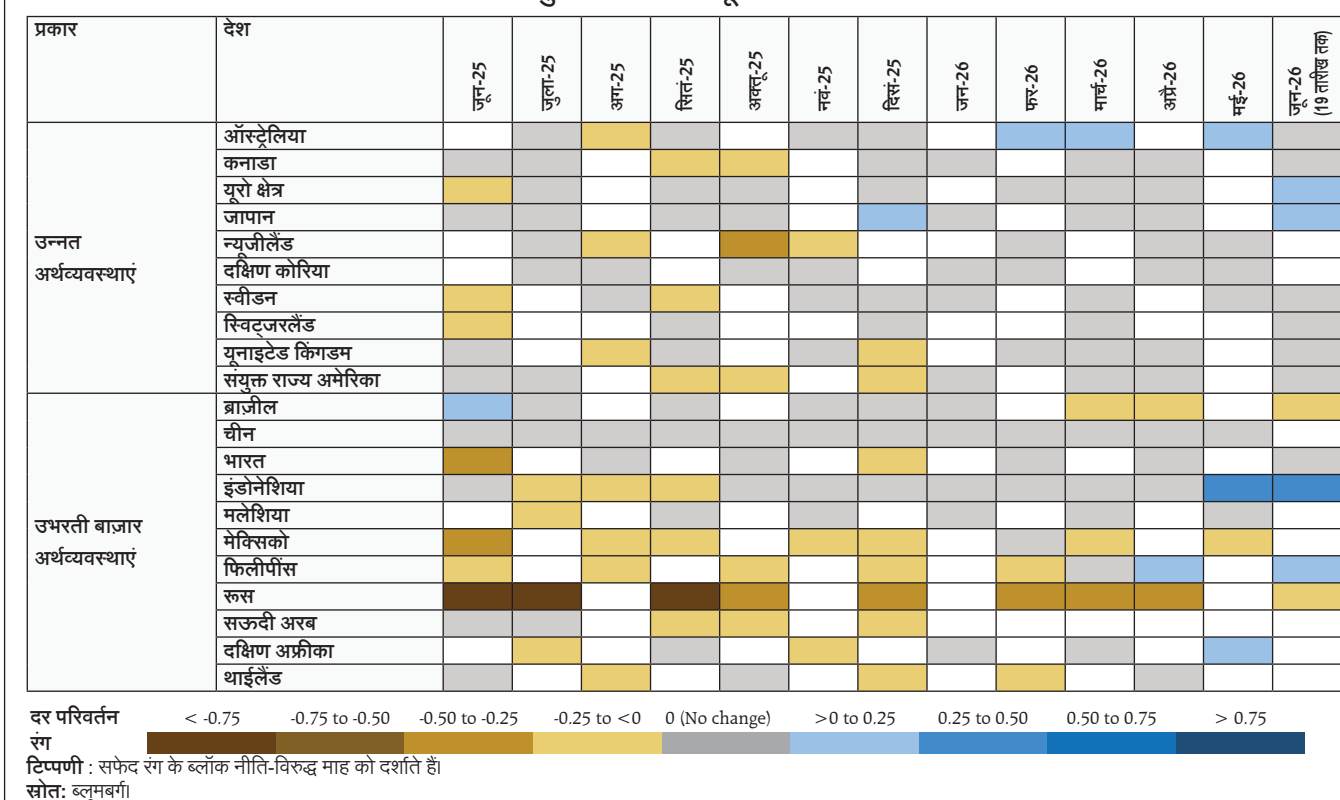
मजबूत हुआ। जून के पहले हिस्से में भू-राजनीतिक तनाव कम होने की वजह से इसमें गिरावट का रुख रहा, हालांकि बाद में फेड के सख्त रुख के कारण यह मजबूत हुआ (चार्ट II.6डी)। उभरते बाजारों में पोर्टफोलियो प्रवाह में ऋण अंतर्वाह जारी रहने के बावजूद इक्विटी से भारी बहिर्वाह देखा गया (चार्ट II.7)।

जून में, प्रमुख केंद्रीय बैंकों ने चुनौतीपूर्ण विकास-मुद्रास्फीति समझौते के बीच सतर्क मौद्रिक नीति रुख अपनाया। प्रमुख एई के बीच, जबकि यूरो क्षेत्र और जापान ने मुद्रास्फीति के दबाव के जवाब में दरों में बढ़ोतरी की ओर रुख किया, अमेरिका, ब्रिटेन के साथ-साथ अन्य प्रणालीगत रूप से महत्वपूर्ण केंद्रीय बैंकों ने दरों में कोई बदलाव नहीं किया। ईएमडी में, रूस और ब्राजील ने ग्रोथ को बढ़ावा देने के लिए ब्याज दरें कम कीं, साथ ही यह भी माना कि भू-राजनीतिक तनाव से महंगाई बढ़ सकती है; वहीं फिलीपींस ने वैश्विक स्तर पर तेल और उर्वरक की बढ़ी हुई कीमतों के कारण महंगाई के भारी दबाव को देखते हुए ब्याज दरें बढ़ाईं। इंडोनेशिया

चार्ट II.7 ईएमडी में पोर्टफोलियो प्रवाह



चार्ट II.8: प्रमुख केंद्रीय बैंक जून में सावधान बने रहे



ने महंगाई को काबू में रखने और विनिमय दर को स्थिर करने के मकसद से लगातार दूसरे महीने अपनी बेंचमार्क दर में तेजी से बढ़ोतरी की (चार्ट II.8)।

III. घरेलू विकास

जीडीपी के तिमाही अनुमानों से पता चलता है कि पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष की चुनौतियों के बावजूद, 2025-26 की आखिरी तिमाही में मजबूत विकास हुआ। मई के उच्च-आवृत्ति संकेतक भी अच्छी आर्थिक गतिविधि का संकेत देते हैं। औद्योगिक गतिविधि मजबूत बनी रही और सेवा क्षेत्र ने भी सुदृढ़ता का प्रदर्शन किया। चावल और गेहूं का रिकॉर्ड बफर स्टॉक 'अल नीनो' के किसी भी बुरे असर से निपटने में मदद करेगा।

मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) ने जून 2026 की अपनी समीक्षा में नीतिगत रेपो दर को 5.25 प्रतिशत पर अपरिवर्तित रखने के लिए सर्वसम्मति से मतदान किया। एमपीसी ने तटस्थ नीतिगत रुख के साथ पश्चिम एशिया संघर्ष के सामने आने और अर्थव्यवस्था पर इसके प्रभाव-विस्तार प्रभावों के साथ-

साथ संभावित उप-सामान्य दक्षिण-पश्चिम मानसून और अल नीनो मौसम पैटर्न से होने वाले जोखिमों का आकलन करने के लिए अधिक स्पष्टता की प्रतीक्षा करने की आवश्यकता पर जोर दिया।

केंद्र सरकार के 2025-26 के अनंतिम खातों से राजकोषीय सुदृढ़ीकरण जारी रहने की पुष्टि हुई, जिसमें जीएफडी का जीडीपी के मुकाबले अनुपात 2024-25 के स्तर से कम रहा। हालांकि, राज्य सरकार के समेकित वित्त के अनंतिम खातों से 2025-26 में कुछ गिरावट का संकेत मिला।

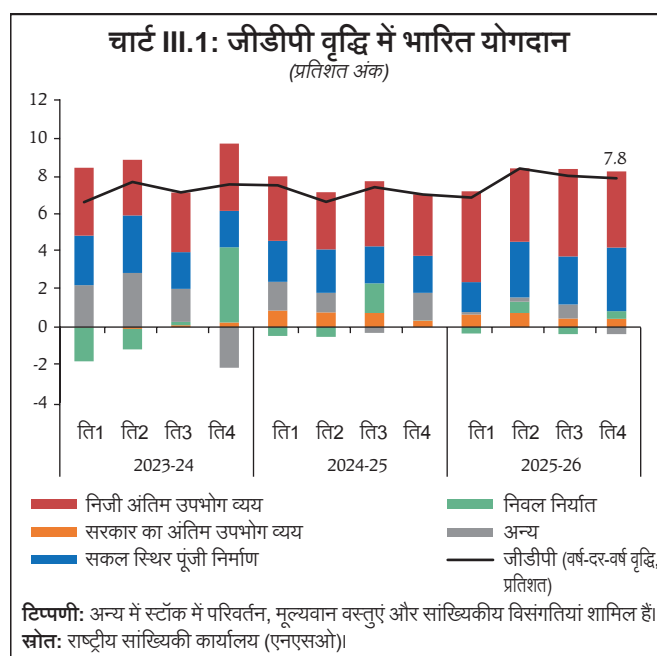
समग्र मांग

2025-26 के अनंतिम अनुमानों के अनुसार वार्षिक वास्तविक सकल घरेलू उत्पाद की वृद्धि बढ़कर 7.7 प्रतिशत हो गई, जो 2024-25 में दर्ज 7.1 प्रतिशत से अधिक है (अनुबंध सारणी 1)।

2025-26 की चौथी तिमाही में 7.8 प्रतिशत की तिमाही वृद्धि ने पश्चिम एशिया संघर्ष के टूटने के बावजूद निरंतर गति प्रदर्शित

की। मजबूत प्रदर्शन को मुख्य रूप से मजबूत निजी खपत और नियत निवेश गतिविधि में दोहरे अंकों के विस्तार द्वारा समर्थित किया गया था। बाहरी मोर्चे पर, निवल निर्यात ने वास्तविक जीडीपी वृद्धि में सकारात्मक योगदान दिया (चार्ट III.1)।

उच्च आवृत्ति संकेतक मई में आर्थिक गतिविधियों के सुदृढ़ता की ओर इशारा करते हैं। ई-वे बिलों ने दोहरे अंकों की वृद्धि हासिल करना जारी रखा। अप्रैल³ में मजबूत वृद्धि दर्ज करने के बाद मई में माल और सेवा कर (जीएसटी) राजस्व वृद्धि क्रमिक रूप से कम हो गई। मई में पेट्रोल, डीजल और विमानन ईंधन की खपत में सकारात्मक वृद्धि दर्ज की गई, जबकि एलपीजी, पेट्रोलियम कोक और नेफ्था की खपत में तेज गिरावट के कारण कुल पेट्रोलियम उत्पादों की खपत में गिरावट आई।⁴ गर्मी की लहर के कारण मई में बिजली की मांग में दोहरे अंकों की वृद्धि (वर्ष-दर-वर्ष) दर्ज की गई। अगस्त 2025 में फास्टटैग वार्षिक पास योजना की शुरुआत के बाद टोल लेनदेन की मासिक संख्या में गिरावट जारी रही।⁵ डिजिटल



भुगतान ने मूल्य और मात्रा दोनों के संदर्भ में स्थिर वृद्धि दर्ज की (सारणी III.1)।

सारणी III.1: समग्र आर्थिक गतिविधि ने सुदृढ़ता प्रदर्शित किया

संकेतक	मई-25	जून-25	जुला-25	अग-25	सित-25	अक्टू-25	नव-25	दिस-25	जन-26	फर-26	मार्च-26	अप्रै-26	मई-26
जीएसटी ई-वे बिल (मात्रा)	18.9	19.3	25.8	22.4	21.0	8.2	27.6	23.5	15.8	18.8	12.9	11.8	10.9
जीएसटी राजस्व		6.5	8.2	6.9	10.0	7.6	0.7	6.1	6.2	8.1	8.8	8.7	3.2
टोल संग्रह (मात्रा)	16.4	15.5	14.8	12.7	4.5	4.6	2.9	0.4	-1.8	-8.7	-4.0	-5.8	-7.2
बिजली मांग (मात्रा)		-2.3	2.6	3.8	3.5	-5.8	-0.6	5.8	3.8	1.0	0.8	3.0	11.2
पेट्रोलियम उत्पादों का कुल उपभोग (मात्रा)	1.1	0.5	-4.4	4.8	7.0	-1.5	0.6	4.5	0.3	4.5	3.2	-3.8	-6.5
जिसमें शामिल हैं:													
पेट्रोल	9.2	6.8	5.9	5.5	8.0	7.4	2.6	7.1	6.1	6.1	7.6	6.8	3.4
डीजल	2.1	1.5	2.3	1.2	6.5	-0.3	4.8	5.2	3.3	4.3	8.1	0.9	1.6
एविएशन टरबाइन ईंधन	4.4	3.3	-2.3	-2.9	-0.8	2.1	5.4	0.2	5.5	4.0	0.6	-0.1	0.9
डिजिटल भुगतान – मात्रा	29.2	28.3	30.9	31.1	28.1	21.5	30.2	26.8	25.4	23.5	21.0	22.3	18.7
डिजिटल भुगतान – मूल्य	12.6	17.4	16.6	5.3	13.4	8.8	14.7	15.2	11.3	17.9	12.6	14.4	11.0

< संकुचन > < विस्तार >

टिप्पणियाँ: 1. सभी संकेतकों के लिए वर्ष-दर-वर्ष वृद्धि (प्रतिशत) की गणना की गई है।

2. हीटमैप अप्रैल 2023 से उस नवीनतम माह तक के आंकड़ों पर लागू किया गया है, जिसके लिए आंकड़े उपलब्ध हैं।

3. सकल जीएसटी राजस्व में तीन घटक शामिल हैं- आईजीएसटी, सीजीएसटी, और एसजीएसटी।

4. डिजिटल भुगतान के लिए, हीटमैप अप्रैल 2024 से उस नवीनतम माह तक के आंकड़ों पर लागू किया गया है, जिसके लिए आंकड़े उपलब्ध हैं।

5. मई 2026 के लिए डिजिटल भुगतान के आंकड़े अनंतिम हैं।

6. हीटमैप प्रत्येक संकेतक के लिए आंकड़ों की सीमा को एक रंग ग्रेडिएंट योजना में अनुवाद करता है, जिसमें लाल रंग संबंधित आंकड़ा श्रृंखला के न्यूनतम मानों को और हरा रंग उच्चतम मानों को दर्शाता है।

स्रोत: माल एवं सेवा कर नेटवर्क; आरबीआई; केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण; भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम; और पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय।

³ मई 2025 के लिए जीएसटी राजस्व में स्पेक्ट्रम आवंटन के लिए दूरसंचार ऑपरेटर द्वारा किए गए एकमुश्त भुगतान के लगभग ₹10,000 करोड़ शामिल थे। इस एकमुश्त भुगतान के लिए समायोजित, सकल जीएसटी राजस्व मई 2026 में 9 प्रतिशत बढ़ गया (स्रोत: जीएसटी पोर्टल)।

⁴ एलपीजी, पेट्रोलियम कोक और नेफ्था की खपत में मई में क्रमशः 20.5 प्रतिशत, 11.4 प्रतिशत और 29.4 प्रतिशत की गिरावट आई (स्रोत: पेट्रोलियम योजना और विश्लेषण प्रकोष्ठ, पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय)।

⁵ वार्षिक पास उपयोगकर्ताओं को एक निश्चित शुल्क पर एक वर्ष में 200 यात्राएं करने की अनुमति देता है, जिससे प्लाजा में प्रति ट्रिप टोल राजस्व कम हो जाता है।

मई में शहरी मांग में तेजी के कारण घरेलू मांग मजबूत बनी रही। लगातार तीन महीनों तक गिरावट के बाद, मई में घरेलू हवाई यात्री ट्रैफिक की सालाना वृद्धि दर में सुधार हुआ। नए उत्पाद लॉन्च और स्वस्थ बुकिंग के साथ यात्री वाहनों की बिक्री में वृद्धि में तेजी आई। सभी तरह की गाड़ियों में इलेक्ट्रिक गाड़ियों (ईवी) की हिस्सेदारी बढ़ी।⁶ दूसरी ओर, ग्रामीण मांग में खुदरा ऑटोमोबाइल बिक्री के मामले में कुछ कमी देखी गई (सारणी III.2)।

उपभोक्ता विश्वास सर्वेक्षण⁷ के नवीनतम दौर से पता चला है कि बदलती समष्टि-आर्थिक स्थितियों और पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष से पैदा हुई अनिश्चितताओं के कारण लोगों का रुझान कम हो रहा है। शहरी इलाकों में वर्तमान स्थिति सूचकांक निराशाजनक दायरे में ही बना रहा, जिसकी मुख्य वजह आम आर्थिक हालात, रोजगार की स्थिति और खर्च को लेकर लोगों की रुझान में आई

गिरावट थी। भावी प्रत्याशा सूचकांक भी थोड़ा कम हुआ, लेकिन यह आशावादी क्षेत्र में ही बना रहा। ग्रामीण इलाकों में भी इसी तरह के रुझान देखे गए (चार्ट III.2)।

मई में, वर्तमान साप्ताहिक स्थिति द्वारा मापी गई अखिल भारतीय बेरोजगारी दर में ग्रामीण क्षेत्रों द्वारा संचालित वृद्धि देखी गई, जबकि शहरी बेरोजगारी दर में गिरावट आई।⁸ ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में श्रम बल भागीदारी दर और श्रमिक जनसंख्या अनुपात में गिरावट आई। विनिर्माण और सेवाओं दोनों के लिए पीएमआई रोजगार संकेतक मई में मजबूत रहे, हालांकि नियुक्ति की गति कम हो गई। यह आंशिक रूप से व्हाइटकोलर नियुक्तियों में अनुक्रमिक मंदी से पुष्टि की गई थी, जैसा कि नौकरी जॉबस्पीक सूचकांक में परिलक्षित होता है। महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना⁹ (मनरेगा) के तहत काम की मांग में लगातार ग्यारहवें महीने गिरावट जारी रही (सारणी III.3)।

सारणी III.2: उच्च आवृत्ति संकेतक - सुदृढ़ मांग स्थितियां

	संकेतक	मई-25	जून-25	जुला-25	अग-25	सित-25	अक्तू-25	नव-25	दिस-25	जन-26	फर-26	मार्च-26	अप्रै-26	मई-26
शहरी मांग	घरेलू हवाई यात्री यातायात	2.6	3.7	-2.5	-0.5	-2.5	3.5	7.0	-4.9	3.1	-0.1	-1.3	-2.8	8.5
	खुदरा यात्री वाहन बिक्री	4.7	2.5	-0.8	0.9	5.8	10.7	20.4	26.6	7.2	26.1	21.5	18.1	23.2
ग्रामीण मांग	खुदरा ऑटोमोबाइल बिक्री जिसमें की	10.1	4.8	-4.3	2.8	5.2	40.5	2.1	14.6	17.6	25.6	25.3	17.4	9.5
	खुदरा ट्रैक्टर बिक्री	6.7	8.7	11.0	30.1	3.6	14.2	56.5	15.8	22.9	36.4	10.9	28.7	11.2
	खुदरा दोपहिया वाहनों की बिक्री	11.4	4.7	-6.5	2.2	6.5	51.8	-3.1	9.5	20.8	25.0	28.7	17.2	7.5

< संकुचन विस्तार >

टिप्पणियाँ: 1. सभी संकेतकों के लिए वर्ष-दर-वर्ष वृद्धि (प्रतिशत में) मात्रा के आधार पर गणना की गई है।
 2. हीटमैप अप्रैल 2023 से उस नवीनतम माह तक के उपलब्ध आंकड़ों पर लागू किया गया है जिसके लिए आंकड़े उपलब्ध हैं।
 3. हीटमैप प्रत्येक संकेतक के लिए आंकड़ों की श्रेणी को एक रंग ग्रेडिएंट योजना में अनुवाद करता है, जिसमें लाल रंग संबंधित आंकड़ा श्रृंखला के न्यूनतम मानों को और हरा रंग उच्चतम मानों को दर्शाता है।
 4. मई 2026 के लिए घरेलू हवाई यात्री यातायात की वृद्धि दर की गणना दैनिक आंकड़ों को एकत्रित करके की गई है।
 5. खुदरा वाहन बिक्री के आंकड़ों में दो पहिया वाहनों, तीन पहिया वाहनों, यात्री वाहनों, ट्रैक्टरों और वाणिज्यिक वाहनों की बिक्री शामिल है।

स्रोत: भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण; फेडरेशन ऑफ ऑटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशंस (एफएडीए); और ग्रामीण विकास मंत्रालय।

⁶ मई 2026 में ईवी की हिस्सेदारी बढ़कर 9.3 प्रतिशत, तिपहिया वाहनों में 64.5 प्रतिशत, यात्री वाहनों में 6.6 प्रतिशत हो गई, जो एक साल पहले क्रमशः 6.1 प्रतिशत, 61.5 प्रतिशत और 4.5 प्रतिशत थी (स्रोत: एफएडीए प्रेस विज्ञप्ति)।

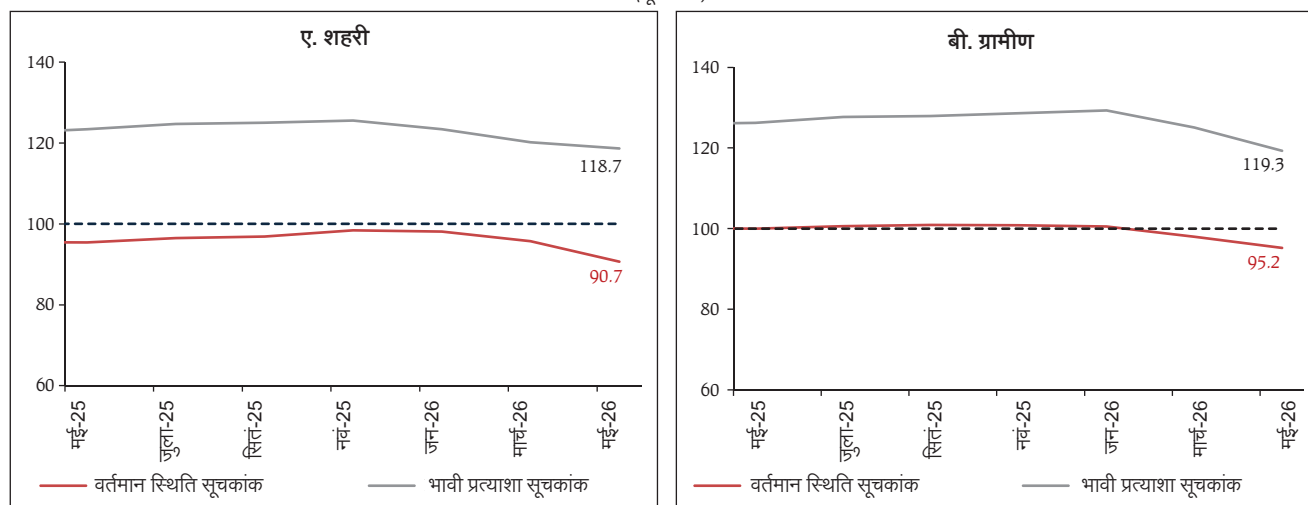
⁷ सर्वेक्षण में वर्तमान धारणाओं (एक साल पहले की तुलना में) और सामान्य आर्थिक स्थिति, रोजगार परिदृश्य, समग्र मूल्य स्थिति, उनकी आय और खर्च पर परिवारों की एक वर्ष आगे की अपेक्षाओं को एकत्र किया गया है। सूचकांकों का निर्माण शुद्ध प्रतिक्रियाओं के आधार पर किया जाता है। नवीनतम सर्वेक्षण 02-11 मई, 2026 के दौरान आयोजित किया गया था, जिसमें ग्रामीण और शहरी केंद्रों के क्रमशः 8,813 और 6,086 उत्तरदाताओं को शामिल किया गया था।

⁸ पीएलएफएस मासिक बुलेटिन, मई 2026।

⁹ रोजगार और आजीविका मिशन (ग्रामीण) के लिए विकसित भारत गारंटी (वीबी-जी राम जी) अधिनियम, 2025, जो महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा), 2005 की जगह लेता है, 01 जुलाई, 2026 से लागू होगा।

चार्ट III.2: उपभोक्ता विश्वास सूचकांकों में मंदी दर्ज की गई

(सूचकांक)



टिप्पणी: 100 से अधिक का पाठ्यांक धारणाओं में सुधार को, 100 से कम का पाठ्यांक धारणाओं में गिरावट को और 100 के बराबर का पाठ्यांक धारणाओं में कोई बदलाव न होने को दर्शाता है।
स्रोत: शहरी उपभोक्ता विश्वास सर्वेक्षण और ग्रामीण उपभोक्ता विश्वास सर्वेक्षण, आरबीआई।

सरकारी वित्त

01 जून 2026 को जारी 2025-26 के लिए केंद्र सरकार के अनंतिम खातों (पीए) ने केंद्रीय बजट 2026-27 में परिकल्पित राजकोषीय सुदृढीकरण की पुष्टि की। 2025-26 के लिए जीएफडी

सकल घरेलू उत्पाद का 4.4 प्रतिशत था, जो 2024-25 और 2025-26 के संशोधित अनुमान (आरई) दोनों से कम है (सारणी III.4)। गैर-ऋण कुल प्राप्तियों की वृद्धि (वर्ष-दर-वर्ष) कुल व्यय से अधिक थी।¹⁰

सारणी III.3: रोजगार के लिए उच्च आवृत्ति संकेतकों में मंदी

संकेतक	मई-25	जून-25	जुलाई-25	अग-25	सित-25	अक्टू-25	नव-25	दिस-25	जन-26	फर-26	मार्च-26	अप्रै-26	मई-26
बेरोजगारी दर (पीएलएफएस: अखिल भारत)		5.6	5.2	5.1	5.2	5.2	4.7	4.8	5.0	4.9	5.1	5.2	5.5
बेरोजगारी दर (पीएलएफएस: ग्रामीण)	5.1	4.9	4.4	4.3	4.6	4.4	3.9	3.9	4.2	4.2	4.3	4.6	5.1
बेरोजगारी दर (पीएलएफएस: शहरी)		7.1	7.2	6.7	6.8	7.0	6.5	6.7	7.0	6.6	6.8	6.6	6.4
नौकरी जॉबरपीक सूचकांक	0.3	10.5	6.8	3.4	10.1	-9.3	23.5	13.2	3.4	11.9	9.2	5.8	1.0
पीएमआई रोजगार: विनिर्माण	54.9	55.1	53.3	53.1	52.1	52.4	50.9	50.5	51.1	51.5	52.6	54.6	53.0
पीएमआई रोजगार: सेवाएं		55.1	51.4	52.2	51.9	51.4	51.6	49.8	50.8	51.6	52.7	53.4	53.2
मनरेगा(एमजीएनआरईजीएस) : कार्य मांग	4.4	4.4	-12.3	-26.2	-27.1	-35.1	-32.0	-28.9	-25.7	-14.1	-23.2	-35.5	-27.8

< संकुचन <-----> विस्तार >>

- टिप्पणियाँ**
- सभी पीएलएफएस संकेतक चालू साप्ताहिक स्थिति को दर्शाते हैं और ये 15 वर्ष तथा उससे अधिक आयु वर्ग के व्यक्तियों के लिए हैं।
 - नौकरी सूचकांक और मनरेगा के तहत कार्य मांग के लिए वर्ष-दर-वर्ष वृद्धि (प्रतिशत में) की गणना की गई है।
 - हीटमैप अप्रैल 2023 से मार्च 2026 तक के आंकड़ों पर लागू किया गया है।
 - पीएलएफएस बेरोजगारी दर के लिए हीटमैप अप्रैल 2025 से मई 2026 तक के आंकड़ों पर लागू किया गया है।
 - हीटमैप प्रत्येक संकेतक के लिए आंकड़ों की सीमा को एक रंग ढाल योजना में परिवर्तित करता है, जिसमें लाल रंग न्यूनतम मानों को और हरा रंग संबंधित आंकड़ा श्रृंखला के उच्चतम मानों को दर्शाता है।
 - सभी पीएमआई मान सूचकांक के रूप में रिपोर्ट किए गए हैं। 50 से अधिक का पीएमआई मान विस्तार को, 50 से कम का मान संकुचन को और 50 के बराबर का मान 'कोई बदलाव नहीं' को दर्शाता है। पीएमआई हीटमैप में, लाल रंग प्रत्येक पीएमआई श्रृंखला में न्यूनतम मान को, पीला रंग 50 (या कोई बदलाव नहीं वाला मान) को, और हरा रंग उच्चतम मान को दर्शाता है।
 - पीएलएफएस बेरोजगारी दर और मनरेगा (एमजीएनआरईजीएस) को व्युत्क्रम पैमाने में दिखाया गया है - न्यूनतम मान को हरे रंग से और उच्चतम मान को लाल रंग से चिह्नित किया गया है।

स्रोत: सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय, ग्रामीण विकास मंत्रालय, भारत सरकार; इन्फो एज; और एस एंड पी ग्लोबल।

¹⁰ 2025-26 (पीए) के लिए, गैर-ऋण कुल प्राप्तियों और कुल व्यय में क्रमशः 10.0 प्रतिशत और 5.4 प्रतिशत की वर्ष-दर-वर्ष वृद्धि दर्ज की गई।

सारणी III.4: केंद्र सरकार के प्रमुख राजकोषीय संकेतक

(जीडीपी का प्रतिशत)

मद	2024-25 वार्षिक	2025-26		2026-27 बीई
		आरई	पीए	
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
सकल राजकोषीय घाटा	4.9	4.5	4.4	4.3
राजस्व घाटा	1.8	1.5	1.5	1.5
प्राथमिक घाटा	1.4	0.8	0.8	0.7
सकल कर राजस्व	11.9	11.8	11.6	11.2
गैर-कर राजस्व	1.7	1.9	2.0	1.7
कुल व्यय	14.6	14.4	14.2	13.6
राजस्व व्यय	11.3	11.2	11.1	10.5
पूंजीगत व्यय	3.3	3.2	3.1	3.1
जिसमें पूंजीगत परिव्यय शामिल है	2.7	2.6	2.5	2.4

टिप्पणियाँ: 1. आरई : संशोधित अनुमान, पीए.: अनंतिम अनुमान, और बीई: बजट अनुमान।
2. वर्ष 2026-27 (बीई) के लिए जीडीपी केंद्रीय बजट 2026-27 के अनुसार है। वर्ष 2025-26 (आरई) के लिए जीडीपी एनएसओ द्वारा 27 फरवरी, 2026 को जारी द्वितीय अग्रिम अनुमानों के अनुसार है। वर्ष 2025-26 के लिए प्रयुक्त जीडीपी एनएसओ द्वारा 05 जून, 2026 को जारी अनंतिम अनुमानों के अनुसार है।

स्रोत: महालेखा नियंत्रक, सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय, और केंद्रीय बजट दस्तावेज़।

निवल कर राजस्व और गैर-कर राजस्व के विस्तार के नेतृत्व में राजस्व प्राप्तियों में एक मजबूत वृद्धि दर्ज की गई¹¹ सकल कर राजस्व में विस्तार मुख्य रूप से निगम कर, सीमा शुल्क और संघ उत्पाद शुल्क में दोहरे अंकों की वृद्धि से चालित थी।¹²

2024-25 और 2025-26 (आरई) दोनों की तुलना में 2025-26 (पीए) में कुल व्यय (जीडीपी के प्रतिशत के अनुसार) मामूली रूप से कम हो गया। 2024-25 की तुलना में 2025-26 (पीए) में राजस्व व्यय वृद्धि में तेजी आई, जिसके कारण ब्याज भुगतान और प्रमुख सब्सिडी दोनों में उच्च वृद्धि दर थी।¹³ पूंजीगत

¹¹ 2025-26 (पीए) के लिए, राजस्व प्राप्तियों, शुद्ध कर राजस्व और गैर-कर राजस्व में क्रमशः 8.7 प्रतिशत, 4.9 प्रतिशत और 26.5 प्रतिशत की वर्ष-दर-वर्ष वृद्धि दर दर्ज की गई।

¹² 2025-26 (पीए) के लिए, सकल कर राजस्व में 6.0 प्रतिशत की वर्ष-दर-वर्ष वृद्धि दर्ज की गई। निगम कर, सीमा शुल्क और संघ उत्पाद शुल्क में क्रमशः 11.4 प्रतिशत, 13.4 प्रतिशत और 13.9 प्रतिशत की वृद्धि दर दर्ज की गई।

¹³ 2025-26 (पीए) के लिए, राजस्व व्यय में 2024-25 में 3.1 प्रतिशत की वृद्धि की तुलना में 6.5 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। ब्याज भुगतान और प्रमुख सब्सिडी ने 2025-26 (पीए) में क्रमशः 11.4 प्रतिशत और 17.9 प्रतिशत की वृद्धि दर दर्ज की, जबकि पिछले वर्ष की इसी अवधि में क्रमशः 4.9 प्रतिशत और (-) 6.6 प्रतिशत की वृद्धि दर थी।

व्यय में लगातार पांच वर्षों की दोहरे अंकों की वृद्धि के बाद 2025-26 (पीए) में मध्यम वृद्धि दर्ज की गई।¹⁴

बजट अनुमानों (बीई) के प्रतिशत के रूप में केंद्र के सभी प्रमुख घाटे के संकेतक अप्रैल : 2025-26 की तुलना में अप्रैल : 2026-27 में अधिक थे।¹⁵ कुल व्यय में बढ़ोतरी के कारण जीएफडी ज़्यादा रहा, जबकि अप्रैल 2026-27 में गैर-ऋण कुल प्राप्तियों में कमी आई।¹⁶ राजस्व प्राप्तियों में संकुचन मुख्य रूप से निवल कर राजस्व और गैर-कर राजस्व में गिरावट के कारण हुआ था।¹⁷ कुल खर्च में बढ़ोतरी मुख्य रूप से राजस्व खर्च की वजह से हुई।¹⁸

केंद्र के विपरीत, 2025-26 के लिए राज्य सरकारों के अनंतिम खाते (पीए) कुछ खामियों की ओर इशारा करते हैं। पिछले वर्ष की तुलना में राजस्व घाटा (आरडी), जीएफडी और प्राथमिक घाटा (पीडी) में वृद्धि हुई। सकल राज्य घरेलू उत्पाद (जीएसडीपी) अनुपात में समेकित जीएफडी में वृद्धि मुख्य रूप से राजस्व प्राप्तियों में धीमी वृद्धि के कारण हुई, जो कर राजस्व में कमी और केंद्र से कम अनुदान के कारण थी। हालांकि राजस्व व्यय वृद्धि में कमी आई, लेकिन यह गिरावट राजस्व प्राप्तियों की कमी की भरपाई करने के लिए अपर्याप्त थी। जीएसडीपी के प्रतिशत के रूप में पूंजीगत व्यय में भी गिरावट आई। 2026-27 के लिए, राज्यों ने जीएसडीपी के 3.0 प्रतिशत के कम राजकोषीय घाटे और उच्च पूंजी परिव्यय¹⁹ का बजट रखा है (सारणी III.5)।

¹⁴ 2025-26 (पीए) के लिए, पूंजीगत व्यय में 1.6 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई, जबकि 2024-25 में 10.8 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई थी।

¹⁵ महालेखा नियंत्रक (सीजीए) द्वारा जारी किए गए नवीनतम आंकड़ों के अनुसार।

¹⁶ अप्रैल:2026-27 के लिए, गैर-ऋण कुल प्राप्तियों और कुल व्यय ने अप्रैल:2025-26 में क्रमशः 30.9 प्रतिशत और 10.0 प्रतिशत की वृद्धि दर (वर्ष-दर-वर्ष) की तुलना में क्रमशः (-) 23.8 प्रतिशत और 23.5 प्रतिशत की वृद्धि दर (वर्ष-दर-वर्ष) दर्ज की।

¹⁷ अप्रैल:2026-27 के लिए, राजस्व प्राप्तियों में अप्रैल:2025-26 में 21.0 प्रतिशत की वृद्धि (वर्ष-दर-वर्ष) की तुलना में (-) 21.0 प्रतिशत की वृद्धि (वर्ष-दर-वर्ष) दर्ज की गई। शुद्ध कर राजस्व और गैर-कर राजस्व ने अप्रैल:2025-26 में क्रमशः 2.5 प्रतिशत और 146.0 प्रतिशत की वृद्धि दर (वर्ष-दर-वर्ष) की तुलना में क्रमशः (-) 5.9 प्रतिशत और (-) 63.8 प्रतिशत की वृद्धि दर (वर्ष-दर-वर्ष) दर्ज की।

¹⁸ अप्रैल:2026-27 के लिए, राजस्व व्यय और पूंजीगत व्यय ने क्रमशः 25.9 प्रतिशत और 18.8 प्रतिशत की वृद्धि दर (वर्ष-दर-वर्ष) दर्ज की, जबकि अप्रैल:2025-26 में क्रमशः (-) 5.7 प्रतिशत और 61.0 प्रतिशत की वृद्धि दर दर्ज की गई।

¹⁹ केंद्र सरकार द्वारा 2026-27 में पूंजी निवेश के लिए राज्यों को विशेष सहायता योजना के लिए 2.0 लाख करोड़ रुपये आवंटित करने से व्यय की गुणवत्ता को मजबूत करने पर ध्यान केंद्रित किया गया है, जो पिछले वर्ष की तुलना में 33.3 प्रतिशत की वृद्धि है।

सारणी III.5: राज्य सरकारों के प्रमुख राजकोषीय संकेतक

(जीएसडीपी का प्रतिशत)

मद	2024-25	2025-26	2026-27
	वास्तविक	पीए	बीई
राजस्व प्राप्तियाँ	12.8	12.3	13.7
कर राजस्व	10.3	9.9	10.6
गैर-कर राजस्व	1.0	1.0	1.2
केंद्र से अनुदान	1.5	1.3	1.9
पूँजीगत प्राप्तियाँ	0.04	0.04	0.1
राजस्व व्यय	13.1	13.0	13.7
जिसमें: ब्याज भुगतान	1.5	1.6	1.5
पूँजीगत व्यय	2.7	2.6	3.2
जिसमें: पूँजीगत परिव्यय	2.5	2.4	3.0
राजस्व घाटा	0.3	0.7	-0.1
सकल राजकोषीय घाटा	3.0	3.3	3.0
प्राथमिक घाटा	1.4	1.7	1.4

टिप्पणियाँ: 1. पीए.: अनंतिम अनुमान, और बीई: बजट अनुमान।

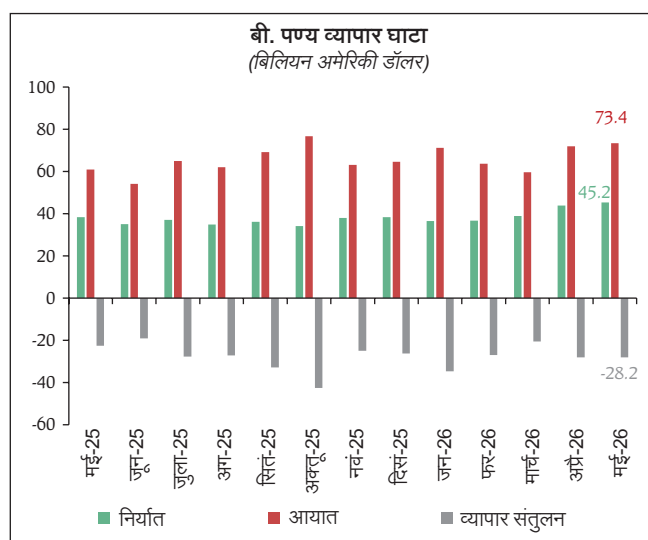
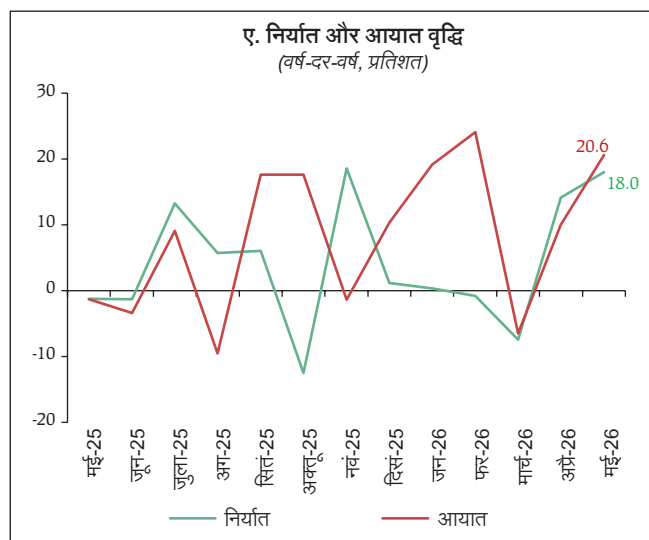
2. वर्ष 2024-25 (लेखे) और 2026-27 (बीई) का डेटा 25 राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों से संबंधित है।

3. वर्ष 2025-26 (पीए) का डेटा 27 राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों से संबंधित है।

स्रोत: राज्यों के बजट दस्तावेज़, नियंत्रक और महालेखा परीक्षक (सीएजी)

व्यापार

मई 2026 में, पण्य व्यापार घाटा बढ़ गया (वर्ष-दर-वर्ष), लेकिन अप्रैल 2026 से काफी हद तक अपरिवर्तित रहा (चार्ट III.3)²⁰ उच्च घाटा (वर्ष-दर-वर्ष) मुख्य रूप से कच्चे तेल की उच्च कीमतों के कारण था। मई 2026 में आयात वृद्धि पेट्रोलियम कच्चे तेल और उत्पादों, इलेक्ट्रॉनिक सामान; तथा सोना द्वारा संचालित थी।²¹ मई 2026 में 45.2 बिलियन अमेरिकी डॉलर का निर्यात हुआ, जो हाल के वर्षों में अब तक का सबसे अधिक है।²² कच्चे तेल की उच्च कीमतों के अलावा, जिसने पेट्रोलियम उत्पाद के निर्यात को बढ़ाया, निर्यात विविधीकरण ने भी निर्यात वृद्धि का समर्थन किया।²³ एक ओर जहां अमेरिका को निर्यात वर्ष-दर-वर्ष अपरिवर्तित रहा, वहीं चीन को निर्यात दोहरे अंकों में बढ़ता रहा।²⁴ मई 2026 में सोने और चांदी के आयात शुल्क में वृद्धि के बाद, मई

चार्ट III.3: मई में भारत का पण्य व्यापार घाटा वर्ष-दर-वर्ष बढ़ा

स्रोत: पीआईबी; और डीजीसीआईएस।

²⁰ भारत का व्यापारिक व्यापार घाटा मई 2026 में बढ़कर 28.2 बिलियन अमेरिकी डॉलर हो गया, जो एक साल पहले 22.6 बिलियन अमेरिकी डॉलर था। सिंगापुर, चीन, तंजानिया, दक्षिण अफ्रीका और श्रीलंका सहित शीर्ष 20 गंतव्यों में से निर्यात बढ़कर 16 हो गया। चीन, रूस, अमेरिका, ओमान और ब्राजील सहित शीर्ष 20 स्रोत देशों में से 16 से आयात बढ़ गया।

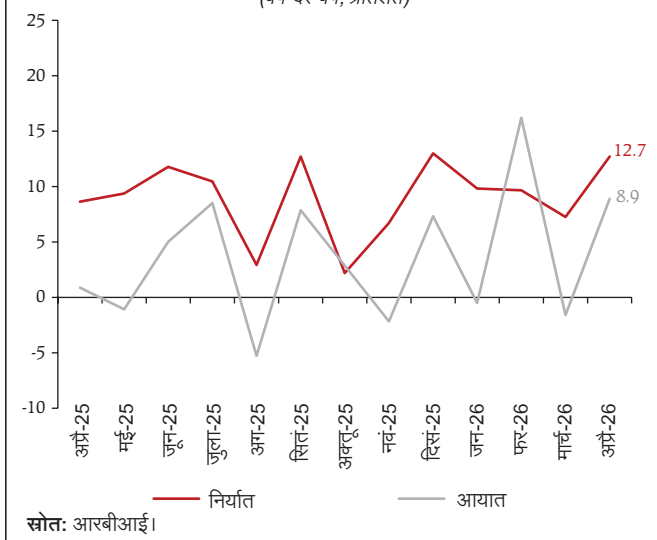
²¹ मई 2026 में व्यापारिक आयात में 20.6 प्रतिशत (वर्ष-दर-वर्ष) की वृद्धि हुई। पेट्रोलियम, कच्चे तेल और उत्पादों के आयात में 53.8 प्रतिशत (वर्ष-दर-वर्ष), इलेक्ट्रॉनिक वस्तुओं में 35.5 प्रतिशत (वर्ष-दर-वर्ष) और सोने में 34.0 प्रतिशत (वर्ष-दर-वर्ष) की वृद्धि हुई।

²² पेट्रोलियम उत्पादों, इंजीनियरिंग सामानों, इलेक्ट्रॉनिक सामानों, कार्बनिक और अकार्बनिक रसायनों, और मांस, डेयरी और पोल्ट्री उत्पादों के नेतृत्व में व्यापारिक निर्यात 18.0 प्रतिशत (वर्ष-दर-वर्ष) बढ़कर 45.2 बिलियन अमेरिकी डॉलर हो गया। सभी वस्तुओं के रेडीमेड वस्त्र, सिरमिक उत्पादों और कांच के बने पदार्थ, तंबाकू, चमड़ा और चमड़े के उत्पाद, और अभ्रक, कोयला और अन्य अयस्कों जैसे क्षेत्रों में निर्यात में गिरावट आई; और खनिज।

²³ पिछले कुछ महीनों के रुझानों के बाद, तंजानिया, श्रीलंका, दक्षिण अफ्रीका, इटली, मलेशिया और दक्षिण कोरिया जैसे गंतव्यों ने मई 2026 में निर्यात वृद्धि का समर्थन करना जारी रखा।

²⁴ मई 2025 में मई 2026 में अमेरिका को निर्यात 8.8 बिलियन अमेरिकी डॉलर रहा, जबकि अप्रैल 2026 में 8.5 बिलियन अमेरिकी डॉलर की तुलना में क्रमिक रूप से 4.0 प्रतिशत की वृद्धि हुई। मई 2026 में चीन को निर्यात में 24.8 प्रतिशत (वर्ष-दर-वर्ष) की वृद्धि हुई, जो मई 2025 में 22.5 प्रतिशत (वर्ष-दर-वर्ष) थी।

चार्ट III.4: अप्रैल में निवल सेवाएं निवेश में जबरदस्त बढ़ोतरी देखी गई
(वर्ष-दर-वर्ष, प्रतिशत)



2026 में सोने और चांदी दोनों के आयात में क्रमिक रूप से मूल्य के स्तर पर गिरावट आई।²⁵

निवल सेवाओं के निर्यात में अप्रैल में एक मजबूत वृद्धि दर्ज की गई (चार्ट III.4)।²⁶ सेवाओं के निर्यात का नेतृत्व सॉफ्टवेयर और व्यावसायिक सेवाओं द्वारा किया गया था, जबकि सेवाओं का आयात मुख्य रूप से व्यापार और परिवहन सेवाओं के कारण बढ़ा।

कुल आपूर्ति

आपूर्ति पक्ष में वृद्धि व्यापक बना रहा, जहाँ बुनियादी कीमतों पर वास्तविक सकल वर्धित मूल्य (जीवीए) 2025-26 में 7.9 प्रतिशत तक मजबूत हुआ, जो पिछले वर्ष में 7.3 प्रतिशत था, जिसमें उद्योग और सेवाओं दोनों में से प्रत्येक में 9.0 प्रतिशत की वृद्धि हुई (अनुलग्नक सारणी 2)।

तिमाही वास्तविक जीवीए वृद्धि 2025-26 की चौथी तिमाही में 7.9 प्रतिशत पर मजबूत रही। प्रमुख सेवा उप-क्षेत्रों में विस्तार और मजबूत रबी फसल से आने वाले कृषि क्षेत्र के बेहतर प्रदर्शन ने गति को बनाए रखने में मदद की। इसके विपरीत, विनिर्माण गतिविधि ने मुख्य रूप से ऊर्जा की बढ़ती कीमतों और इनपुट

²⁵ मई 2026 में एम-ओ-एम आधार पर सोने और चांदी के आयात (मूल्य के संदर्भ में) में क्रमशः 39.3 प्रतिशत और 81.6 प्रतिशत की गिरावट आई।

²⁶ अप्रैल 2026 में निवल सेवा निर्यात 16.8 प्रतिशत (वर्ष-दर-वर्ष) बढ़कर 18.6 बिलियन अमेरिकी डॉलर हो गया। पूरे वर्ष 2025-26 के दौरान, शुद्ध सेवा निर्यात पिछले वर्ष के 188.8 बिलियन अमेरिकी डॉलर से बढ़कर 216.6 बिलियन अमेरिकी डॉलर हो गया।

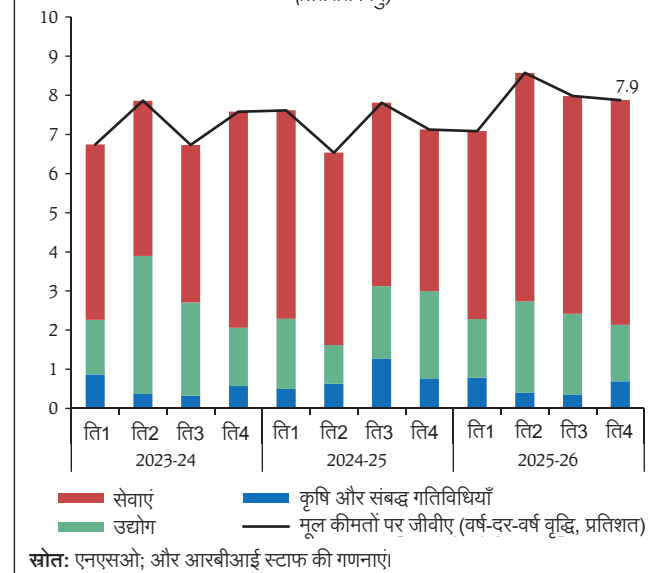
लागत दबावों (चार्ट III.5) के कारण नरमी के कुछ संकेत प्रदर्शित किए।

कृषि

तीसरे अग्रिम अनुमान के अनुसार, 2025-26 के लिए खाद्यान्न उत्पादन²⁷ 376.6 मिलियन टन तक पहुंच गया, जो चावल, गेहूं और मक्का के रिकॉर्ड उत्पादन से प्रेरित 2024-25 के लिए अंतिम अनुमान (एफई) से 5.3 प्रतिशत अधिक था। गैर-खाद्य मानों में, तिलहन और गन्ने का उत्पादन बढ़ा जबकि कपास का उत्पादन गिर गया (चार्ट III.6)। दूसरे अग्रिम अनुमान के अनुसार, 2025-26 के लिए बागवानी फसलों का उत्पादन 378 मिलियन टन के रिकॉर्ड स्तर को छू गया, जो 2024-25 के एफई से 1.9 प्रतिशत अधिक था।²⁸

भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के अद्यतन पूर्वानुमान (29 मई, 2026 को जारी) के अनुसार, इस वर्ष दक्षिण-पश्चिम मानसून (एसडब्ल्यूएम) की वर्षा सामान्य से कम रहने की संभावना है।²⁹ एसडब्ल्यूएम 04 जून को केरल पहुंचा,

चार्ट III.5: जीवीए वृद्धि में भारत योगदान
(प्रतिशत बिंदु)

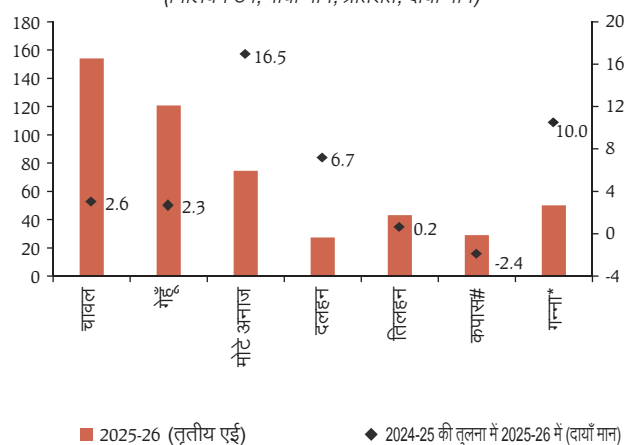


²⁷ इसमें खरीफ, रबी और ग्रीष्मकालीन फसल उत्पादन के चावल, गेहूं, दलहन और मोटे अनाज का शामिल है।

²⁸ यह वृद्धि मुख्य रूप से केले, आम और प्याज के अलावा प्रमुख सब्जियों के उच्च उत्पादन से प्रेरित थी।

²⁹ बारिश का अनुमान लंबी अवधि के औसत (एलपीए) का 90 प्रतिशत (±4 प्रतिशत की एक मॉडल त्रुटि) है।

चार्ट III.6: कृषि फसल उत्पादन - 2025-26 के लिए तृतीय अग्रिम अनुमान
(मिलियन टन, बायां मान; प्रतिशत, दायां मान)



टिप्पणी : *: गन्ने का उत्पादन 10 मिलियन टन है।

#: 170 किलोग्राम की मिलियन गांठें।

स्रोत: कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार।

जो शुरुआत की सामान्य तिथि (01 जून) से तीन दिन बाद था। जबकि एसडब्ल्यूएम ने अब तक दक्षिणी और पूर्वी क्षेत्रों के कुछ हिस्सों को कवर किया है, देश के स्तर पर संचयी वर्षा (01-21 जून) सामान्य से काफी कम रही है। जलाशय की स्थिति पिछले

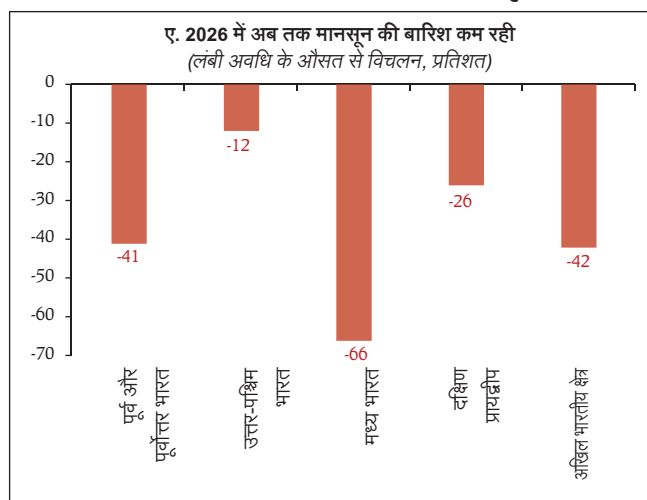
साल से नीचे खिसक गई है; हालाँकि, यह दशकीय औसत (चार्ट III.7) से ऊपर बनी हुई है।

पिछले साल अच्छी फसल को देखते हुए, गेहूं की सार्वजनिक खरीद मजबूत रही है।³⁰ भारतीय खाद्य निगम (एफसीआई) के पास चावल और गेहूं का सार्वजनिक स्टॉक बफर मानदंड³¹ से काफी ऊपर है जो किसी भी आपूर्ति व्यवधान या संभावित अल नीनो मौसम की घटना के कारण कीमतों में वृद्धि की स्थिति से निपटने के लिए एक रणनीतिक सपोर्ट के रूप में काम कर सकता है।

औद्योगिक गतिविधि के मासिक संकेतक

पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के बावजूद, उच्च आवृत्ति संकेतकों के कारण औद्योगिक गतिविधि मजबूत रही। आठ प्रमुख उद्योगों के सूचकांक में अप्रैल में वृद्धि देखी गई, जिसे सीमेंट और इस्पात उत्पादन का समर्थन मिला। विनिर्माण पीएमआई मई में लगातार दूसरे महीने बढ़ा, जो उत्पादन में तेज वृद्धि और नए ऑर्डर के साथ-साथ सुदृढ़ घरेलू मांग द्वारा समर्थित है। कम जीएसटी दरों से सहायता प्राप्त होने के कारण ऑटोमोबाइल उत्पादन ने पिछले

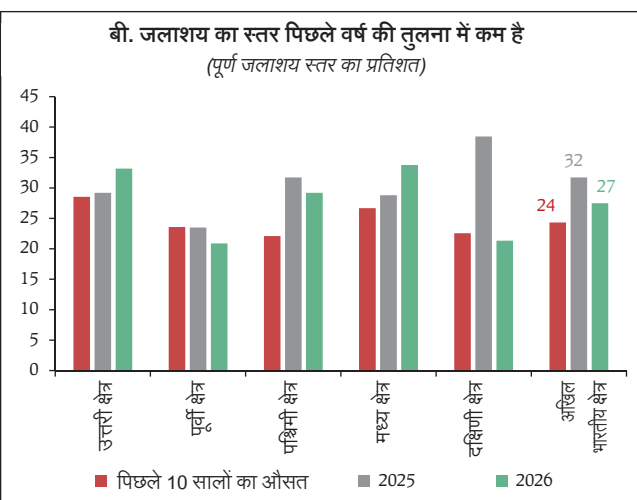
चार्ट III.7: कृषि उत्पादन के लिए डाउनसाइड जोखिम



टिप्पणी : 1. बारिश का डेटा 01-21 जून तक का है।

2. जलाशयों का डेटा 18 जून तक का है।

स्रोत: भारत मौसम विज्ञान विभाग और केंद्रीय जल आयोग।



³⁰ 20 जून, 2026 तक, रबी विपणन सीजन (आरएमएस) 2026-27 (अप्रैल-मार्च) के दौरान गेहूं की खरीद 358 लाख टन थी, जो सरकार के 345 लाख टन के खरीद लक्ष्य को पार कर गई है और आरएमएस 2025-26 के दौरान खरीद से 19.4 प्रतिशत अधिक है।

³¹ जून 01, 2026 तक, चावल और गेहूं का स्टॉक संबंधित तिमाही बफर मानदंडों का 5.0 गुना और 7.2 गुना था।

साल की तुलना में मई में उच्च वृद्धि (वर्ष-दर-वर्ष) दर्ज की। मई में बिजली उत्पादन में वृद्धि हुई, जो गंभीर गर्मी की लहर की स्थिति के कारण उच्च पीक बिजली की मांग से प्रेरित थी। संशोधित आधार वर्ष³² के साथ नई शृंखला के अंतर्गत विनिर्माण क्षेत्र में मजबूत वृद्धि की प्रमुखता के साथ आईआईपी में वृद्धि (वर्ष-दर-वर्ष) पिछले महीने की तुलना में अप्रैल में मजबूत रही। हालांकि,

आठ प्रमुख उद्योगों के सूचकांक में मई में गिरावट देखी गई, जो रिफाइनरी उत्पादों और कोयले द्वारा संचालित थी (सारणी III.6)।

मई 2026³³ के दौरान रिज़र्व बैंक द्वारा किए गए पल्स सर्वेक्षण में पश्चिम एशिया संघर्ष के बीच विनिर्माण गतिविधि के लिए प्रतिकूल परिस्थितियों को दर्शाया गया है। 80 प्रतिशत से अधिक कंपनियों ने इनपुट लागत में वृद्धि की सूचना दी, जिसमें एक हिस्सा उत्पादन पर प्रतिकूल प्रभाव का संकेत देता है। लगभग

सारणी III.6: उद्योग के लिए उच्च आवृत्ति संकेतक मजबूत बने रहे

सूचक	मई-25	जून-25	जुला-25	अग-25	सित-25	अक्तू-25	नव-25	दिसं-25	जन-26	फर-26	मार्च-26	अप्रै-26	मई-26
आईआईपी हेडलाइन	4.7	3.0	5.0	3.6	5.5	0.0	6.5	5.8	4.4	5.2	3.2	4.9	
आईआईपी विनिर्माण	4.7	2.7	4.6	3.9	5.8	-0.3	8.9	7.9	5.0	5.9	3.9	6.2	
आईआईपी पूंजीगत वस्तुएं	9.8	4.0	6.4	7.0	14.1	8.1	18.8	14.4	14.3	19.1	11.2	16.0	
पीएमआई विनिर्माण	57.6	58.4	59.1	59.3	57.7	59.2	56.6	55.0	55.4	56.9	53.9	54.7	55.0
पीएमआई निर्यात आदेश	56.9	60.6	57.3	56.1	56.5	54.7	54.1	54.0	54.1	53.2	55.0	56.3	53.7
पीएमआई विनिर्माण : भविष्य का आउटपुट	63.1	62.2	57.6	60.5	64.8	62.3	57.1	56.9	56.4	57.9	67.3	65.5	64.1
आठ प्रमुख उद्योगों का सूचकांक	1.2	2.2	3.7	6.5	3.3	-0.1	2.1	4.7	4.7	2.8	1.2	1.8	0.5
बिजली उत्पादन: पारंपरिक (मात्रा)	-8.2	-6.1	-0.8	1.0	0.8	-10.6	-5.0	4.4	2.2	-1.5	-1.1	2.3	7.4
बिजली उत्पादन: नवीकरणीय (मात्रा)	18.2	28.7	26.4	22.7	16.4	21.4	22.9	18.0	22.9	25.3	11.7	23.2	
ऑटोमोबाइल उत्पादन (मात्रा)	5.2	1.2	10.7	8.1	10.8	-2.8	22.3	37.1	15.0	22.1	20.2	26.0	13.3
जिसमें -													
यात्री वाहन उत्पादन (मात्रा)	5.4	-1.8	0.1	-4.1	16.1	9.8	22.8	23.1	5.6	9.8	9.0	12.8	10.9
दोपहिया वाहनों का उत्पादन (मात्रा में)	4.7	1.4	12.3	10.0	9.8	-5.6	20.9	39.9	16.1	24.4	22.0	28.1	12.9
तिपहिया वाहनों का उत्पादन (मात्रा में)	16.9	8.6	24.0	15.8	15.9	15.9	55.4	39.6	33.2	29.9	34.0	41.6	32.9
ट्रैक्टर उत्पादन (मात्रा)	9.1	9.8	11.5	9.4	23.0	13.0	37.5	57.9	14.6	80.0	28.6	18.1	15.5
कच्चे इस्पात का उत्पादन (मात्रा)	11.0	12.6	13.8	12.8	13.7	8.9	11.1	10.8	11.5	11.4	10.6	3.9	2.9
तैयार स्टील उत्पादन (मात्रा)	7.8	10.9	13.8	13.8	14.0	7.2	12.4	10.9	12.5	8.6	8.2	6.4	7.7
पूंजीगत वस्तुओं का आयात (मूल्य)	15.7	3.4	13.3	0.2	12.7	8.5	12.8	13.0	7.1	19.7	13.1	21.6	

< संकुचन ----- विस्तार >

टिप्पणियाँ : 1. वर्ष-दर-वर्ष वृद्धि (प्रतिशत में) सभी संकेतकों (पीएमआई को छोड़कर) के लिए गणना की गई है।

2. हीटमैप हर संकेतक के लिए डेटा रेंज को एक कलर ग्रेडिएंट स्कीम में बदलता है, जिसमें लाल रंग सबसे कम मान दिखाता है और हरा रंग संबंधित डेटा सीरीज़ की सबसे अधिक मान दिखाता है।

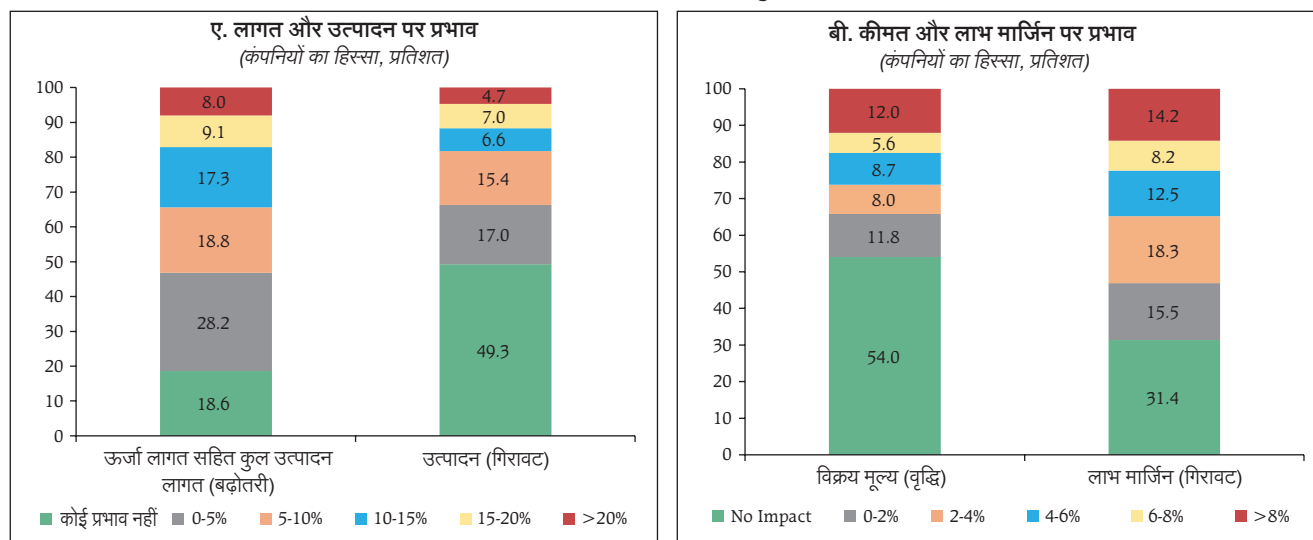
3. हीटमैप अप्रैल 2023 से लेकर उस आखिरी महीने तक के डेटा पर लागू होता है जिसके लिए डेटा उपलब्ध है।

4. सभी पीएमआई मान सूचकांक के रूप में रिपोर्ट की जाती हैं। पीएमआई मान 50 का अर्थ है बढ़ोतरी, <50 का अर्थ है कमी और 50 का अर्थ है 'कोई बदलाव नहीं'। पीएमआई हीटमैप में, लाल रंग सबसे कम मान दिखाता है, पीला रंग 50 (या कोई बदलाव नहीं) दिखाता है, और हरा रंग हर पीएमआई श्रेणी में सबसे अधिक मान दिखाता है।

स्रोत: सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय; एस&पी ग्लोबल; केंद्रीय बिजली प्राधिकरण। ऊर्जा मंत्रालय; भारतीय ऑटोमोबाइल विनिर्माता सोसाइटी; आर्थिक सलाहकार का कार्यालय, भारत सरकार; संयुक्त संयंत्र समिति; वाणिज्यिक खुफिया एवं सांख्यिकी महानिदेशालय; और ट्रैक्टर एवं यंत्रिकरण संघ।

³² अधिक जानकारी के लिए अनुलग्नक बॉक्स 1 देखें।

³³ विनिर्माण फर्मों के लिए किए गए पल्स सर्वेक्षण में अगले महीने की अपेक्षाओं के साथ-साथ चालू महीने के लिए उत्पादन/कारोबार, लागत, बिक्री मूल्य और लाभ मार्जिन जैसे प्रमुख व्यावसायिक मापदंडों की धारणाओं को शामिल किया गया है। इसके अलावा, मई 2026 के दौर में चल रहे पश्चिम एशिया संघर्ष पर एक विशेष प्रश्न शामिल था, जिसमें फर्मों को पूर्व-संघर्ष स्थिति (जनवरी-फरवरी 2026) के सापेक्ष तिमाही 1:2026-27 के दौरान अपेक्षित प्रभाव को इंगित करने के लिए कहा गया था। सर्वेक्षण 12-22 मई, 2026 के दौरान आयोजित किया गया था, जिसमें 564 विनिर्माण फर्मों की प्रतिक्रियाएं थीं।

चार्ट III.8: पश्चिम एशिया संघर्ष से विनिर्माण कंपनियों को मुश्किलों का सामना करना पड़ सकता है

स्रोत: पल्स सर्वे. आरबीआई

70 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने लाभ मार्जिन में संकुचन की रिपोर्ट के साथ लाभप्रदता पर दबाव की सूचना दी थी (चार्ट III.8)।

भारत के सौर ऊर्जा क्षेत्र का विस्तार जारी है, जो स्थापित क्षमता और बिजली उत्पादन दोनों में मजबूत वृद्धि से समर्थित है³⁴ 2025 में उच्च वार्षिक सौर ऊर्जा क्षमता वृद्धि³⁶ के कारण भारत चीन के बाद दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा सौर बाजार³⁵ बन गया है। पीएम सूर्य घर: मुफ्त बिजली योजना के तहत, मई 2026 में रिकॉर्ड 3.16 लाख रूफटॉप सोलर इंस्टॉलेशन जोड़े गए, जिसमें कुल इंस्टॉलेशन 33 लाख से अधिक हो गए हैं, जिसने फरवरी 2024 में अपनी स्थापना के बाद से 12 गीगावॉट से अधिक सौर ऊर्जा क्षमता जोड़ी है (चार्ट III.9)।

सेवा गतिविधि के मासिक संकेतक

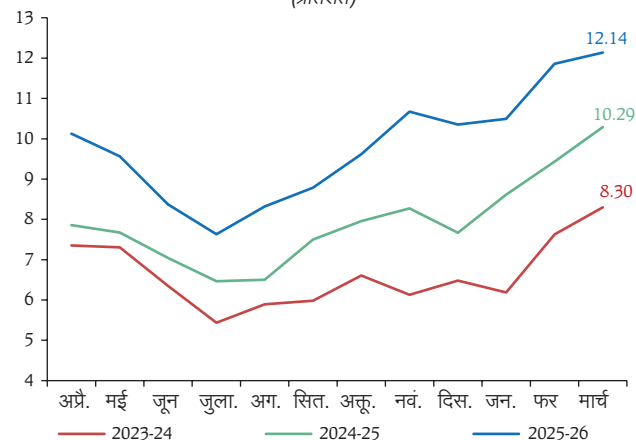
भारत का सेवा क्षेत्र मई में सुदृढ़ बना रहा। मई में सेवा पीएमआई और मजबूत हुआ, जो मजबूत मांग की स्थिति और नए व्यवसाय में निरंतर वृद्धि से समर्थित था। मई में स्टील की खपत मजबूत हुई, जो बुनियादी ढांचे और निर्माण क्षेत्रों की निरंतर मांग

³⁴ मई 2026 के अंत तक सौर ऊर्जा स्थापित क्षमता 157 गीगावॉट तक पहुंच गई।

³⁵ नवीकरणीय क्षमता सांख्यिकी 2026, अंतराष्ट्रीय नवीकरणीय ऊर्जा एजेंसी, मार्च 2026।

³⁶ भारत ने 2025 में 37 गीगावॉट सौर ऊर्जा क्षमता जोड़ी, जबकि चीन में 315 गीगावॉट और अमेरिका में 34 गीगावॉट थी।

को दर्शाती है। पोर्ट कार्गो यातायात में वृद्धि (वर्ष-दर-वर्ष) में तेजी आई, जबकि अंतरराष्ट्रीय हवाई यात्री यातायात में संकुचन जारी रहा, हालांकि पिछले महीने की तुलना में यह कम दर पर रहा, जो कमजोर बाहरी मांग को दर्शाता है। लगातार भू-राजनीतिक तनाव³⁷ के बीच अप्रैल में लगातार दूसरे महीने विदेशी पर्यटकों के आगमन में वृद्धि हुई। खुदरा वाणिज्यिक वाहनों की बिक्री में वृद्धि कम हुई (सारणी III.7)।

चार्ट III.9: कुल ऊर्जा खपत में सौर ऊर्जा की बढ़ती हिस्सेदारी
(प्रतिशत)

टिप्पणियाँ: सौर ऊर्जा के हिस्से की गणना सौर ऊर्जा उत्पादन (मिलियन यूनिट) के रूप में कुल एनर्जी मेट (मिलियन यूनिट) के प्रतिशत के रूप में की जाती है, जहाँ एनर्जी मेट, ग्रिड-इंडिया द्वारा रिपोर्ट किया गया राष्ट्रीय स्तर का विद्युतीय ऊर्जा आपूर्ति संकेतक है।

स्रोत: ग्रिड-इंडिया।

³⁷ डेटा अप्रैल 2026 तक उपलब्ध है।

सारणी III.7: सेवाओं के लिए उच्च आवृत्ति सूचकांक सुदृढ़ बने रहे

संकेतक	मई-25	जून-25	जुला-25	अग-25	सित-25	अक्तू-25	नव-25	दिस-25	जन-26	फर-26	मार्च-26	अप्रै-26	मई-26
पीएमआई सेवाएं	58.8	60.4	60.5	62.9	60.9	58.9	59.8	58.0	58.5	58.1	57.5	58.8	59.8
अंतर्राष्ट्रीय हवाई यात्री यातायात	5.0	3.4	5.5	7.7	7.3	9.7	7.5	6.0	7.1	3.0	-18.5	-16.7	-9.7
घरेलू हवाई माल ढुलाई	2.3	2.6	4.8	7.1	2.8	-2.3	20.5	4.3	8.7	18.5	10.8	8.2	
अंतरराष्ट्रीय हवाई कार्गो	6.8	-1.2	4.2	4.5	2.3	-2.3	12.7	12.6	8.4	17.5	-6.0	11.5	
बंदरगाह माल यातायात	4.3	5.6	4.0	2.5	11.5	11.9	14.5	12.7	7.6	5.1	0.6	2.4	6.6
खुदरा वाणिज्यिक वाहन बिक्री	1.4	6.6	0.2	8.6	2.7	21.1	17.0	24.6	15.1	28.9	15.1	18.8	5.3
स्टील की खपत	8.5	9.1	7.3	10.0	8.9	2.4	6.0	5.4	4.9	12.8	13.7	8.1	9.2
सीमेंट उत्पादन	9.7	8.2	11.6	5.4	5.0	5.2	14.6	13.7	11.3	8.9	4.7	9.4	
विदेशी पर्यटकों का आगमन	-23.8	-24.2	-16.4	-5.1	-9.8	-5.1	-2.0	2.0	5.2	6.1	-1.6	-14.7	
होटल में यात्रियों की संख्या	-2.8	-0.3	-2.4	-3.2	-0.6	0.0	3.8	-1.5	-8.5	1.2	-4.0	-1.0	

<<संकुचन ----- विस्तार>>

टिप्पणियाँ: 1. वर्ष-दर-वर्ष वृद्धि (प्रतिशत में) सभी संकेतक (पीएमआई को छोड़कर) के लिए संगणित की गई है।

2. हीटमैप प्रत्येक संकेतक के रूप में रिपोर्ट की जाती है। पीएमआई मान >50 का अर्थ है 'कोई परिवर्तन नहीं'। पीएमआई हीटमैप में, लाल रंग सबसे कम मान दिखाता है और हरा रंग संबंधित डेटा श्रेणी का सर्वाधिक मान दिखाता है।

3. हीटमैप अप्रैल 2023 से लेकर उस आखिरी महीने तक के डेटा पर लागू होता है जिसके लिए डेटा उपलब्ध है।

4. सभी पीएमआई मान संकेतक के रूप में रिपोर्ट की जाती हैं। पीएमआई मान >50 का अर्थ है 'कोई परिवर्तन नहीं'। पीएमआई हीटमैप में, लाल रंग सबसे कम मान दिखाता है, पीला रंग 50 (या कोई परिवर्तन नहीं मान) दिखाता है, और हरा रंग प्रत्येक पीएमआई श्रेणी में सर्वाधिक मान दिखाता है।

स्रोत: फेडरेशन ऑफ ऑटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशन; इंडियन पोर्ट्स एसोसिएशन; एयरपोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया; जॉइंट प्लान्ट कमेटी; मिनिस्ट्री ऑफ स्टील; ऑफिस ऑफ इकोनॉमिक एडवाइजर, मिनिस्ट्री ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री; मिनिस्ट्री ऑफ टूरिज्म; HVS एनारॉक; और एस&पी ग्लोबल।

मुद्रास्फीति

सीपीआई हेडलाइन मुद्रास्फीति³⁸ पिछले महीने³⁹ के 3.5 प्रतिशत से मई 2026 में क्रमिक रूप से बढ़कर 3.9 प्रतिशत (वर्ष-दर-वर्ष) हो गई, जो सभी तीन श्रेणियों - खाद्य व पेय पदार्थ, ईंधन⁴⁰ और कोर⁴¹ घटकों में व्यापक आधार वृद्धि से प्रेरित है। दालों को छोड़कर खाद्य और पेय पदार्थों की मुद्रास्फीति में वृद्धि वर्गों/उप-वर्गों में हुई। पेट्रोल, डीजल और संपीड़ित प्राकृतिक गैस (सीएनजी)⁴² की खुदरा कीमतों में वृद्धि के कारण सीपीआई ईंधन मुद्रास्फीति में भी पिछले महीने की तुलना में काफी वृद्धि हुई है [चार्ट III.10]।

³⁸ राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) द्वारा 12 जून, 2026 को जारी अनंतिम आंकड़ों के अनुसार।

³⁹ महीने-दर-महीने के आधार पर, समग्र सीपीआई ने 75 बेसिस पॉइंट (बीपीएस) की वृद्धि दर्ज की, जो लगभग 30 बीपीएस के अनुकूल आधार प्रभाव को ऑफसेट करने से अधिक है।

⁴⁰ ईंधन समूह, 'बिजली, गैस और अन्य ईंधन' और 'व्यक्तिगत परिवहन उपकरणों के लिए ईंधन और स्नेहक' वर्ग का प्रतिनिधित्व करता है [जिसमें डीजल, पेट्रोल और अन्य प्राकृतिक गैस (संपीड़ित प्राकृतिक गैस (सीएनजी) शामिल हैं)]। अधिक जानकारी के लिए, मौद्रिक नीति रिपोर्ट, अप्रैल 2026 के मूल्य और लागत अध्याय में बॉक्स IV.2 देखें।

⁴¹ भोजन और ईंधन को छोड़कर शीर्षका।

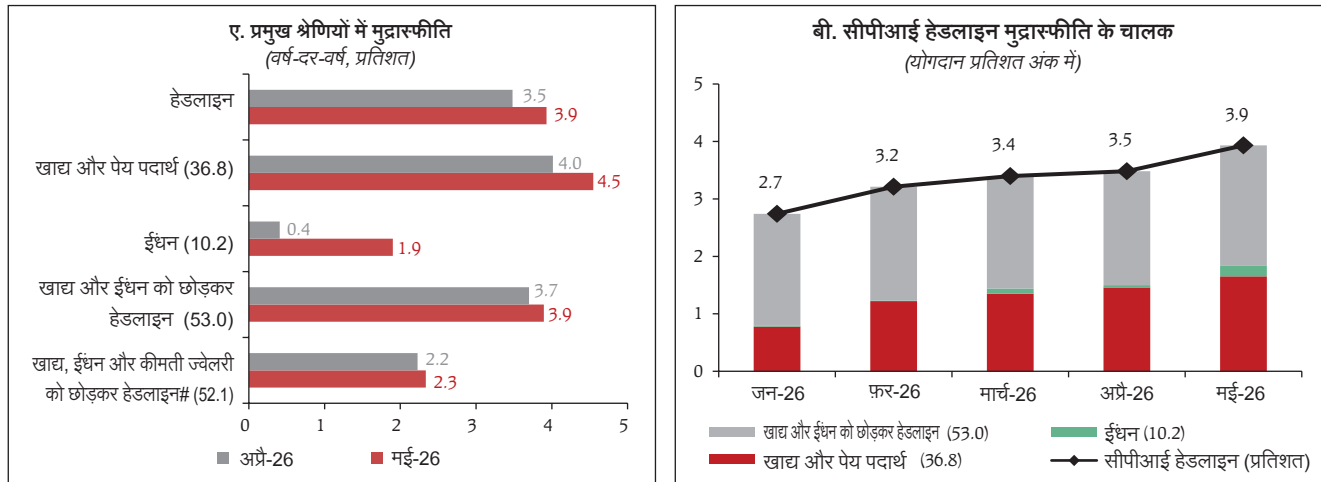
⁴² कई शहरों और राज्यों की राजधानियों में सीएनजी के दाम में 3-6 रुपये प्रति किलोग्राम की संचयी वृद्धि देखी गई।

कोर मुद्रास्फीति पिछले महीने के 3.7 प्रतिशत से मई 2026 में बढ़कर 3.9 प्रतिशत (वर्ष-दर-वर्ष) हो गई, जो मुख्य रूप से कीमती धातुओं द्वारा संचालित थी। कीमती धातुओं को छोड़कर, इस अवधि के दौरान कोर मुद्रास्फीति 2.2 प्रतिशत से बढ़कर 2.3 प्रतिशत हो गई, जो दर्शाता है कि अंतर्निहित मूल्य दबाव नियंत्रित बना हुआ है। हालांकि, उच्च वाणिज्यिक एलपीजी⁴³ की कीमतों के अंतरण के कारण 'रेस्तरां और आवास सेवाओं' में मुद्रास्फीति में वृद्धि हुई। सभी क्षेत्रों में, 'व्यक्तिगत देखभाल, सामाजिक सुरक्षा और विविध वस्तुओं एवं सेवाओं' में मुद्रास्फीति सबसे अधिक रही। कुल मिलाकर, बारह में से आठ क्षेत्रों में मई में मुद्रास्फीति में क्रमिक वृद्धि देखी गई (चार्ट III.11)।

मुद्रास्फीति में वृद्धि राज्यों में स्थानिक रूप से अलग-अलग थी।⁴⁴ अनुक्रमिक वृद्धि 1.0 प्रतिशत से 6.2 प्रतिशत तक

⁴³ वाणिज्यिक एलपीजी (19 किलोग्राम के सिलेंडर) की कीमतों में 01 मई और 01 जून को दो किस्तों में वृद्धि की गई थी, जिसमें संचयी वृद्धि 1035- 1047.5 रुपये प्रति सिलेंडर थी।

⁴⁴ मई में शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में मुद्रास्फीति क्रमशः 3.5 प्रतिशत और 4.3 प्रतिशत रही।

चार्ट III.10: मई में सीपीआई – संयुक्त मुद्रास्फीति में बड़े पैमाने पर बढ़ोतरी

सीपीआई: उपभोक्ता मूल्य सूचकांक

टिप्पणियाँ: 1. कोष्ठक में दिए गए आंकड़े सीपीआई-सी में भारिता दर्शाते हैं (2024=100)।

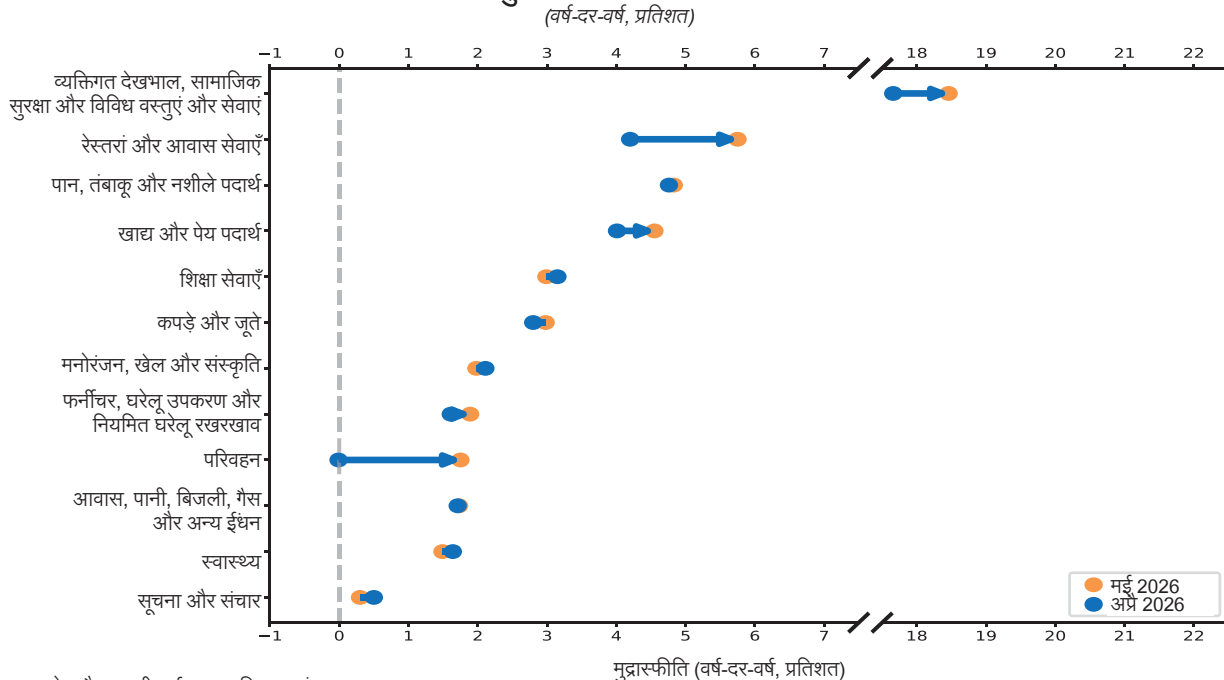
2. # कीमती आभूषणों में 'सोने/हीरे/प्लेटिनम के आभूषण' और 'चांदी के आभूषण' शामिल हैं।

स्रोत: राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ)।

मुद्रास्फीति के साथ व्यापक थी, हालांकि अधिकांश राज्यों ने 2 प्रतिशत और 4 प्रतिशत के बीच मुद्रास्फीति का अनुभव किया (चार्ट III.12)।

अन्य कारकों के अलावा, मई के दौरान सीपीआई-खाद्य और पेय पदार्थों में माह-दर-माह मूल्य वृद्धि को गर्मियों के दौरान मौसमी

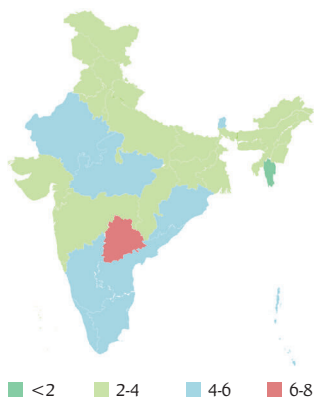
वृद्धि के लिए भी जिम्मेदार ठहराया जा सकता है, जो फलों और मेवों को छोड़कर सभी खंडों/उप-खंडों में देखा गया था। खाद्य कीमतों में यह व्यापक आधार पर वृद्धि जून में भी जारी रही, जैसा कि 18 जून तक उपलब्ध दैनिक मूल्य आंकड़ों से पता चलता है। खाद्यान्नों के अंतर्गत, चावल और गेहूं के साथ-साथ प्रमुख दालों

चार्ट III.11: मुद्रास्फीति दर में मद-वार परिवर्तन

स्रोत: एनएसओ; और आरबीआई स्टाफ की गणनाएं।

**चार्ट III.12: मुद्रास्फीति का स्थानिक वितरण:
मई 2026**

(वर्ष-दर-वर्ष, प्रतिशत)



मुद्रास्फीति सीमा	राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों की संख्या
<2	1
2-4	24
4-6	10
6-8	1

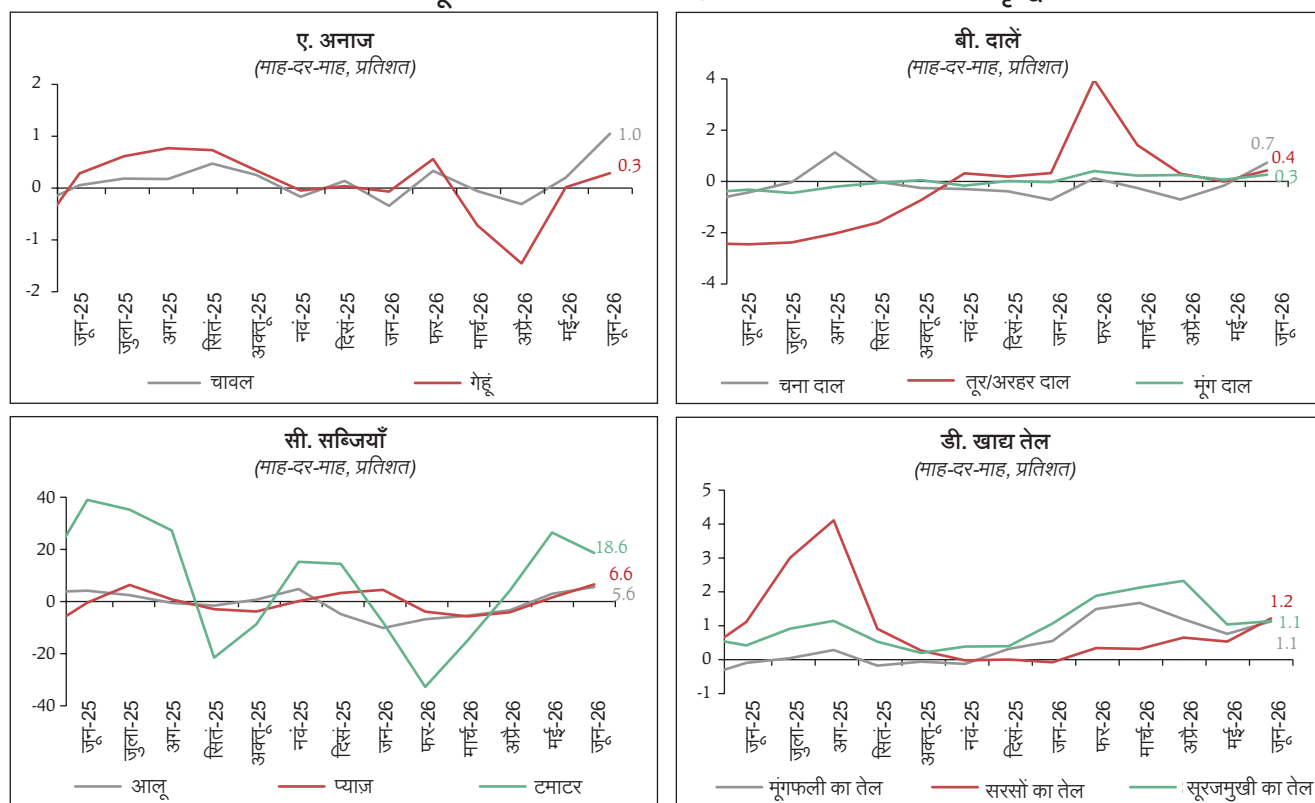
मासिक मुद्रास्फीति की प्रवृत्ति	राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों की संख्या
गिरावट या स्थिर	6
बढ़ती	30

टिप्पणियाँ: 1. मैप सिर्फ उदाहरण के लिए है।
2. अंडमान और निकोबार द्वीप समूह तथा लक्षद्वीप में क्रमशः 4.4 प्रतिशत और 3.6 प्रतिशत की मुद्रास्फीति देखी गई।
स्रोत: एनएसओ; और आरबीआई स्टाफ की गणनाएं।

की कीमतों में वृद्धि दर्ज की गई। खराब होने वाली प्रमुख सब्जियों जैसे आलू, प्याज और टमाटर की कीमतों में और वृद्धि हुई। खाद्य तेलों की कीमतों में माह-दर-माह वृद्धि व्यापक रही (चार्ट III.13)।

वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति शृंखलाओं में व्यवधानों के बीच, भारतीय बास्केट के कच्चे तेल की कीमत⁴⁵ अप्रैल में देखे गए शीर्ष से जून में कम होने के बावजूद बढ़ी हुई है (चार्ट III.14)⁴⁶ अंतरराष्ट्रीय कीमतों में वृद्धि को आंशिक रूप से मई⁴⁷ में पेट्रोल और डीजल की कीमतों में वृद्धि के माध्यम से खुदरा उपभोक्ताओं को अंतरित किया गया है, जिसमें क्रमशः लगभग ₹7.5 प्रति लीटर और ₹7.6 प्रति लीटर की संचयी वृद्धि हुई है (सारणी III.8)।

चार्ट III.13: जून 2026 में खाने की चीजों की कीमतों का दबाव में वृद्धि



टिप्पणी: डेटा 1-18 जून, 2026 तक का है, और पिछले महीने की इसी अवधि की तुलना में औसत कीमतों में माह-दर-माह हुए परिवर्तन को दिखाता है।

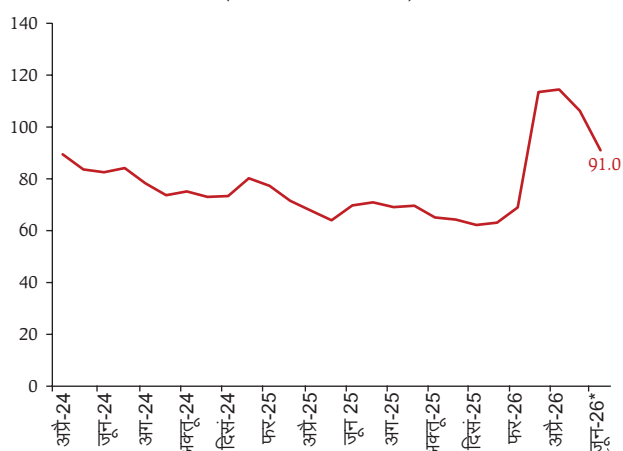
स्रोत: ग्राहक मामलों का मंत्रालय और आरबीआई स्टाफ की गणनाएं।

⁴⁵ अप्रैल के लिए 61:39, मई के लिए 70:30 और जून के लिए 71:29 के अनुपात में महीने के दौरान भारतीय रिफाइनरियों द्वारा आयातित स्वीट ग्रेड (ब्रेंट दिनांकित) और खट्टा ग्रेड (ओमान और दुबई औसत) की एक व्युत्पन्न टोकरी का प्रतिनिधित्व करता है।

⁴⁶ हालांकि भारतीय बास्केट के कच्चे तेल की कीमत अप्रैल में 114.5 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल के हालिया शिखर से जून (17 जून तक औसत) में 91.0 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल तक कम हो गई, लेकिन यह 2025-26 के दौरान देखे गए 70.7 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल के औसत से काफी अधिक बनी हुई है।

⁴⁷ 15, 19, 23 और 25 मई।

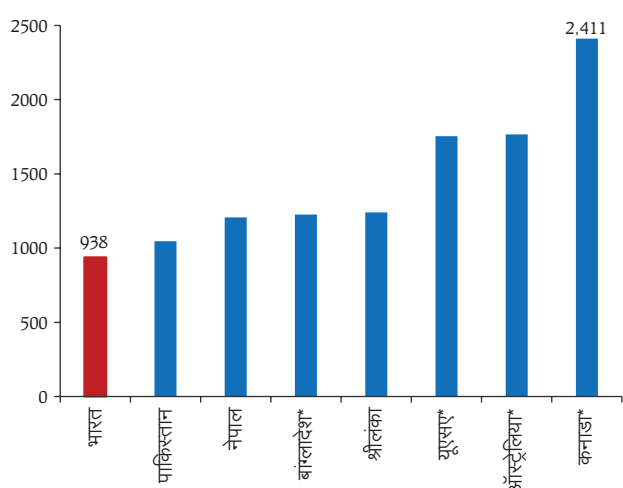
चार्ट III.14: कच्चे तेल के भारतीय बास्केट की कीमतों में आंशिक नरमी
(अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल)



टिप्पणी: 1. डेटा मासिक औसत को दर्शाता है।
2. *: डेटा 01-17 जून तक के औसत मूल्य को दर्शाता है।
स्रोत: पेट्रोलियम योजना एवं विश्लेषण प्रकोष्ठ।

मार्च 2026 में ₹60 की वृद्धि के बाद, जून में घरेलू घरेलू एलपीजी की कीमतों में प्रति 14.2 किलोग्राम सिलेंडर ₹29 की वृद्धि की गई थी। वृद्धि के बावजूद, भारतीय परिवार दुनिया में रसोई गैस की सबसे कम कीमतों में से एक का भुगतान करना जारी रखते हैं, क्योंकि सरकार और तेल विपणन कंपनियों (ओएमसी) ने बड़े पैमाने पर उच्च अंतरराष्ट्रीय कीमतों को परिवारों के व्यय बजट में अंतर्भूत करने से रोका है (चार्ट III.15)। इसके साथ, ओएमसी

चार्ट III.15: भारत में तुलनात्मक रूप से कम एलपीजी कीमतें
(प्रति 14.2 kg सिलेंडर)



*: मान अनुमानित हैं।
स्रोत: पीआईबी रिलीज, 7 जून, 2026।

सारणी III.8: डीजल और पेट्रोल की खुदरा कीमतें वृद्धिशील ट्राजेक्टरी में रहीं

वस्तु	इकाई	घरेलू कीमतें			माह-दर-माह (प्रतिशत)	
		जून-25	मई-26	जून-26 ^	मई-26	जून-26 ^
पेट्रोल	₹/लीटर	101.1	104.1	108.7	2.9	4.4
डीजल	₹/लीटर	90.5	93.4	98.1	3.2	5.0
मिट्टी का तेल (सब्सिडी)	₹/लीटर	40.2	46.8	46.8	0.0	0.0
एलपीजी (गैर-सब्सिडी)	₹/सिलेंडर	863.3	923.3	942.6	0.0	2.1

टिप्पणी: 1. ^: 18 जून 2026 की अवधि के लिए।

2. मिट्टी के तेल के अलावा, कीमतें चार प्रमुख महानगरों (दिल्ली, कोलकाता, मुंबई और चेन्नई) में इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (आईओसीएल) की औसत कीमतों को दर्शाती हैं। मिट्टी के तेल के लिए, कीमतें कोलकाता, मुंबई और चेन्नई में रियायती कीमतों के औसत को दर्शाती हैं।

स्रोत: आईओसीएल; पेट्रोलियम योजना और विश्लेषण प्रकोष्ठ (पीपीएसी); और आरबीआई स्टाफ का अनुमान।

प्रति 14.2 किलोग्राम सिलेंडर के लिए लगभग ₹700 की कम वसूली को अवशोषित करती हैं क्योंकि उनकी आपूर्ति की लागत ₹1600 से अधिक है।⁴⁸

थोक मूल्य सूचकांक (डबल्यूपीआई) (आधार वर्ष 2022-23) मुद्रास्फीति पिछले महीने में 8.3 प्रतिशत से मई 2026 में बढ़कर 9.7 प्रतिशत हो गई, जो अप्रैल 2024 के बाद से नई आधार शृंखला में सबसे अधिक है। मई 2026 में ईंधन और बिजली समूह की मुद्रास्फीति और बढ़कर 30.3 प्रतिशत हो गई। विनिर्मित उत्पादों, अपने उच्च वजन के साथ, कुल मुद्रास्फीति में सबसे अधिक योगदान दिया है। औद्योगिक⁴⁹ और कृषि इनपुट⁵⁰ लागत मुद्रास्फीति भी मई 2026 में फरवरी में अपस्फीति क्षेत्र से क्रमशः 16.7 प्रतिशत और 8.9 प्रतिशत तक चढ़ गई।

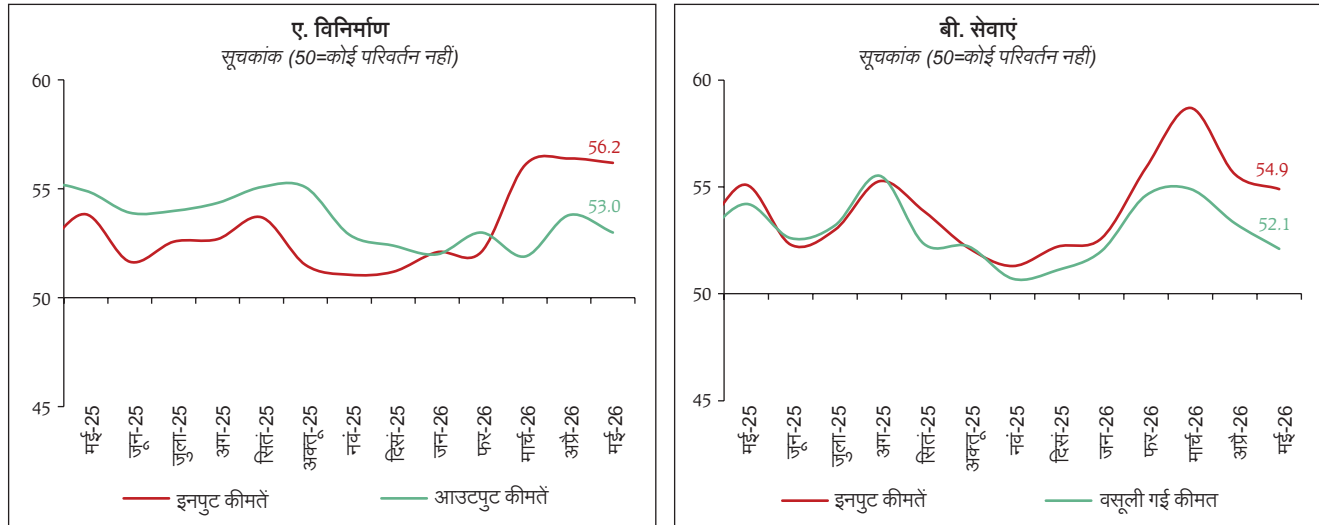
15 जून, 2026 को, आर्थिक सलाहकार के कार्यालय, उद्योग और आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग ने आउटपुट प्रोड्यूसर प्राइस इंडेक्स (ओपीपीआई), एक परीक्षण इनपुट प्रोड्यूसर

⁴⁸ "भारतीय परिवारों को दुनिया में सबसे कम रसोई गैस की कीमतों में से एक का भुगतान करना जारी है" June 07, 2026 ([Link](#)).

⁴⁹ में प्राथमिक गैर-खाद्य वस्तुएं, खनिज, कोयला, विमानन टरबाइन ईंधन, हाई स्पीड डीजल, नेफ्था, बिटुमेन, फर्नेस ऑयल, ल्यूब ऑयल, पेट्रोलियम कोक, बिजली, सूती धागा और डबल्यूपीआई से कागज और लुगदी शामिल हैं।

⁵⁰ में डबल्यूपीआई से हाई-स्पीड डीजल, चारा, बिजली, उर्वरक, कीटनाशक और कृषि और वानिकी मशीनरी शामिल हैं।

चार्ट III.16: मई 2026 में इनपुट और आउटपुट की कीमतों में कमी



टिप्पणी: सूचकांक का 50 का स्तर कीमतों में कोई बदलाव नहीं दिखाता है, और 50 से ऊपर का स्तर बढ़ोतरी दिखाता है और इसी प्रकार उसके विपरीत भी।
स्रोत: एसएडपी।

प्राइस इंडेक्स (आईपीपीआई), और सात सेवाओं को कवर करने वाला एक सर्विस प्रोड्यूसर प्राइस इंडेक्स (एसपीपीआई) की नई शृंखला (आधार वर्ष 2022-23) जारी की⁵¹ आउटपुट पीपीआई मुद्रास्फीति अप्रैल (आधार वर्ष 2022-23) में 8.1 प्रतिशत से बढ़कर मई में 9.4 प्रतिशत (वर्ष दर वर्ष) हो गई, जो मुख्य रूप से 'निर्मित उत्पादों' और 'कृषि, वानिकी और मत्स्य पालन' द्वारा संचालित है।

मई में भारतीय विनिर्माण कंपनियों के लिए इनपुट कीमतों के लिए पीएमआई मोटे तौर पर स्थिर रहा, लेकिन ऊर्जा, ईंधन, कच्चे माल और परिवहन की उच्च लागत को दर्शाता है। बढ़ी हुई लागत दबावों के बावजूद, विनिर्माण कंपनियों के लिए उत्पादन मूल्य पीएमआई के विस्तार की दर मई में कम हो गई, जो लाभ मार्जिन में बड़ी गिरावट का संकेत देती है।⁵² सेवा क्षेत्र में, उत्पादन और इनपुट कीमतों दोनों के लिए पीएमआई क्रमिक रूप से कम हो गया, तथापि यह विस्तारवादी जोन में रहा (चार्ट III.16)।

⁵¹ सूचकांक राष्ट्रीय खातों की आपूर्ति और उपयोग सारणी में से प्राप्त 2022-23 भार पर आधारित हैं। ओपीपीआई भार आपूर्ति सारणी पर आधारित होते हैं, जबकि परीक्षण आईपीपीआई भार उपयोग सारणी पर आधारित होते हैं। ओपीपीआई और एसपीपीआई को शुद्ध करों और व्यापार और परिवहन मार्जिन को छोड़कर मूल कीमतों पर संकलित किया जाता है। इसके विपरीत, परीक्षण आईपीपीआई को खरीदारों की कीमतों पर संकलित किया जाता है, जो इनपुट के लिए उद्योगों द्वारा भुगतान की गई कीमतों को दर्शाता है।

⁵² "एचएसबीसी इंडिया मैनुफैक्चरिंग पीएमआई" समाचार विज्ञापि, 01 जून, 2026। (संपर्क)

IV. वित्तीय स्थितियां

प्रचलनगत मुद्रा में निरंतर वृद्धि, रिजर्व बैंक के विदेशी मुद्रा संचालन और सरकारी नकदी शेष के निर्माण के बीच मई में अधिशेष चलनिधि की स्थिति⁵³ में नरमी आई।⁵⁴ रिजर्व बैंक ने स्थायी और क्षणिक चलनिधि दोनों को शामिल करने के लिए कदम उठाया⁵⁵ अधिशेष चलनिधि जून में (18 तारीख तक) और कम हो गई।⁵⁶ जून में स्थायी जमा सुविधा के उपयोग में गिरावट आई (चार्ट IV.1)।⁵⁷ इसके साथ ही, सरकारी नकद शेष की निकासी से रिजर्व बैंक के अधिशेष हस्तांतरण के बाद प्रणालीगत चलनिधि में वृद्धि होने की उम्मीद है।⁵⁸

⁵³ जैसा कि तरलता समायोजन सुविधा (एलएएफ) के तहत औसत शुद्ध अवशोषण द्वारा मापा जाता है।

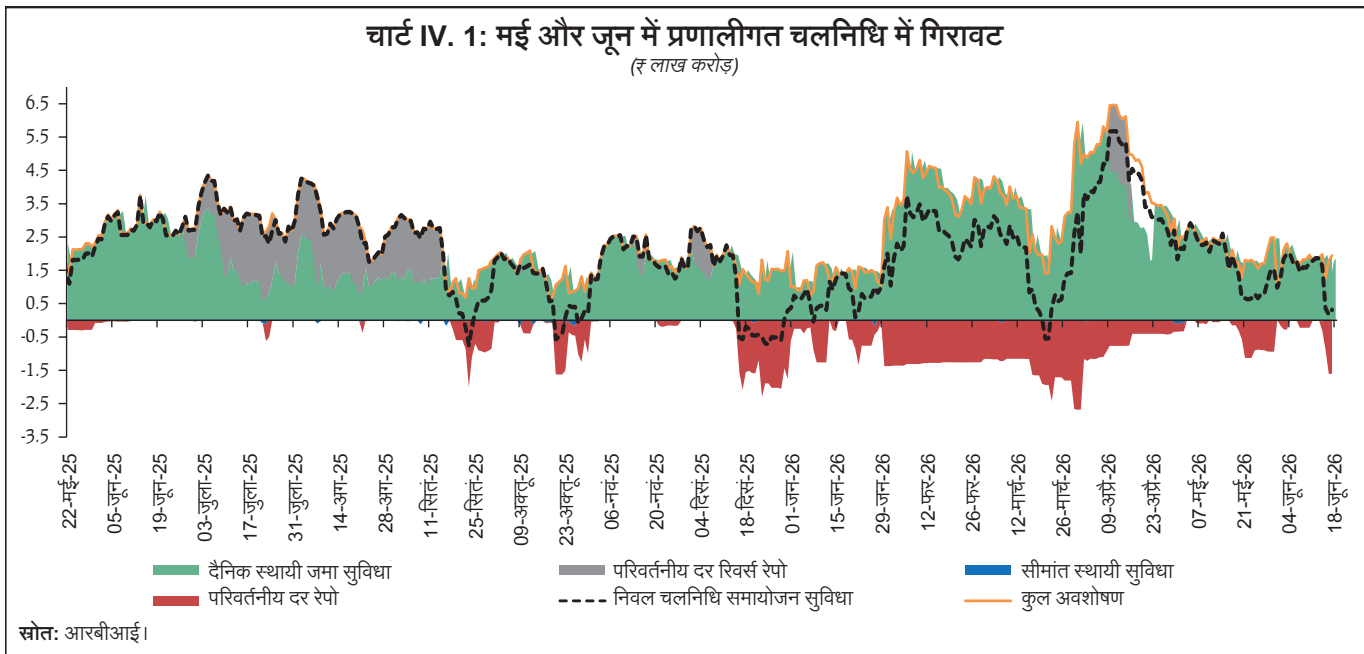
⁵⁴ कुल मिलाकर, एलएएफ के तहत दैनिक औसत शुद्ध अवशोषण मई के दौरान घटकर 1.72 लाख करोड़ रुपये रह गया, जो अप्रैल में 3.94 लाख करोड़ रुपये था।

⁵⁵ मई के दौरान, रिजर्व बैंक ने 5 बिलियन अमरीकी डालर की एक यूएसडी/आईएनआर खरीद/बिक्री स्वेप नीलामी और अलग-अलग परिपक्वता (ओवरनाइट से 7-दिन) की 8 परिवर्तनीय-दर रेपो (वीआरआर) नीलामी, जिसमें ₹8.5 लाख करोड़ की अधिसूचित राशि के मुकाबले ₹3.41 लाख करोड़ की बोली लगाई गई।

⁵⁶ कुल मिलाकर, एलएएफ के तहत औसत दैनिक निवल अवशोषण जून (18वें स्थान तक) के दौरान मई में ₹1.72 लाख करोड़ से घटकर ₹1.42 लाख करोड़ हो गया। जून 2026 में, रिजर्व बैंक ने ओवरनाइट -7 दिनों की परिपक्वता के साथ सात फाइन-ट्यूनिंग वीआरआर नीलामी की, जिसमें ₹5.25 लाख करोड़ की अधिसूचित राशि के मुकाबले ₹2.42 लाख करोड़ की बोली लगी।

⁵⁷ स्थायी जमा सुविधा के तहत औसत शेष राशि जून (18 तारीख तक) घटकर 1.77 लाख करोड़ रुपये रह गई, जो मई में 2.1 लाख करोड़ रुपये थी।

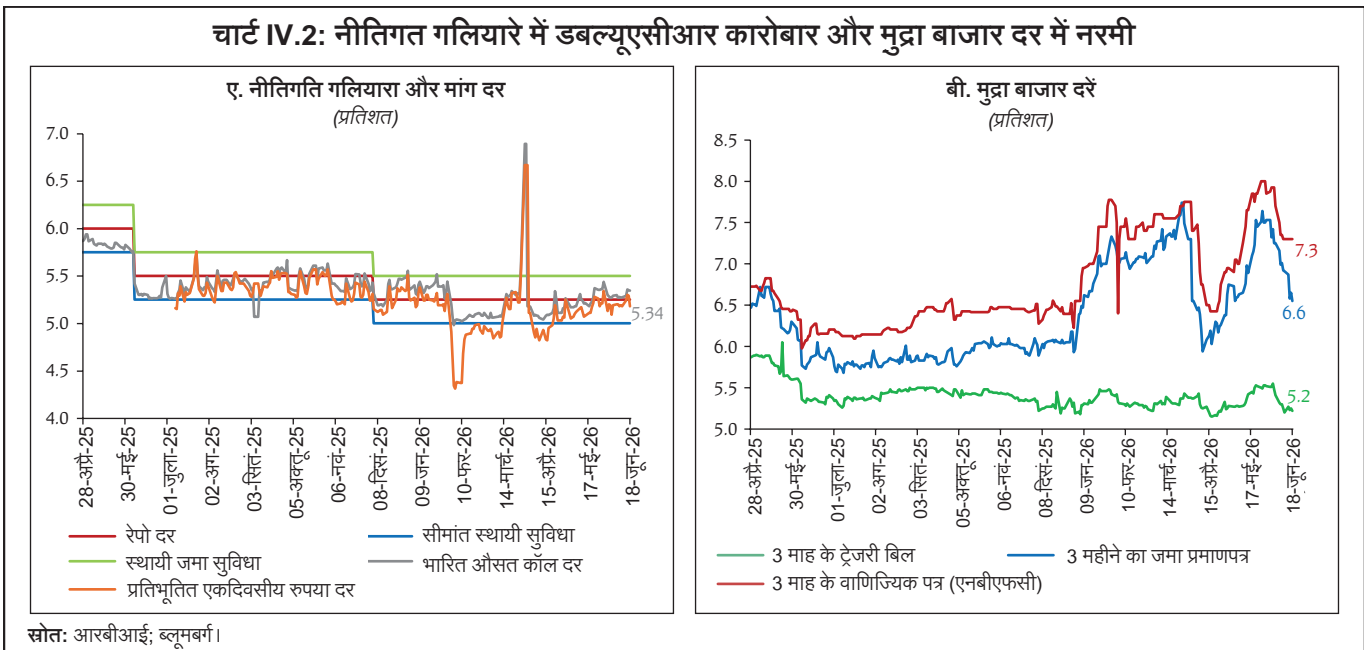
⁵⁸ गवर्नर का बयान: 05 जून, 2026।



मुद्रा बाजार

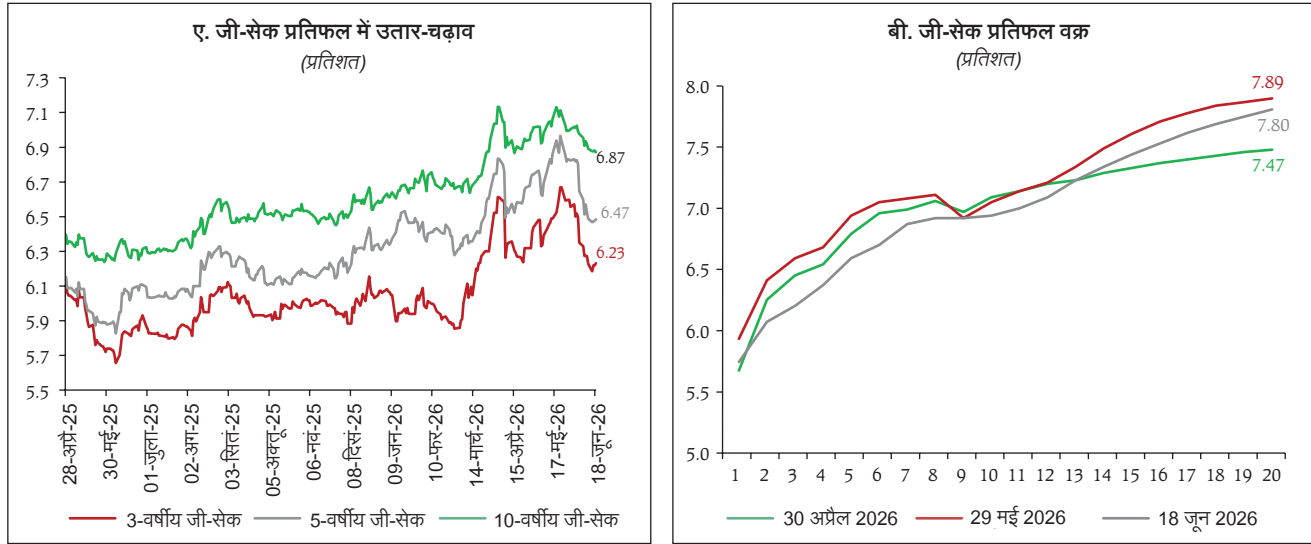
डबल्यूएसीआर मई 2026 में नीतिगत दर के आसपास ही रहा। मई के अंत और जून (18 तारीख तक) में अधिशेष चलनिधि में कमी के साथ, डबल्यूएसीआर बढ़ गया और नीतिगत गलियारे (चार्ट IV.2ए) के ऊपरी आधे हिस्से में बना रहा⁵⁹ संपार्श्विक खंडों में एक

दिवसीय दरें, जैसा कि प्रतिभूतित एक दिवसीय रुपये की दर द्वारा मापा जाता है, आम तौर पर डबल्यूएसीआर के अनुसार परिवर्तित होता है। खजाना बिलों पर औसत प्रतिफल मई के दौरान कम हो गया लेकिन जून (18 वें तक) में यह मजबूत हुआ। निधियों की उच्च मांग के बीच मई में सीपी और सीडी पर प्रतिफल में वृद्धि



⁵⁹ औसतन, डबल्यूएसीआर अप्रैल में 5.13 प्रतिशत से बढ़कर मई में 5.25 प्रतिशत और जून (18 जून तक) में 5.30 प्रतिशत हो गया।

चार्ट IV.3: सरकार और आरबीआई के उपायों के बाद जी-सेक प्रतिफल में नरमी



स्रोत: ब्लूमबर्ग; और फाइनेशियल बेंचमार्क्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड।

हुई, हालांकि वे जून (18 वें तक) में सस्ते वैकल्पिक तरीकों से निधि की उपलब्धता के कारण घट गई (चार्ट IV.2बी)।⁶⁰ 3 महीने के सीपी और 91-दिवसीय ट्रेजरी बिल पर प्रतिफल के बीच का अंतर बढ़ गया।⁶¹

सरकारी प्रतिभूति बाजार

सरकारी प्रतिभूति (जी-सेक) प्रतिफल वैश्विक विकास को दर्शाती है (चार्ट IV.3ए)। अप्रैल में वृद्धि के बाद, मई में प्रतिफल में गिरावट हुई क्योंकि पश्चिम एशिया में बातचीत रुक गई। हालांकि, सरकार और रिजर्व बैंक द्वारा विदेशी पूंजी को आकर्षित करने के उपाय किए जाने के बाद जी-सेक प्रतिफल में नरमी आई। पश्चिम एशिया में शांति समझौते की हालिया घोषणा के कारण भी इसमें कमी आई (चार्ट IV.3बी)।⁶²

⁶⁰ 91-दिन के ट्रेजरी बिल पर औसत यील्ड मई में बढ़कर 5.40 प्रतिशत हो गई और जून (18 जून तक) में घटकर 5.34 प्रतिशत हो गई। मई की तुलना में जून (18 तारीख तक), एनबीएफसी द्वारा जारी 3-महीने के कमर्शियल पेपर पर औसत यील्ड और 3-महीने के सर्टिफिकेट ऑफ डिपॉजिट पर ब्याज दर में क्रमशः 4 बेसिस पॉइंट (बीपीएस) और 3 बीपीएस की कमी आई।

⁶¹ मई में औसत 217 बीपीएस से बढ़कर जून (18 तारीख तक) में 219 बीपीएस हो गया।

⁶² मई में 10-साल के जी-सेक पर यील्ड 6.92 प्रतिशत से 7.13 प्रतिशत के दायरे में रही। 18 जून को यील्ड 6.87 प्रतिशत थी। 05 जून को सरकार ने घोषणा की कि विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) को जी-सेक से मिलने वाले ब्याज पर लॉन्ग-टर्म कैपिटल गेन्स और विदहोलिंग टैक्स से छूट दी जाएगी। रिजर्व बैंक ने 'स्पेसिफाइड सिक्क्योरिटीज' (निर्दिष्ट प्रतिभूतियों) के दायरे को बढ़ाने की घोषणा की, जिसमें पूरी तरह से सुलभ रूट (एफएआर) के तहत 15, 30 और 40-साल की अवधि वाले जी-सेक के सभी नए इश्यू शामिल किए गए। इसके अलावा, जनरल रूट के तहत एफपीआई निवेश पर शॉर्ट-टर्म निवेश, कंस्ट्रेंशन और व्यक्तिगत प्रतिभूतियों से संबंधित सीमाएं भी हटा दी गई हैं।

कॉरपोरेट बॉण्ड बाजार

कॉरपोरेट बॉण्ड प्रतिफल मई (29 तारीख को) की तुलना में जून (18 तारीख को) में अवधि और रेटिंग स्पेक्ट्रम के आधार पर कमी आई, जो कि सरकारी बॉण्ड प्रतिफल का अनुसरण करती है, जबकि इसके प्रसार⁶³ (सारणी IV.1) में वृद्धि हुई। पिछले महीने की तुलना में अप्रैल 2026 में नए कॉरपोरेट बॉण्ड जारी करने में कमी आई है।⁶⁴

मुद्रा और ऋण

मई 2026 के दौरान, आरक्षित निधि (नकद आरक्षित अनुपात के लिए समायोजित) वृद्धि में मामूली गिरावट आई, हालांकि प्रचलन में मुद्रा ने दिसंबर 2025 के बाद से अपनी दोहरे अंकों की वृद्धि को बनाए रखा।⁶⁵ मुद्रा आपूर्ति वृद्धि भी ऊंची रही (चार्ट IV.4)।⁶⁶ अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों (एससीबी) में ऋण

⁶³ एए (1-साल) कॉर्पोरेट बॉन्ड को छोड़कर।

⁶⁴ सिक्क्योरिटीज एंड एक्सचेंज बोर्ड ऑफ इंडिया के आंकड़ों के अनुसार, मार्च में ₹1.07 लाख करोड़ से घटकर अप्रैल में इश्यू ₹0.35 लाख करोड़ हो गए।

⁶⁵ रिजर्व मनी में बढ़ोतरी (कैश रिजर्व रेश्यो में बदलाव के शुरुआती असर को एडजस्ट करने के बाद) 31 मई, 2026 को 11.0 प्रतिशत (साल-दर-साल) रही, जबकि 30 अप्रैल, 2026 को यह 11.2 प्रतिशत (साल-दर-साल) थी। चलन में मौजूद करेंसी में बढ़ोतरी 31 मई, 2026 को 12.1 प्रतिशत (साल-दर-साल) रही, जो 30 अप्रैल, 2026 के 11.6 प्रतिशत (साल-दर-साल) से ज्यादा है [31 दिसंबर, 2025 को यह 10.2 प्रतिशत (साल-दर-साल) थी]।

⁶⁶ मनी सप्लाई में 31 मई, 2026 को 12 प्रतिशत (साल-दर-साल) की बढ़ोतरी हुई, जो 30 अप्रैल, 2026 के बराबर ही है।

सारणी IV.1: कॉर्पोरेट बॉण्ड प्रतिफल में कमी

लिखत	ब्याज दरें (प्रतिशत)			स्प्रेड (संबंधित जोखिम-मुक्त दर पर)		
	मई 29, 2026	18 जून, 2026	भिन्नता (बीपीएस)	मई 29, 2026	18 जून, 2026	भिन्नता
1	2	3	(4 = 3-2)	5	6	(7 = 6-5)
(i) एएए (1-वर्ष)	7.89	7.54	-35	189	173	-16
(ii) एएए (3-वर्ष)	7.75	7.52	-23	109	125	16
(iii) एएए (5-वर्ष)	7.76	7.43	-33	77	79	2
(iv) एए (3-वर्ष)	8.58	8.29	-29	192	202	10
(v) बीबीबी माइन्स (3-वर्ष)	12.19	11.90	-29	553	563	10

स्रोत: नियत आय मुद्रा बाजार और भारतीय व्युत्पन्नी संघ।

वृद्धि और स्थिर जमा वृद्धि में तेजी के कारण मई में ऋण और जमा वृद्धि के बीच की खाई बढ़ गई (चार्ट IV.5)।⁶⁷

2026-27 के दौरान अब तक (31 मई तक), वाणिज्यिक क्षेत्र में वित्तीय संसाधनों के कुल प्रवाह में वृद्धि हुई है, जो गैर-खाद्य बैंक ऋण में वृद्धि और भारत⁶⁸ में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश में वृद्धि से

प्रेरित है (सारणी IV.2ए)। गैर-खाद्य बैंक ऋण वृद्धि पिछले वर्ष (31 मई तक) की तुलना में इस वर्ष अधिक रही, जिससे कुल बकाया ऋण अधिक हो गया (सारणी IV.2बी)।

अप्रैल 2026 में प्रमुख क्षेत्रों में बैंक ऋण में दोहरे अंकों की वृद्धि दर्ज की गई⁶⁹ मजबूत औद्योगिक ऋण वृद्धि का श्रेय एमएसएमई

चार्ट IV.4: रिजर्व मनी और मनी सप्लाई (एम₃) में लगातार बढ़ोतरी

(वर्ष-दर-वर्ष, प्रतिशत)



टिप्पणी: बैंकिंग विधि (संशोधन) अधिनियम, 2025 के माध्यम से पखवाड़े की परिभाषा में बदलाव के साथ, आरक्षित मुद्रा और मुद्रा आपूर्ति का डेटा महीने के 15वें और आखिरी दिन से जुड़ा होगा, जो 15 दिसंबर, 2025 से लागू होगा।

स्रोत: आरबीआई।

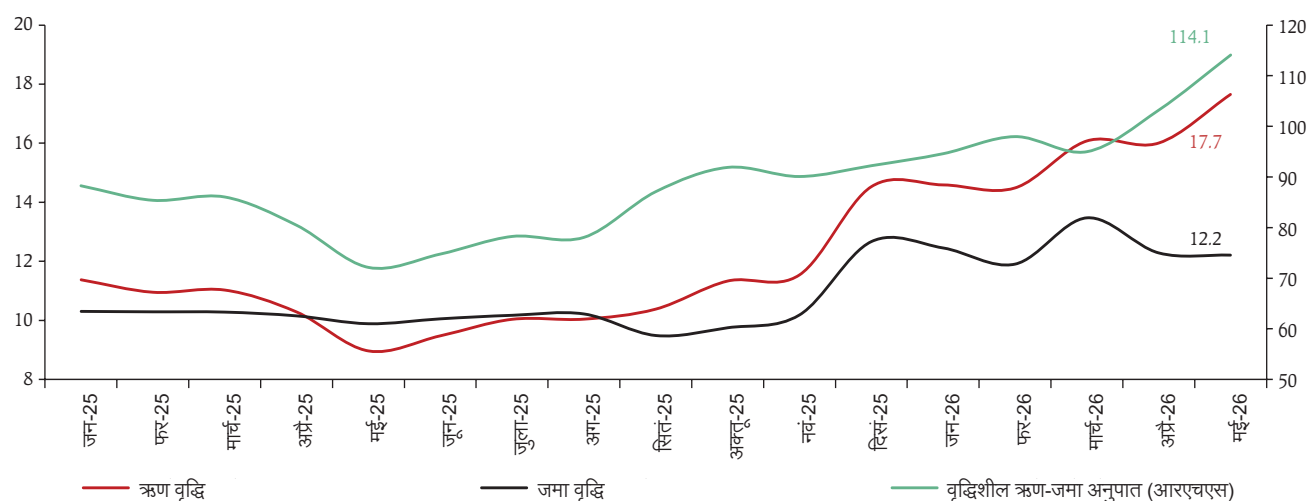
⁶⁷ SCB के क्रेडिट और डिपॉजिट में बढ़ोतरी 31 मई, 2026 को क्रमशः 17.7 प्रतिशत (साल-दर-साल) और 12.2 प्रतिशत रही, जबकि 30 अप्रैल, 2026 को यह क्रमशः 16.0 प्रतिशत (साल-दर-साल) और 12.3 प्रतिशत थी।

⁶⁸ भारत में विदेशी प्रत्यक्ष निवेश (एफडीआई) नेट आधार पर है (यानी, कुल इनफ्लो में से पैसे की वापसी/डिसइन्वेस्टमेंट को एडजस्ट करने के बाद)।

⁶⁹ शुरुआती डेटा। बैंक क्रेडिट के सेक्टर-वार बंटवारे का डेटा सेक्टर-वार और इंडस्ट्री-वार बैंक क्रेडिट (एसआईसीबीसी) रिटर्न पर आधारित है, जिसमें 41 चुने हुए बैंक शामिल हैं। ये बैंक सभी शेड्यूल्ड कमर्शियल बैंकों (एससीबी) द्वारा दिए गए कुल नॉन-फूड क्रेडिट का लगभग 95 प्रतिशत हिस्सा हैं। बैंकिंग कानून (संशोधन) अधिनियम, 2025 के तहत, 31 दिसंबर 2025 से 'आखिरी रिपोर्टिंग पखवाड़े' की परिभाषा बदलकर 'महीने का आखिरी दिन' कर दी गई है। इसके अनुसार, दिसंबर 2025 से साल-दर-साल ग्रोथ रेट की गणना इस तरह की जाती है: मौजूदा साल के लिए महीने के आखिर के डेटा और पिछले साल के उसी महीने के लिए आखिरी रिपोर्टिंग पखवाड़े के डेटा (पुरानी परिभाषा के अनुसार) का इस्तेमाल किया जाता है। नॉन-फूड क्रेडिट ग्रोथ की गणना हर पखवाड़े भरे जाने वाले सेक्शन-42 रिटर्न के आधार पर की जाती है, जिसमें सभी एससीबी शामिल होते हैं।

चार्ट IV.5: सितंबर 2025 से एससीबी के ऋण वृद्धि ने जमा वृद्धि पीछे छोड़ दिया

(वर्ष-दर-वर्ष, प्रतिशत)



टिप्पणियाँ: 1. एससीबी के डेटा में क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक भी शामिल हैं। डेटा में एक गैर-बैंक के बैंक में विलय का प्रभाव भी शामिल है।
2. बैंकिंग विधि (संशोधन) अधिनियम, 2025 के माध्यम से पखवाड़े की परिभाषा में बदलाव के साथ, एससीबी के लिए डेटा महीने के 15वें और आखिरी दिन से संबंधित है, जो 15 दिसंबर, 2025 से लागू होगा।

स्रोत: आरबीआई

में निरंतर ऋण वृद्धि और बड़े उद्योगों को ऋण में वृद्धि को दिया जाता है। गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों (एनबीएफसी), व्यापार और वाणिज्यिक अचल संपत्ति को बैंक ऋण देने से सेवा क्षेत्रों में ऋण प्रवाह में तेजी रही। व्यक्तिगत ऋणों के अंतर्गत, आवास, वाहन और स्वर्ण ऋणों के लिए ऋण ने स्थिर वृद्धि प्रदर्शित की (चार्ट IV.6)।

जमा और उधार दरें

मार्च-अप्रैल 2026 के दौरान ऋण बाजार में पिछली नीतिगत दर में कटौती का संचरण कम हो गया, जमा और उधार दरों में

सारणी IV.2बी : वाणिज्यिक क्षेत्र को बकाया ऋण

(₹ लाख करोड़; ब्रैकेट में दिए गए आंकड़े साल-दर-साल के बदलाव परसेंट में हैं)

स्रोत	मार्च के अंत में		31 मई तक	
	2025	2026	2025	2026 P
ए. गैर-खाद्य बैंक ऋण	183.72 (10.9)	212.91 (15.9)	182.17 (8.8)	213.79 (17.4)
बी. गैर-बैंक स्रोत (बी1 + बी2)	88.86 (14.6)	101.59 (14.3)	89.99 (15.2)	102.24 (13.6)
बी1. घरेलू स्रोत	66.37 (17.3)	75.11 (13.2)	67.23 (17.7)	75.80 (12.8)
बी2. विदेशी स्रोत	22.49 (7.2)	26.48 (17.7)	22.76 (8.3)	26.45 (16.2)
सी. कुल क्रेडिट (ए+बी)	272.58 (12.1)	314.50 (15.4)	272.16 (10.8)	316.04 (16.1)

पी: प्रोजेक्शन।

टिप्पणियाँ: 1. नंबरों को राउंड ऑफ करने की वजह से कॉलम में दिए गए आंकड़े टोटल में नहीं जुड़ सकते हैं।
2. नॉन-बैंक स्रोत के डेटा में डोमेस्टिक स्रोत के तहत इक्विटी और हाइब्रिड इंस्ट्रुमेंट्स जारी करना और फॉरेन स्रोत के तहत इक्विटी में विदेशी प्रत्यक्ष निवेश शामिल नहीं है।
3. आउटस्टैंडिंग डेटा पर आधारित फ्लो, सारणी IV.2ए में दिए गए फ्लो से मेल नहीं खा सकते हैं, क्योंकि: (ए) कुछ हाउसिंग फाइनेंस कंपनियों का नॉन-बैंकिंग फाइनेंशियल कंपनियों में बदलना; और (बी) फॉरेन स्रोत के मामले में वैल्यूएशन का असर।
4. डिटेल्ड टिप्पणियाँ और डेटा के लिए, कृपया करंट स्टैटिस्टिक्स सारणी नंबर: 18(बी) देखें।

स्रोत: आरबीआई; सेबी; एआईएफआई; और आरबीआई स्टाफ कैलकुलेशन।

सारणी IV.2ए: भारत में वाणिज्यिक क्षेत्र के लिए वित्तीय संसाधनों का प्रवाह

(₹ लाख करोड़)

मद	अप्रैल-मार्च		31 मई तक	
	2024-25	2025-26	2025-26	2026-27
ए. गैर-खाद्य बैंक ऋण	18.08	29.19	-1.55	0.88
बी. गैर-बैंक स्रोत (बी1 + बी2)	18.15	17.69	1.90	1.94
बी 1. घरेलू स्रोत	14.91	12.66	1.27	0.80
बी 2. विदेशी स्रोत	3.25	5.03	0.63	1.14
सी. संसाधनों का कुल प्रवाह (ए+बी)	36.23	46.88	0.35	2.82

टिप्पणियाँ: 1. संख्याओं को पूर्णांकित करने के कारण कॉलम में दिये गए आंकड़े कुल से मेल नहीं खा सकते हैं।
2. विस्तृत टिप्पणियों और डेटा के लिए, कृपया वर्तमान सांख्यिकी सारणी संख्या: 18 (ए) देखें।

स्रोत: आरबीआई; सेबी (भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड); एआईएफआई (अखिल भारतीय वित्तीय संस्थान); और आरबीआई कर्मचारियों की गणना।

चार्ट IV.6: बैंक क्रेडिट का सेक्टरवार डिप्लॉयमेंट

(वर्ष-दर-वर्ष, प्रतिशत)



स्रोत: आरबीआई।

कुछ कठोरता देखी गई (सारणी IV.3)। नए और बकाया ऋणों पर ऋण दरों में संचरण सभी क्षेत्रों में असमान रहा है (चार्ट IV.7)। वर्तमान सहजता चक्र (फरवरी 2025-अप्रैल 2026) के दौरान,

निजी क्षेत्र के बैंकों में ऋण दरों के लिए पास-थ्रू अधिक स्पष्ट था, जबकि सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों ने जमा दरों में अपेक्षाकृत मजबूत संचरण का प्रदर्शन किया (चार्ट IV.8)।

सारणी IV.3: बैंकों के डिपॉजिट और लेंडिंग रेट्स पर ट्रांसमिशन

(आधार अंक)

अवधि	रेपो दर	सावधि जमा दरें		ईबीएलआर	1-वर्षीय एमसीएलआर (माध्यिका)	उधार दरें		डबल्यूएलआर - बकाया रुपया ऋण
		डबल्यूएलआर-ताजा जमा	डबल्यूएलआर-बकाया जमा			डबल्यूएलआर - ताजा रुपया लोन कुल मिलाकर	ब्याज दर प्रभाव [#]	
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)	(9)
सख्ती का चक्र मई 2022 से जनवरी 2025 तक	250	259	206	250	175	182	191	115
आसान चक्र फरवरी 2025 से अप्रैल 2026 तक	-125	-85	-50	-125	-45	-83	-83	-89

#: जनवरी 2025 के भार पर कैलकुलेट किया गया।

डबल्यूएलआर : वेटेड एवरेज लेंडिंग रेट; डबल्यूएलआर : वेटेड एवरेज डोमेस्टिक टर्म डिपॉजिट रेट;

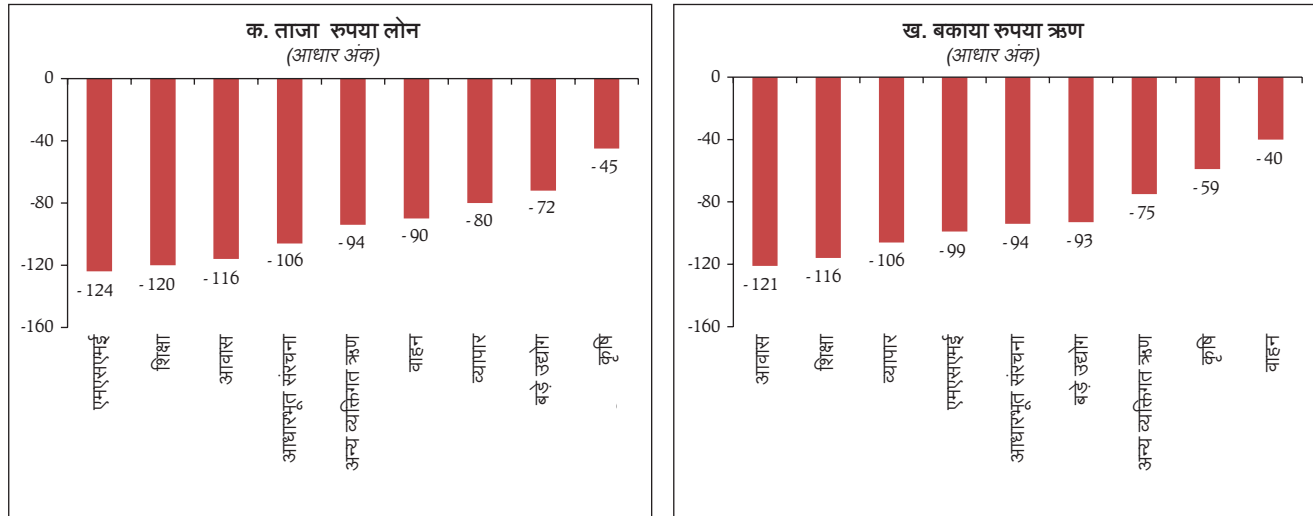
एमसीएलआर : मार्जिनल कॉस्ट ऑफ फंड्स-बेस्ड लेंडिंग रेट; ईबीएलआर : एक्सटर्नल बैंचमार्क-बेस्ड लेंडिंग रेट।

टिप्पणी: ईबीएलआर का डेटा 32 डोमेस्टिक बैंकों से जुड़ा है।

स्रोत: आरबीआई।

70 गवर्नर का बयान: 05 जून, 2026।

चार्ट IV.7: कुछ सेक्टर में ट्रांसमिशन (फरवरी 2025 - अप्रैल 2026)



टिप्पणी: फरवरी 2025 से अप्रैल 2026 के दौरान ट्रांसमिशन की गणना जनवरी 2025 की वेटेड एवरेज लेंडिंग रेट्स को अप्रैल 2026 की वेटेड एवरेज लेंडिंग रेट्स से घटाकर की जाती है।
स्रोत: आरबीआई।

इक्विटी बाजार

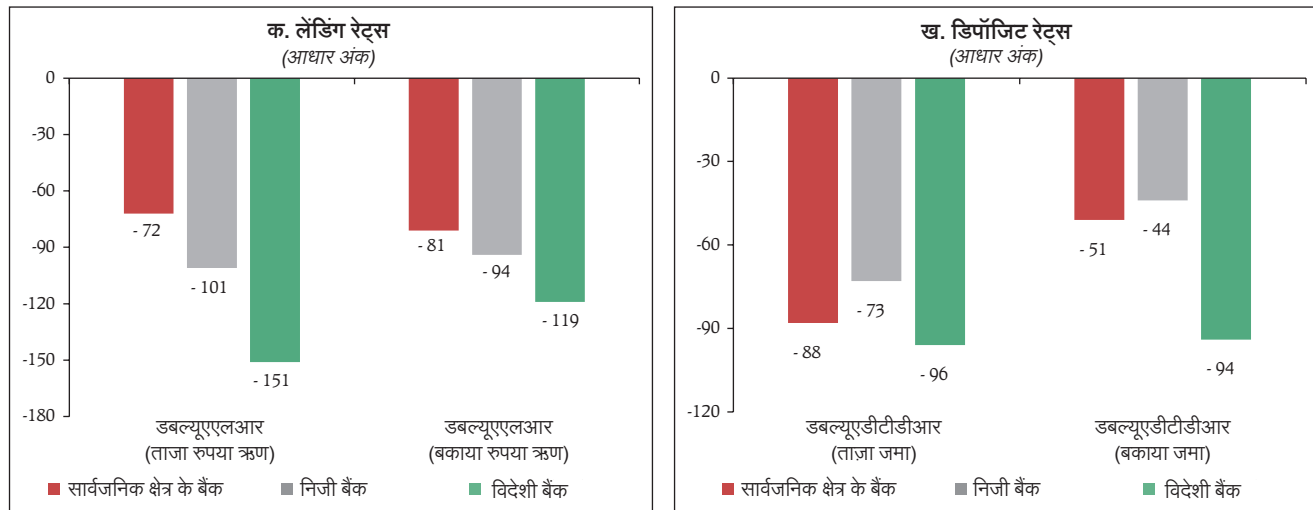
यूएस-ईरान शांति समझौते के आसपास की अनिश्चितता, कच्चे तेल की कीमतों में वृद्धि और आईएमडी के सामान्य से कम मानसून के पूर्वानुमान के बीच मई और जून की शुरुआत में भारतीय इक्विटी बाजारों में गिरावट दर्ज की गई। हालांकि, जून के मध्य में बाजारों में सुधार हुआ, जो यूएसआईआरएन शांति वार्ता

और कच्चे तेल की कीमतों में नरमी के आसपास के सकारात्मक घटनाक्रमों और कच्चे तेल की कीमतों में नरमी (चार्ट IV.9) से समर्थित था⁷¹

वित्त के बाहरी स्रोत

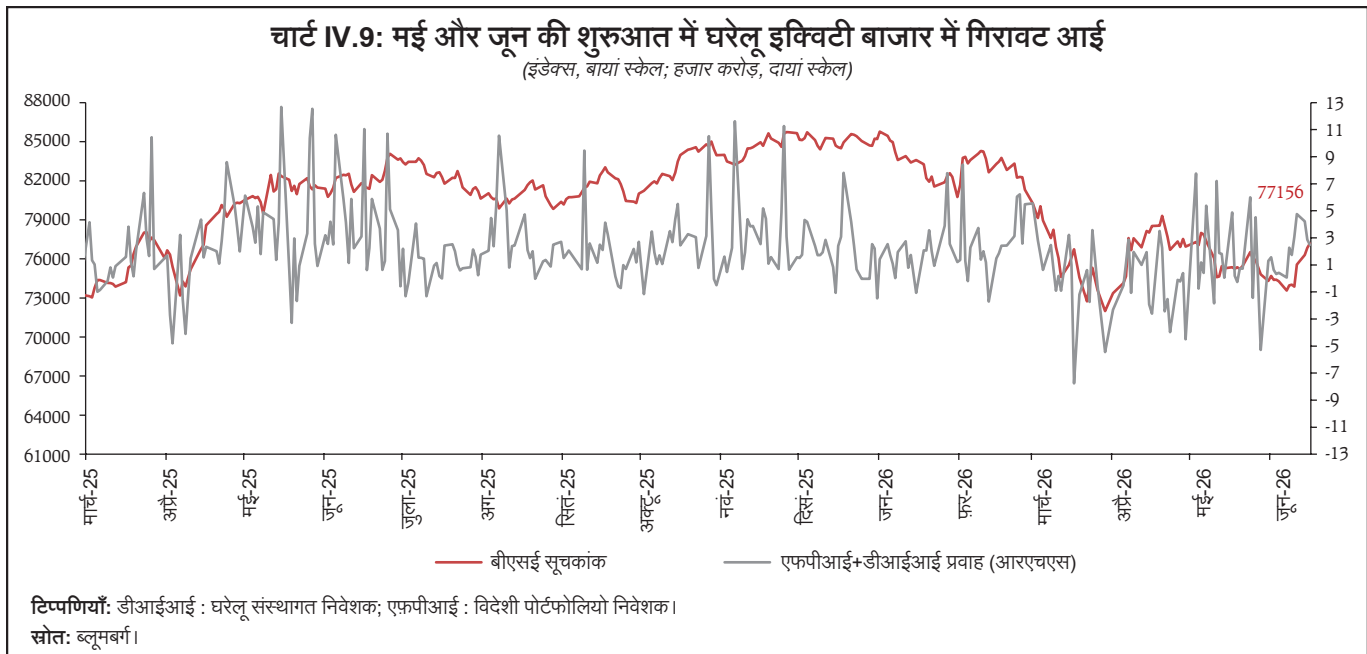
अप्रैल 2026 के दौरान, शुद्ध एफडीआई पिछले वर्ष के दौरान अपने इसी स्तर से ऊपर रहा, जो उच्च सकल प्रवाह और कम

चार्ट IV.8: बैंक ग्रुप्स में ट्रांसमिशन (फरवरी 2025 - अप्रैल 2026)



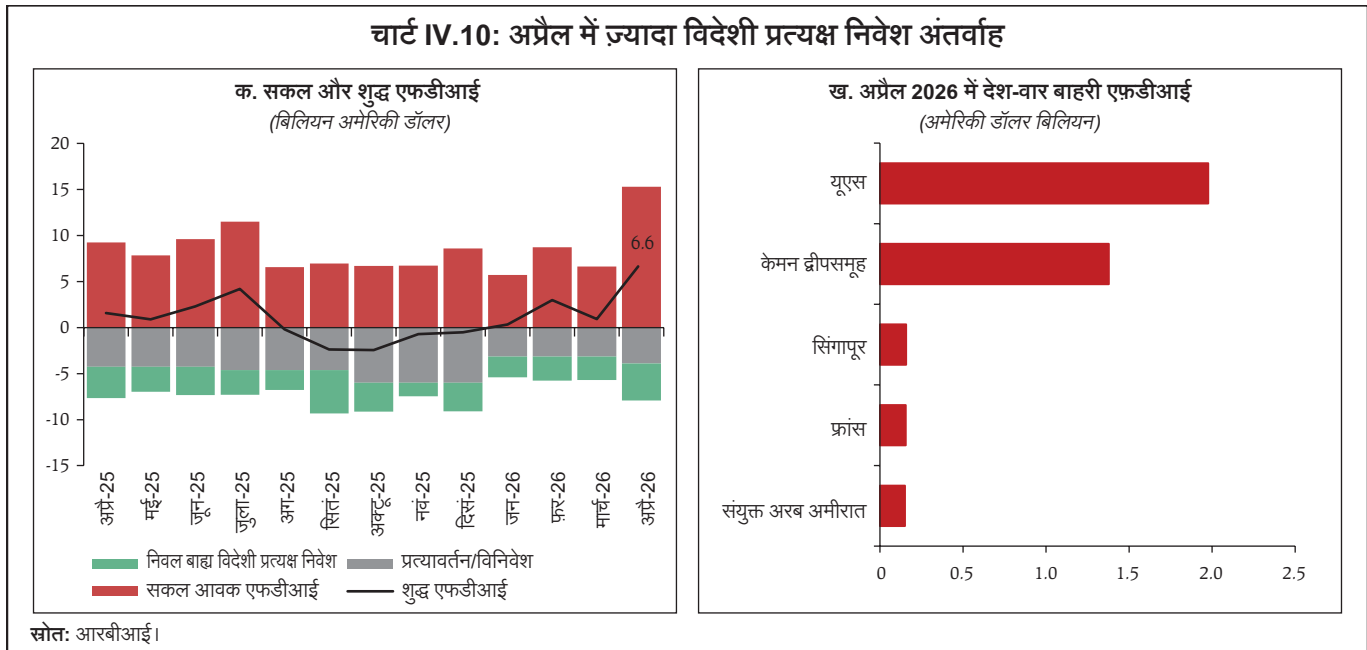
टिप्पणी: फरवरी 2025 से अप्रैल 2026 के दौरान ट्रांसमिशन की गणना जनवरी 2025 के भारित औसत उधार और जमा दर को अप्रैल के रेट से घटाकर की जाती है।
स्रोत: आरबीआई।

⁷¹ इंडिया VIX अप्रैल 2026 के आखिर में 18.5 से घटकर मई के आखिर में 16.2 और 18 जून, 2026 को 12.7 हो गया।

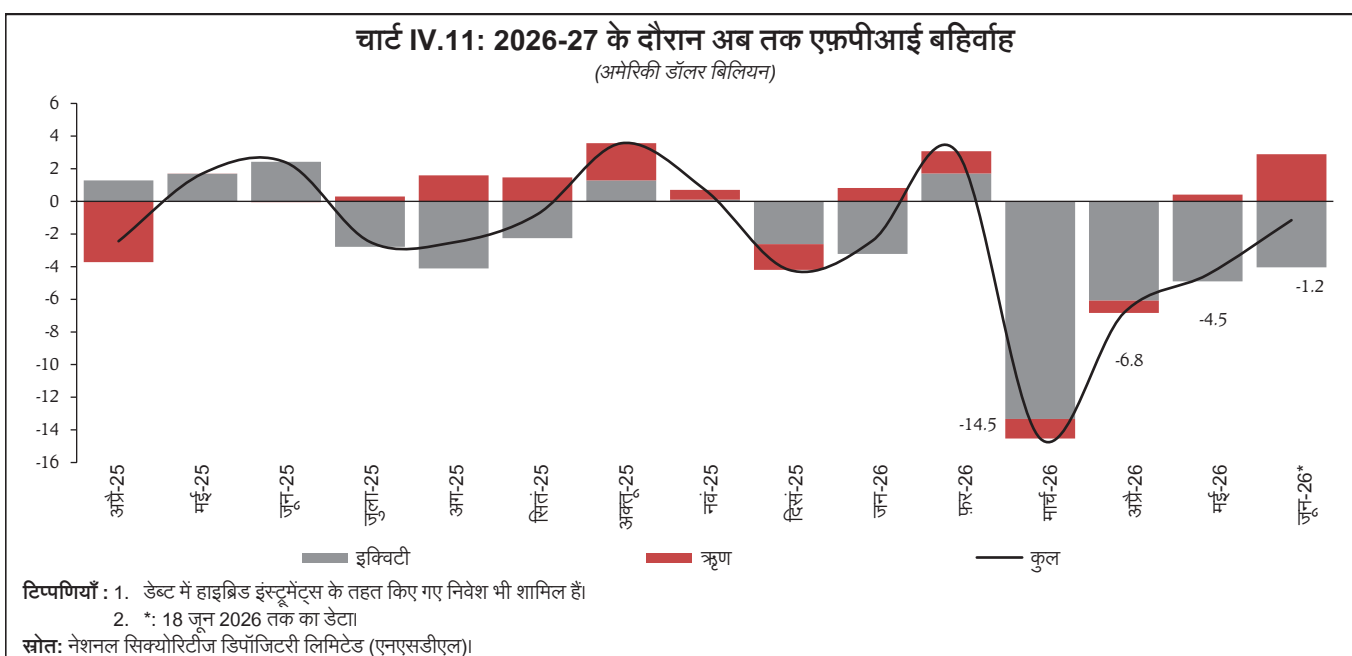


प्रत्यावर्तन (चार्ट IV.10 ए) द्वारा समर्थित था⁷² वित्तीय सेवाओं को सबसे बड़ा इक्विटी प्रवाह प्राप्त हुआ, इसके बाद खुदरा और थोक व्यापार, विनिर्माण और कंप्यूटर सेवाएं रहीं, इन चार क्षेत्रों में कुल प्रवाह का 80 प्रतिशत से अधिक हिस्सा था। स्रोत के अनुसार, 75 प्रतिशत से अधिक एफडीआई प्रवाह जापान,

सिंगापुर और मॉरीशस से आया। जहां तक बाहरी एफडीआई का संबंध है, लगभग 80 प्रतिशत प्रवाह अमेरिका और केमैन द्वीप समूह की ओर भेजा गया था (चार्ट IV.10 बी)। वित्तीय, बीमा और व्यावसायिक सेवाओं और विनिर्माण क्षेत्र का 90 प्रतिशत से अधिक बाहरी प्रवाह है।



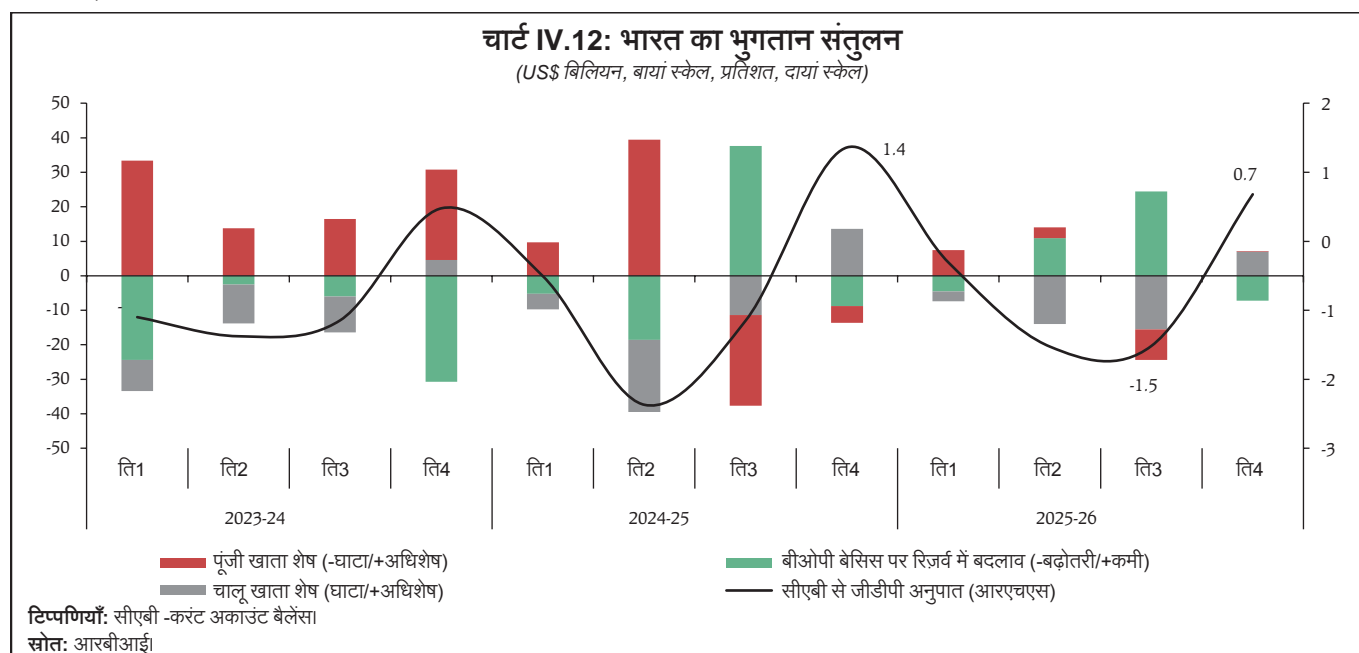
⁷² अप्रैल 2026 में, नेट एफडीआई यूएस\$ 6.6 बिलियन था, जबकि अप्रैल 2025 में यह यूएस\$ 1.6 बिलियन था। इसी तरह, ग्राँस इनवर्ड एफडीआई यूएस\$ 15.3 बिलियन था, जो एक साल पहले के यूएस\$ 9.3 बिलियन से ज्यादा है।



2026-27 (18 जून तक) के दौरान, शुद्ध एफपीआई ने बहिर्वाह दर्ज करना जारी रखा, हालांकि गति कम हो गई (चार्ट IV.11)।⁷³ शुद्ध एफपीआई प्रवाह जून के दूसरे सप्ताह से काफी हद तक सकारात्मक हो गया है, जो संभवतः पश्चिम एशिया के तनाव को कम करने के साथ-साथ रिजर्व

बैंक और सरकार द्वारा किए गए सहायक नीतिगत उपायों से प्रेरित है।⁷⁴

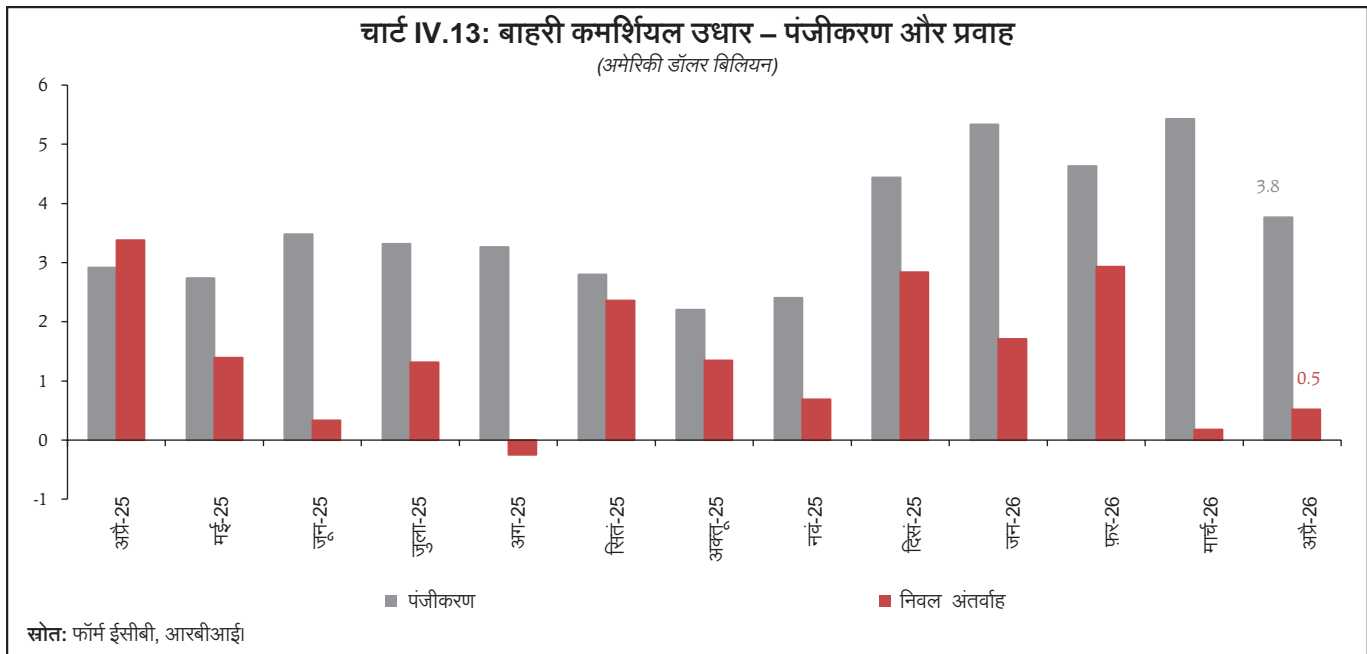
तिमाही 4: 2025-26 में, भारत के चालू खाते में 7.1 बिलियन अमेरिकी डॉलर का अधिशेष दर्ज किया गया, जो उच्च शुद्ध सेवा प्राप्तियों और मजबूत आवक प्रेषण (चार्ट IV.12) के कारण था।⁷⁵



⁷³ 2026-27 के दौरान अब तक (18 जून, 2026 तक), एफपीआई में यूएस\$ 12.5 बिलियन का नेट आउटफ्लो देखा गया, जिसकी मुख्य वजह इक्विटी सेगमेंट से पैसे निकालना था।

⁷⁴ "एक बड़े सुधार के तहत, सरकार ने जी-सेक मार्केट को मजबूत करने और इक्विटी सेगमेंट में ज्यादा विदेशी पोर्टफोलियो निवेश (एफपीआई) को आसान बनाने के उपाय घोषित किए", पीआईबी रिलीज, 05 जून, 2026 (लिंक)

⁷⁵ तिमाही 4: 2024-25 में, यूएस\$ 13.7 बिलियन का करंट अकाउंट सरप्लस दर्ज किया गया।



पूरे वर्ष 2025-26 के लिए, चालू खाता घाटा पिछले वर्ष की तुलना में मामूली रूप से बढ़ गया।⁷⁶ शुद्ध पूंजी प्रवाह चालू खाता घाटे के वित्तपोषण से कम हो गया क्योंकि शुद्ध एफडीआई प्रवाह उच्च एफपीआई बहिर्वाह द्वारा ऑफसेट किया गया था। इससे 2025-26 में 23.6 बिलियन अमेरिकी डॉलर का विदेशी मुद्रा भंडार (भुगतान संतुलन के आधार पर) की कमी हुई।

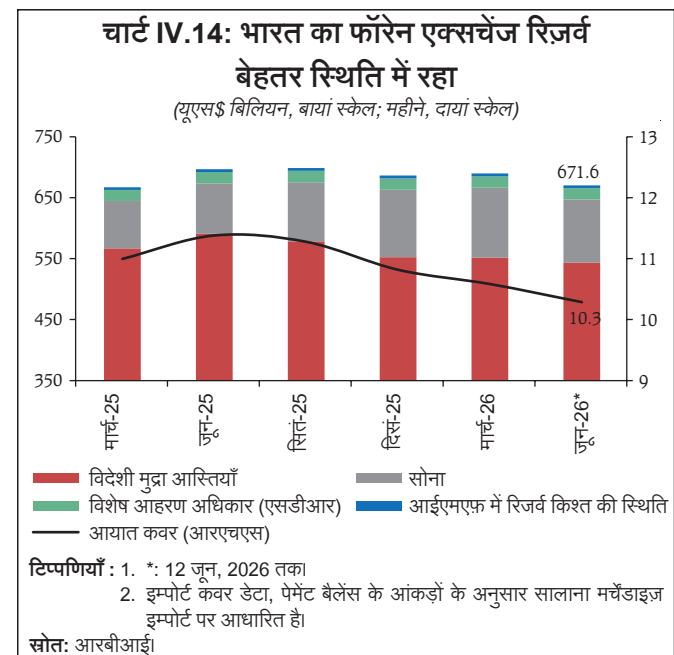
पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में अप्रैल 2026 में बाहरी वाणिज्यिक उधार (ईसीबी) पंजीकरण में वृद्धि हुई, जो अपतटीय धन जुटाने की गतिविधि में सुधार को दर्शाता है।⁷⁷ अप्रैल में शुद्ध ईसीबी प्रवाह क्रमिक रूप से बढ़ा लेकिन पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में काफी कम रहा (चार्ट IV.13)।⁷⁸ अप्रैल में पंजीकृत ईसीबी का लगभग 24 प्रतिशत पूंजीगत व्यय के लिए था।

भारत का विदेशी मुद्रा भंडार संतोषजनक रहा, जो दिसंबर 2025 के अंत तक 10 महीने से अधिक

के⁷⁹ और बकाया विदेशी ऋण का 87.7 प्रतिशत के लिए कवर प्रदान करता है (चार्ट IV.14)।

विदेशी मुद्रा बाजार

भारतीय रुपया (आईएनआर) मई में लंबे भू-राजनीतिक तनाव और निरंतर विदेशी पोर्टफोलियो बहिर्वाह के बीच दबाव



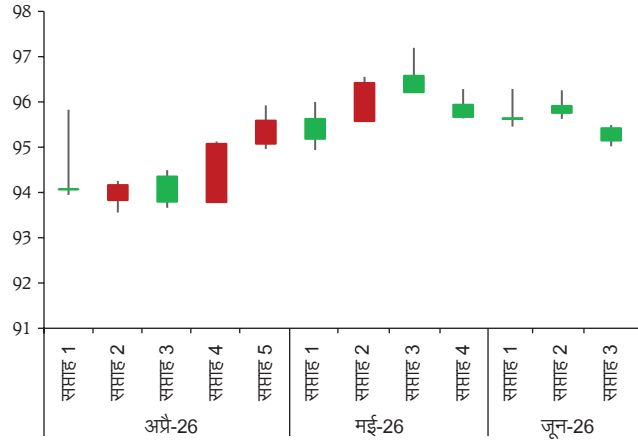
⁷⁶ 2025-26 के दौरान, करंट अकाउंट घाटा यूएस\$ 25.2 बिलियन (जीडीपी का 0.6 प्रतिशत) था, जबकि 2024-25 में यह यूएस\$ 22.9 बिलियन (जीडीपी का 0.6 प्रतिशत) था।

⁷⁷ अप्रैल 2025 में यूएस\$ 2.9 बिलियन के मुकाबले अप्रैल 2026 में ईसीबी रजिस्ट्रेशन बढ़कर यूएस\$ 3.8 बिलियन हो गए। यह मार्च 2026 के यूएस\$ 5.4 बिलियन से कम था।

⁷⁸ मार्च 2026 में यूएस\$ 0.2 बिलियन के मुकाबले अप्रैल 2026 में नेट ईसीबी इनफ्लो बढ़कर यूएस\$ 0.5 बिलियन हो गया, लेकिन यह अप्रैल 2025 के यूएस\$ 3.4 बिलियन से कम था।

⁷⁹ 12 जून 2026 तक, सामान और सेवाओं के लिए इम्पोर्ट कवर लगभग 8.2 महीने था।

चार्ट IV.15: अमेरिकी डॉलर के मुकाबले भारतीय में बढ़त
(प्रति अमेरिकी डॉलर)



टिप्पणियाँ : लाल कैंडल्स डेप्रिसिएशन दिखाती हैं, यानी, भारतीय रुपया वीकेंड पर खुलने के मुकाबले ज्यादा पर बंद हुआ है। हरी कैंडल्स एप्रिसिएशन दिखाती हैं, यानी, भारतीय रुपया वीकेंड पर खुलने के मुकाबले कम पर बंद हुआ है।
स्रोत: रिफाइनिटिव; और आरबीआई स्टाफ कैलकुलेशन।

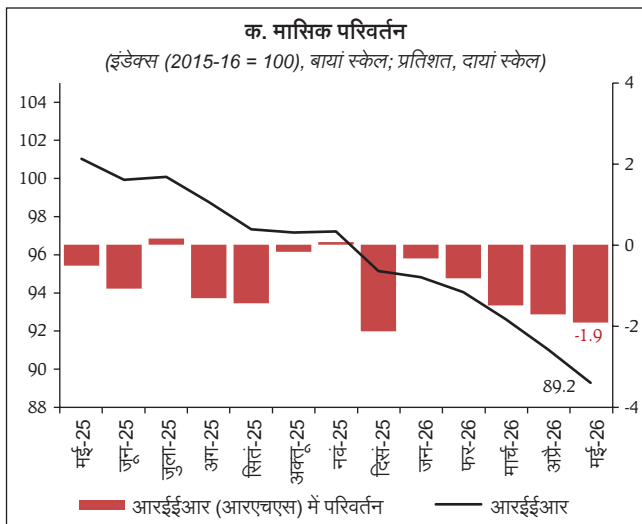
में रहा हालांकि, पूंजी प्रवाह के उपायों, भू-राजनीतिक तनाव को कम करने और कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट के कारण जून 2026 में आईएनआर रिकवर किया गया।⁸⁰ 2026-27 के दौरान अब तक (19 जून तक), मार्च 2026 के अंत में आईएनआर में 0.2 प्रतिशत की वृद्धि हुई (चार्ट IV.15)। वास्तविक प्रभावी शब्दों में, भारतीय रुपये में मई में अवमूल्यन हुआ, जो नाममात्र प्रभावी शर्तों में आईएनआर के स्पष्ट मूल्यहास से प्रेरित था, जिसने अपने

प्रमुख व्यापारिक भागीदारों की तुलना में भारत की अपेक्षाकृत उच्च मुद्रास्फीति के ऑफसेटिंग प्रभाव को पीछे छोड़ दिया (चार्ट IV.16)।

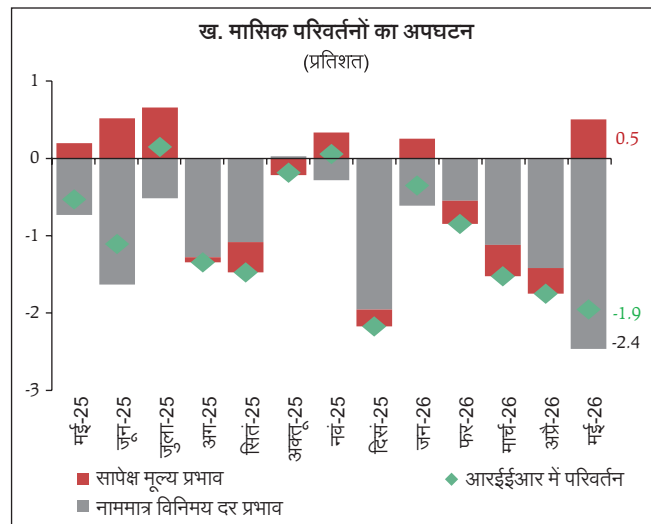
V. निष्कर्ष

अंतरिम अमेरिका-ईरान शांति समझौते के माध्यम से प्राप्त कुछ राहत के बावजूद वैश्विक आर्थिक परिदृश्य नाजुक बना हुआ है। समझौते के किसी भी टूटने से मुद्रास्फीति की उम्मीदों, बाधित महत्वपूर्ण ऊर्जा बुनियादी ढांचे, निवेश खर्च में देरी, खाद्य सुरक्षा चिंताओं, प्रतिकूल वित्तीय स्थिरता दृष्टिकोण और संरचनात्मक रूप से कम विकास के संदर्भ में भौतिक जोखिम फिर से शुरू हो सकते हैं। अनिश्चितताओं का अंतर्राष्ट्रीय व्यापार, लागत दबाव, पूंजी प्रवाह और कमोडिटी की कीमतों के माध्यम से दृष्टिकोण पर प्रभाव पड़ सकता है। भारतीय अर्थव्यवस्था ने इस झटके को बनाए रखने के लिए कई अन्य देशों की तुलना में बहुत बेहतर बुनियादी सिद्धांतों के साथ इस उथल-पुथल में प्रवेश किया। भारत ने पिछले कुछ वर्षों में लगातार उच्च विकास बनाए रखा, मुद्रास्फीति की उम्मीदों को स्थिर रखा, निरंतर राजकोषीय समेकन, प्रबंधनीय चालू खाता संतुलन और विदेशी मुद्रा बफर बनाए रखा, जो अतीत में इसी तरह की अन्य घटनाओं की तुलना में इसकी ताकत को बढ़ाता है। एक प्रतिकूल दक्षिण-पश्चिम मानसून, यदि अमल में आता है, तो घरेलू विकास-मुद्रास्फीति दृष्टिकोण पर असर पड़ सकता है।

चार्ट IV.16: 40-करेंसी रियल इफेक्टिव एक्सचेंज रेट में उतार-चढ़ाव



टिप्पणियाँ : पॉजिटिव बदलाव नॉमिनल और रियल एक्सचेंज रेट में बढ़ोतरी दिखाता है और नैगेटिव बदलाव डेप्रिसिएशन दिखाता है।
स्रोत: आरबीआई



⁸⁰ मई 2026 के आखिर की तुलना में जून (19 तारीख तक) में आईएनआर की वैल्यू में 1.0 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई।

अनुबंध

बॉक्स 1: औद्योगिक उत्पादन सूचकांक की नई श्रृंखला: मुख्य विशेषताएं

अप्रैल 2026 के लिए आईआईपी डेटा राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) द्वारा 2022-23 के संशोधित आधार वर्ष के साथ जारी किया गया है जो नई जीडीपी श्रृंखला के साथ संरेखित है। नई श्रृंखला नवीनतम राष्ट्रीय औद्योगिक वर्गीकरण (एनआईसी) 2025 वर्गीकरण को अपनाती है, एनआईसी 2008 की जगह लेती है, और 2022-23 के लिए मौजूदा कीमतों पर जीवीए का उपयोग करके क्षेत्रीय भार को अपडेट करती है और उद्योगों के वार्षिक सर्वेक्षण (एएसआई) 2022-23 से आइटम वेट को अपडेट करती है। गैस आपूर्ति और जल आपूर्ति, सीवरेज और अपशिष्ट प्रबंधन गतिविधियों को शामिल करने के साथ सूचकांक के कवरेज का विस्तार किया गया है। खनन टोकरी को 29 से बढ़ाकर 44 कर दिया गया है, जिसमें दुर्लभ पृथ्वी और लघु खनिजों सहित शामिल हैं। आइटम बास्केट 407 से बढ़कर 463 आइटम हो गया है, जिसमें मिट्टी के तेल और कॉम्पैक्ट फ्लोरोसेंट लैंप (सीएफएल) जैसी अप्रचलित वस्तुओं को हटाते हुए सीसीटीवी कैमरे, स्टेंट और वैक्सीन जैसे उत्पादों को जोड़ा गया है।

संशोधित श्रृंखला मोटर वाहनों, फार्मास्यूटिकल्स और इलेक्ट्रॉनिक्स जैसे प्रौद्योगिकी और खपत-उन्मुख क्षेत्रों को अधिक महत्व देती है, जबकि खनन, पेट्रोलियम शोधन और बुनियादी धातुओं जैसे पारंपरिक क्षेत्रों के महत्व को कम करती है। उपयोग-आधारित वर्गीकरण के तहत, मध्यवर्ती वस्तुओं की हिरसेदारी में वृद्धि हुई है, जो अधिक एकीकृत विनिर्माण मूल्य श्रृंखलाओं (चार्ट 1) का संकेत देती है।

जबकि औद्योगिक गतिविधि में समग्र प्रवृत्ति समान बनी हुई है, संशोधित हेडलाइन इंडेक्स उभरते उद्योगों और उत्पादन पैटर्न को शामिल करके मजबूत वार्षिक वृद्धि दर्ज करता है, औद्योगिक संरचना और इसके परिवर्तन के बेहतर मूल्यांकन के साथ (सारणी 1)।

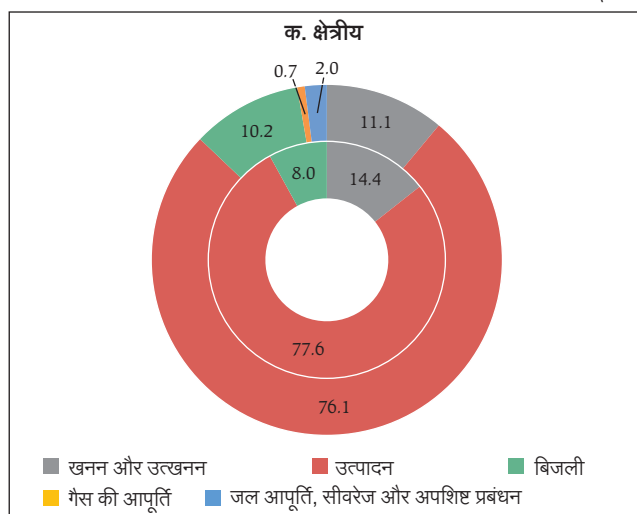
सारणी 1: औद्योगिक उत्पादन सूचकांक में वृद्धि - आधार 2022-23 बनाम आधार 2011-12

(वर्ष-दर-वर्ष, प्रतिशत)

	2023-24	2024-25	2025-26
आधार: 2022-23	6.7	6.4	4.3
आधार: 2011-12	5.9	4.0	4.1

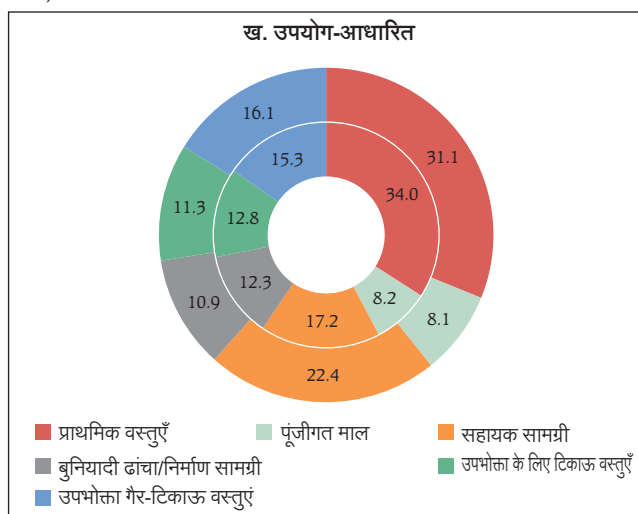
चार्ट 1: आईआईपी कंपोनेंट्स के भार में बदलाव(2011-12 बनाम 2022-23)

(वजन, प्रतिशत)



टिप्पणियाँ: इनर रिंग 2011-12; आउटर रिंग = 2022-23 बेस ईयर।

स्रोत: सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय।



एनेक्स सारणी 1: रियल जीडीपी वृद्धि (2022-23 की कीमतों पर)

(वर्षानुवर्ष वृद्धि, प्रतिशत)

अवयव	2025-26 में हिस्सेदारी (प्रतिशत)	भारित योगदान (प्रतिशत अंक)			2024-25				2025-26				2023-24 (एफई)	2024-25 (एफआरई)	2025-26 (पीई)
		2023-24	2024-25	2025-26	ति1	ति2	ति3	ति4	ति1	ति2	ति3	ति4			
I. कुल उपभोग व्यय	65.8	3.4	3.9	4.9	6.3	5.8	6.2	5.3	8.2	7.1	7.6	6.8	4.9	5.9	7.4
निजी	55.7	3.3	3.3	4.3	6.1	5.6	6.0	5.6	8.7	7.2	8.2	7.1	5.8	5.8	7.7
सरकार	10.1	0.1	0.7	0.6	7.5	7.0	7.6	3.6	5.8	6.6	4.6	4.9	0.6	6.5	5.5
II. सकल पूंजी निर्माण	34.5	3.0	2.1	2.7	5.9	7.7	6.3	4.5	4.2	6.8	8.1	11.4	8.7	6.1	7.7
निश्चित निवेश	32.3	2.3	2.1	2.6	6.5	6.6	6.3	6.2	4.9	8.4	8.2	10.8	7.3	6.4	8.2
III. निवल निर्यात	-1.5	0.4	0.2	0.1	-15.5	-13.8	63.9	1.8	-10.2	14.9	-45.0	55.4	17.0	8.6	4.1
निर्यात	22.2	0.2	1.5	1.4	7.3	3.1	10.5	5.4	6.6	9.7	5.8	3.7	0.7	6.6	6.3
आयात	23.7	-0.3	1.3	1.4	8.3	4.6	2.9	5.5	7.0	6.0	7.2	1.9	-1.0	5.3	5.6
सकल घरेलू उत्पाद	100.0	7.2	7.1	7.7	7.5	6.6	7.4	7.0	6.8	8.3	8.0	7.8	7.2	7.1	7.7

एफई : फाइनल एस्टिमेट्स; एफआरई : पहला रिवाइज्ड एस्टिमेट्स; पीई : प्रोविजनल एस्टिमेट्स

*: वृद्धि में कंपोनेंट-वाइज योगदान जीडीपी वृद्धि में शामिल नहीं हो सकता है, क्योंकि स्टॉक में बदलाव, कीमती सामान और अंतर शामिल नहीं हैं।

स्रोत: एनएसओ।

एनेक्स सारणी 2: रियल जीवीए वृद्धि (2022-23 की कीमतों पर)

(वर्षानुवर्ष वृद्धि, प्रतिशत)

सेक्टर	2025-26 में हिस्सेदारी (प्रतिशत)	भारित योगदान (प्रतिशत अंक)			2024-25				2025-26				2023-24 (एफई)	2024-25 (स्वतंत्र)	2025-26 (पीई)
		2023-24	2024-25	2025-26	ति1	ति2	ति3	ति4	ति1	ति2	ति3	ति4			
I. कृषि और संबद्ध गतिविधियाँ	17.8	0.5	0.8	0.6	2.6	4.1	5.8	3.8	4.4	2.7	1.7	3.6	2.6	4.2	3.0
II. उद्योग	20.5	2.2	1.7	1.8	9.6	4.6	9.7	10.8	7.9	11.0	10.7	6.8	11.3	8.7	9.0
खनन और उत्खनन	2.1	0.1	0.2	0.1	11.9	8.3	13.1	12.9	4.5	6.1	4.7	5.4	2.4	11.7	5.2
उत्पादन	16.1	1.9	1.4	1.7	9.4	4.9	10.8	11.8	10.4	12.7	12.8	7.3	12.7	9.3	10.7
बिजली, गैस, पानी की आपूर्ति और अन्य उपयोगिता सेवाएँ	2.3	0.3	0.1	0.0	9.2	-0.2	0.6	2.1	-2.0	3.6	1.5	4.1	10.7	2.9	1.7
III. सेवाएँ	61.8	4.5	4.7	5.5	8.5	7.8	7.9	7.0	7.6	9.2	9.4	9.7	7.4	7.8	9.0
निर्माण	9.1	0.9	0.7	0.7	8.7	6.1	6.4	8.0	5.3	8.9	6.7	8.4	9.9	7.3	7.4
व्यापार, होटल, परिवहन, संचार और प्रसारण से संबंधित सेवाएँ	14.4	1.4	0.9	1.5	6.9	6.6	6.7	6.3	9.7	10.5	11.2	12.5	10.1	6.6	11.0
वित्तीय, अचल संपत्ति और पेशेवर सेवाएँ	26.1	1.4	2.5	2.7	10.3	10.0	11.1	8.8	9.2	10.3	11.6	10.4	5.5	10.0	10.4
लोक प्रशासन, रक्षा और अन्य सेवाएँ	12.1	0.9	0.6	0.6	6.9	6.0	4.4	3.2	4.0	5.4	4.9	5.8	6.8	5.0	5.0
IV. बेसिक कीमतों पर जीवीए	100.0	7.2	7.3	7.9	7.6	6.5	7.8	7.1	7.1	8.6	8.0	7.9	7.2	7.3	7.9

एफई : फाइनल एस्टिमेट्स; एफआरई : फर्स्ट रिवाइज्ड एस्टिमेट्स; पीई : प्रोविजनल एस्टिमेट्स

स्रोत: एनएसओ ; और आरबीआई स्टाफ कैलकुलेशन।